18 जुलाई, 2025
श्रावण, कृष्ण पक्ष, अष्टमी
संवत 2082
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
शुक्रवार, वर्ष 10, अंक 268

* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे : कल्पना

पटना के पारस हॉस्पिटल में घुसकर गैंगस्टर की हत्या

गैंगस्टर चंदन 10 हत्या के आरोपी को मारी गोलियां

आजाद सिपाही संवाददाता

पटना। पटना के पारस अस्पताल में भर्ती गैंगस्टर चंदन मिश्रा की अपराधियों ने अस्पताल के अंदर घुसकर हत्या कर दी। गुरुवार को शास्त्री नगर थाना क्षेत्र में अस्पताल के आइसीयू में घुसकर गोली मारी गयी। पांच की संख्या में आये अपराधियों ने हॉस्पिटल के बाहर गाड़ी खड़ी की, अस्पताल में घुसकर वारदात को अंजाम दिया और फरार हो गये। वारदात का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। इसमें पांच अपराधी बड़े आराम से चंदन मिश्रा के वॉर्ड तक आते हैं। कमरे के बाहर एक-एक कर अपनी कमर से पिस्टल निकालते हैं। फिर कमरे में दाखिल होते हैं। गोली मारकर करीब 30 सेकेंड में बाहर आते हैं। पिस्टल कमर में खोंसकर फरार हो जाते हैं। । बताया जा रहा है कि अपराधियों ने चंदन को शूट करने का वीडियो भी बनाया। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

चंदन पैरोल पर इलाज के लिए हुआ था भर्ती

बताया जा रहा है कि चंदन मिश्रा 15 दिनों के लिए पैरोल पर बाहर आया था। उसका पैरोल 18 जुलाई को खत्म हो रहा था। इसके बाद वापस उसे पटना के बेऊर जेल लौटना था। उसका बवासीर का ऑपरेशन हुआ था। चंदन बक्सर का रहने वाला था। बक्सर में राजेंद्र केसरी नाम के चूना व्यवसायी की हत्या के मामले में कोर्ट ने दोषी ठहराया था। उसे उम्रकैद की सजा हुई थी।

एसआइटी का गठन

पटना एसएसपी के मुताबिक चंदन एक कुख्यात अपराधी था। वो 10 से ज्यादा मर्डर केस में आरोपी था। मामले की जांच के लिए एसआइटी का गठन किया गया है। पटना पुलिस ने सीसीटीवी की मदद से शूटर की पहचान की है। उसके खिलाफ हत्या, आर्म्स एक्ट समेत एक दर्जन से अधिक केस दर्ज हैं। पुलिस का दावा है कि शूटर पटना के फुलवारी शरीफ का रहने वाला है।

झारखंड के कुशल नेतृत्व को फिर मिला सम्मान

प्रॉमिसिंग स्वच्छ शहर बना बुंडू

- 3-10 लाख आबादी वाले स्वच्छ शहरों में जमशेदपुर को तृतीय स्थान
- स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 में झारखंड के दो शहर सम्मानित

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के कुशल नेतृत्व में राज्य नें लगातार विकास की दिशा में कई उपलब्धियां हासिल की हैं। इसी क्रम में स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 में 3-10 लाख तक की आबादी वाले स्वच्छ शहरों में झारखंड के जमशेदपुर को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। वहीं, बुंडू को झारखंड के प्रॉमिसिंग स्वच्छ शहर के रूप में चुना गया। नयी दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में गुरूवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मौजूदगी में स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 का परिणाम घोषित किया गया और बेहतर प्रदर्शन करनेवाले शहरों को सम्मानित भी किया गया। इस मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर, केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू एवं केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य विभाग के सचिव श्रीनिवास कटिकिथला ने झारखंड सरकार, राज्य के नगर विकास विभाग और प्रदेश के नागरिकों खासकर जमशेदपुर और बुंडू के नागरिकों को इस सम्मान के लिए बधाई दी। राज्य सरकार की ओर से नगर विकास एव आवास विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार, राज्य शहरी विकास अभिकरण के निदेशक सूरज कुमार और जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति के विशेष पदाधिकारी कृष्ण कुमार और बुंडू नगर पंचायत के पदाधिकारियों ने सम्मान प्राप्त किया ।

अन्य शहरों का रहा बेहतर प्रदर्शन

स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 के कुछ अन्य श्रेणी में भी झारखंड के शहरों का प्रदर्शन बेहतर रहा है। स्वच्छता के क्षेत्र में जमशेदपुर को पांच सितारा शहरों की सूची में शामिल किया गया है। वहीं, झारखंड के देवघर,जुगसलाई और चाकुलिया को वन स्टार रैंकिंग प्राप्त हुआ है। वाटर प्लस शहरों की सूची में जमशेदपुर को जगह मिली है। बुंडू,चिरकुंडा,राजमहल,साहेबगंज और देवघर को ओडीएफ प्लस-प्लस की श्रेणी में रखा गया है।

झारखंड लगतार पुरस्कार प्राप्त कर रहा: गौरतलब है कि स्वच्छता सर्वेक्षण 2016 में झारखंड की स्थिति बहुत प्रशंसनीय नहीं थी। इसके बाद स्वच्छ सर्वेक्षण 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022 और 2023 में राज्य की जनता और शहरी निकायों तथा राज्य सरकार के कुशल मार्गदर्शन में राज्य ने स्वच्छता के क्षेत्र में कई सम्मान प्राप्त किये हैं। वर्तमान समय में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के कुशल नेतृत्व और विभागीय मंत्री सुदिव्य कुमार के मार्गदर्शन तथा सफाईकर्मियों के प्रति संवेदनशीलता का ही नतीजा है कि आज राज्य के दो शहरों को स्वच्छता के क्षेत्र में ये सम्मान प्राप्त हुआ है।

अधिकारियों ने और बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद जतायी

नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने इस सफलता के लिए मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व और विभागीय मंत्री सुदिव्य कुमार के मार्गदर्शन और नागरिकों के सहयोग को श्रेय दिया। उन्होंने विभाग से अगले सर्वेक्षण में और बेहतर प्रदर्शन का उम्मीद जतायी है। उन्होंने सभी नगर निकायों को निर्देश भी दिया है कि वो साफ-सफाई को अपनी प्राथमिकता में रखकर कार्य करें।

झारखंड भवन में अब नहीं ठहर सकेंगे जूनियर अधिकारी

मंत्रिमंडल निगरानी विभाग ने जारी किया आदेश

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। दिल्ली स्थित झारखंड भवन में राज्य के जूनियर अधिकारियों और कर्मचारियों को कमरा आवंटित नहीं किया जायेगा। जूनियर अधिकारी दिल्ली स्थित झारखंड भवन में निजी भुगतान कर कमरा आवंटित करा लेते हैं। अब इस व्यवस्था पर रोक लगा दी गयी है। मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग के संयुक्त सचिव अखिलेश कुमार सिन्हा के हस्ताक्षर से इस संबंध में आदेश जारी किया गया है। यह आदेश 16 जुलाई को जारी हुआ है। आदेश लेने के पहले मुख्य सचिव से भी फाइल पर सहमति ली गयी है। झारखंड भवन में कमरा आवंटन को लेकर हाल में एक विवाद हुआ था। इसके बाद विभाग को यह कदम उठाना पड़ा है।

सभी विभागों को लिखा पत्र

विभाग के संयुक्त सचिव ने सरकार के सभी विभाग के अपर मुख्य सचिव, सभी प्रधान सचिव, सभी सचिव, डीजीपी, सभी आयुक्त, सभी डीसी, सभी एसपी को संबोधित पत्र में कहा है कि न्यू झारखंड भवन नयी दिल्ली के क्रियाशील होने के बाद राज्य के विभिन्न महानुभावों द्वारा अनुशंसित एवं राज्य सरकार जूनियर अधिकारियों और कर्मचारियों के झारखंड भवन दिल्ली में निजी भुगतान कर कमरा आरक्षण पर रोक हटाने के बाद भी इस कोटि में काफी संख्या में आरक्षण हो रहा है। इससे जनप्रतिनिधियों, महानुभावों के सरकारी कार्य से दिल्ली जाने पर कमरा उपलब्ध कराने में कठिनाई हो रही है। इसलिए जूनियर अधिकारियों और कर्मचारियों के निजी भुगतान पर कमरा आवंटित करने पर रोक लगा दिया गया है।

आजाद सिपाही
रांची, शुक्रवार, 18 जुलाई, 2025
www.azadsipahi.in

भारत को अंतरिक्ष का 'किंग' बनायेगी शुभांशु शुक्ला की यात्रा

■ शुभांशु की आइएसएस यात्रा ने खोल दिये हैं भारत की सफलता के द्वार

■ गगनयान-मंगल मिशन जैसे भारतीय अभियानों को इस यात्रा से मिलेगी ताकत

आजाद सिपाही विशेष

भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र (आइएसएस) से वापस धरती पर लौट आये हैं। वह 18 दिन तक आइएसएस में रहने के बाद पृथ्वी पर लौटे हैं। इसरो ने शुभांशु शुक्ला की इस अंतरिक्ष यात्रा पर करीब 550 करोड़ रुपये खर्च किये हैं। शुभांशु का अंतरिक्ष अनुभव भारत के गगनयान मिशन और मंगल मिशन में मदद करेगा। शुभांशु शुक्ला अपने मिशन में पूरी तरह से कामयाब रहे हैं और उनका यह मिशन वास्तव में भारत के अंतरिक्ष अभियानों का मजबूत आधार बनेगा। शुभांशु शुक्ला अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले दूसरे भारतीय हैं। उनसे पहले साल 1984 में राकेश शर्मा ने अंतरिक्ष की यात्रा की थी और वह वहां आठ दिन तक रहे थे। शुभांशु शुक्ला के अंतरिक्ष मिशन के संपन्न होने के बाद देश के वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि इससे भारत के सपनों को आकार देने में मदद मिलेगी। दरअसल भारत के लिए शुभांशु शुक्ला का यह अंतरिक्ष मिशन केवल रिकॉर्ड बनाने का मौका नहीं था। यह भविष्य की तैयारी थी। यह मिशन भारत के खुद के दम पर अंतरिक्ष में इंसानों को भेजने के सपने का आधार बनेगा। यहीं से भारत के गगनयान मिशन और मंगल मिशन का रास्ता निकलेगा। इस तरह शुभांशु शुक्ला का यह मिशन सिर्फ अंतरिक्ष यात्रा नहीं, यह भारत की आकांक्षाओं, वैज्ञानिक उपलब्धियों और आत्मविश्वास की कहानी है, जो भारत को वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित करने में मदद करेगा। क्या है शुभांशु शुक्ला के अंतरिक्ष अभियान के भारतीय संदर्भों में मायने, बता रहे हैं **आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।**

राकेश सिंह

भारत के लिए 15 जुलाई का दिन न केवल वैज्ञानिक दृष्टिकोण से, बल्कि राष्ट्रीय गौरव और अंतरिक्ष रणनीति के लिहाज से भी ऐतिहासिक बन गया, जब देश के लाल शुभांशु शुक्ला सफलतापूर्वक अंतरिक्ष से धरती पर लौटे हैं। यह कोई सामान्य वापसी नहीं थी, बल्कि यह भारतीय अंतरिक्ष इतिहास के उस स्वर्ण अध्याय की शुरुआत है, जो भविष्य में चंद्रमा, मंगल और दीर्घकालिक मानव अंतरिक्ष उपस्थिति की नींव रखने वाला है। शुभांशु शुक्ला की ड्रैगन अंतरिक्ष यान द्वारा हुई वापसी भी अपने आप में तकनीकी और समय-संवेदी ऑपरेशन था। जब ड्रैगन कैप्सूल प्रशांत महासागर में सफलतापूर्वक स्प्लैशडाउन हुआ, तो यह क्षण भारत के लिए विजय घोष की तरह था। कैप्सूल को चार बड़े पैराशूटों की मदद से सुरक्षित रूप से समुद्र में उतारा गया और बाद में एक विशेष रिकवरी शिप पर स्थानांतरित किया गया, जहां अंतरिक्ष यात्रियों की शुरुआती स्वास्थ्य जांच हुई, जो अंतरिक्ष में बिताये समय के कारण अत्यंत आवश्यक होती है।

अंतरिक्ष से वापसी के बाद पुनर्वास की जटिल प्रक्रिया

अंतरिक्ष यात्रियों को पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण के अनुकूल ढालने के लिए कम से कम सात दिन पुनर्वास में बिताने होंगे। यह प्रक्रिया अत्यंत जटिल होती है, क्योंकि अंतरिक्ष में शरीर की मांसपेशियां और हड्डियां अलग प्रकार के दबाव में होती हैं। जब अंतरिक्ष यात्री गुरुत्वाकर्षण में लौटते हैं, तो शरीर को पुनः स्थिर करने के लिए शारीरिक और मानसिक प्रशिक्षण आवश्यक होता है।

एक्सिओम-4 मिशन में भारत की ऐतिहासिक भागीदारी

शुभांशु शुक्ला ने एक्सिओम-4 मिशन के तहत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आइएसएस) पर जाकर एक ऐसा कीर्तिमान स्थापित किया, जो न केवल भारत के लिए, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया के लिए प्रेरणा स्रोत बन गया। इस ऐतिहासिक यात्रा ने एक नये संदर्भ और नयी दिशा के साथ राकेश शर्मा की विरासत को पुनर्जीवित किया है। यह एक देश के सपनों, उसकी क्षमताओं और उसके भविष्य की एक संपूर्ण कहानी है, जिसमें भारत अब केवल अंतरिक्ष की ओर नहीं देखता, बल्कि अंतरिक्ष में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है। शुभांशु शुक्ला की यह यात्रा अनेक दृष्टियों से ऐतिहासिक रही। वह आइएसएस में कदम रखने वाले पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री बने। इससे पहले वर्ष 1984 में राकेश शर्मा ने रूस के सैल्यूट-7 मिशन में हिस्सा लिया था, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, विशेष रूप से नासा और एक्सिओम स्पेस जैसे संगठनों के साथ भारत की यह सीधी भागीदारी पहली बार हुई है। एक्सिओम-4 मिशन में अमेरिकी कमांडर पैगी व्हिट्सन, पोलैंड के स्लावोज उज्नान्स्की-विस्नीव्स्की और हंगरी के टिबोर कापू शुक्ला के साथ आइएसएस पहुंचे और वहां 18 दिनों तक महत्वपूर्ण वैज्ञानिक प्रयोगों को अंजाम दिया।

गगनयान मिशन की नींव और रणनीतिक निवेश

भारत की ओर से यह मिशन पूरी तरह से रणनीतिक रूप से सोचा-समझा गया कदम था। इसरो द्वारा लगभग 550 करोड़ रुपये खर्च कर इस अभियान में भागीदारी सुनिश्चित की गयी थी, जो कई मायनों में एक दीर्घकालिक निवेश की तरह है। गगनयान मिशन, जिसे 2027 तक लांच करने की योजना है, उस दिशा में यह एक व्यावहारिक प्रशिक्षण, अनुभव और अंतरराष्ट्रीय मानकों की समझ का अवसर रहा। अंतरिक्ष अभियानों की सफलता केवल तकनीकी तैयारी से नहीं, बल्कि वहां कार्यरत वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और अंतरिक्ष यात्रियों की व्यवहारिक तैयारी से भी तय होती है। इस संदर्भ में शुभांशु शुक्ला का यह अनुभव इसरो के मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए एक बेहद मूल्यवान संपत्ति साबित होगा।

वैज्ञानिक प्रयोगों की बहुआयामी उपलब्धियां

एक्सिओम-4 मिशन की विशेष बात यह रही कि इसमें केवल प्रयोगशाला परीक्षण या अंतरिक्ष में जीवन की अनुकूलता के अध्ययन तक ही सीमित नहीं रहा गया, बल्कि इसमें भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों के लिए आवश्यक बहुआयामी प्रयोग किये गये। इस अभियान के दौरान माइक्रोएल्गी पर किये गये प्रयोगों को काफी अहम माना जा रहा है। ये प्रयोग अंतरिक्ष में दीर्घकालिक मानव उपस्थिति की संभावनाओं को बढ़ावा देंगे, जहां खाद्य और ऑक्सीजन आपूर्ति जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं में माइक्रोएल्गी प्रमुख भूमिका निभा सकते हैं। अंतरिक्ष यात्रियों की जीवन समर्थन प्रणाली का भविष्य अब ऐसे जैविक स्रोतों की सहायता से और भी आत्मनिर्भर बन सकता है। इसी तरह नैनोमैटेरियल्स पर किये गये शोध भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इनसे ऐसे पहनने योग्य उपकरण विकसित किये जा सकेंगे, जो न केवल अंतरिक्ष यात्रियों की स्वास्थ्य निगरानी कर सकें, बल्कि दीर्घकालिक अंतरिक्ष अभियानों के दौरान उन्नत बायोसेंसर की भूमिका निभा सकें। रक्त नमूनों का विश्लेषण और व्यावहारिक प्रतिक्रियाओं के अध्ययन जैसे प्रयोग भविष्य में अंतरिक्ष चिकित्सा को एक नयी दिशा देंगे।

स्पेस डिप्लोमेसी और भारत की सॉफ्ट पावर

शुभांशु शुक्ला का यह मिशन केवल वैज्ञानिक सफलता नहीं है, बल्कि यह भारत की अंतरिक्ष कूटनीति और वैश्विक नेतृत्व में प्रवेश का प्रतीक भी है। आज जब अंतरिक्ष एक वैश्विक प्रतिस्पर्धा का क्षेत्र बन चुका है, भारत जैसी उभरती शक्ति की ऐसी उपलब्धि यह संदेश देती है कि अब हम केवल 'स्पेस फॉलोअर' नहीं, बल्कि 'स्पेस लीडर' बनने की दिशा में अग्रसर हैं। भारत ने पहले चंद्रयान, फिर मंगलयान और अब मानव अंतरिक्ष उड़ानों के क्षेत्र में एक्सिओम-4 जैसे अंतरराष्ट्रीय मिशन में भाग लेकर सिद्ध कर दिया है कि वह अंतरिक्ष अभियानों की तकनीकी एवं वैज्ञानिक आवश्यकता को पूरी तरह समझता है और उसमें नेतृत्व की क्षमता भी रखता है। इस मिशन से प्राप्त अनुभव न केवल गगनयान को परिपक्व बनायेंगे, बल्कि भारत को भविष्य में अन्य अंतरराष्ट्रीय मिशनों में निर्णायक भागीदारी के लिए तैयार करेंगे। वैज्ञानिक प्रयोगों से इतर इस मिशन में भारत की सॉफ्ट पावर, अंतरराष्ट्रीय साझेदारी और कूटनीतिक पहचान को भी बल मिला है। शुभांशु शुक्ला की यह अंतरिक्ष यात्रा भारत की सांस्कृतिक, रणनीतिक और वैज्ञानिक पहचान का त्रिवेणी संगम बन गयी है। उन्होंने केवल प्रयोग नहीं किये, बल्कि भारत की वैश्विक स्थिति को एक नयी ऊंचाई दी है।

चंद्र और मंगल मिशनों के लिए आधार तैयार

इस अंतरिक्ष मिशन के दौरान हुए कुछ प्रयोग भविष्य के चंद्र और मंगल मिशनों की नींव रखने वाले सिद्ध हो सकते हैं। इलेक्ट्रिकल मसल स्टिमुलेशन, थर्मल कंफर्ट सूट और अंतरिक्ष में व्यावहारिक प्रतिक्रियाओं से जुड़े डेटा का इस्तेमाल मानवयुक्त मिशनों में अंतरिक्ष यात्रियों की मानसिक और शारीरिक स्थिति के बेहतर नियंत्रण हेतु किया जायेगा। इससे भारतीय वैज्ञानिकों को बेहतर डिजाइनिंग, सपोर्ट सिस्टम और तनाव प्रबंधन जैसी तकनीकों में महारत हासिल होगी। भारत ने हमेशा आत्मनिर्भरता के सिद्धांत पर चलकर अपनी अंतरिक्ष यात्रा को आकार दिया है, लेकिन एक्सिओम-4 जैसा मिशन दर्शाता है कि भारत अब सहयोग की वैश्विक अवधारणा को अपना कर अंतरिक्ष विज्ञान को साझा प्रयासों के माध्यम से नयी दिशा देना चाहता है। शुभांशु शुक्ला की यह यात्रा इस बात की पुष्टि करती है कि भारत तकनीक, विज्ञान, नेतृत्व और कूटनीति, चारों स्तरों पर एक समरस समन्वय बनाकर आगे बढ़ रहा है।

गगनयान से पहले 'लाइव केस स्टडी' का महत्व

अब जबकि गगनयान मिशन अपने अंतिम तैयारियों की ओर बढ़ रहा है, शुभांशु का अनुभव इसरो के लिए 'लाइव केस स्टडी' की तरह होगा। शुभांशु के अनुभवों से देश को अब अंतरिक्ष में नयी उड़ान भरने में बड़ी मदद मिलेगी। शुभांशु का व्यवहार, स्वास्थ्य परिवर्तन, प्रयोगात्मक दक्षता, टीम समन्वय और तनाव प्रबंधन जैसी क्षमताएं गगनयान के अंतरिक्ष यात्रियों के चयन और प्रशिक्षण में दिशा-निर्देशक सिद्ध होंगी। उनके साथ इस मिशन में शामिल वैज्ञानिकों और इंजीनियरों द्वारा एकत्रित डेटा, अंतरिक्ष चिकित्सा, भोजन, ऑक्सीजन व्यवस्था, जैविक प्रयोगों और जीवन समर्थन प्रणालियों को लेकर नयी मानक प्रक्रिया का निर्माण करेगा। इसरो और अन्य संस्थानों को इस मिशन से यह स्पष्ट संदेश मिला है कि भारत को अब और तेज गति से तकनीकी आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ना है। वहीं, युवा पीढ़ी के लिए शुभांशु शुक्ला की यह उपलब्धि प्रेरणा की वह लौ बन गयी है, जो अगले दशक के वैज्ञानिकों, अभियंताओं और शोधकर्ताओं के लिए दिशा तय करेगी।

अंतरिक्ष से लौटकर शुभांशु ने पत्नी को गले लगाया, बेटे को गोद में उठाया, कहा-अपनों से मिलना भी अंतरिक्ष की तरह अद्भुत

लखनऊ। अंतरिक्ष में 18 दिन रहकर धरती पर लौटे लखनऊ के एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला ने बुधवार को पत्नी कामना और 6 साल के बेटे किआश से मुलाकात की। शुभांशु ने पत्नी को गले लगाया और बेटे को गोद में उठाया। शुभांशु ने तस्वीरें शेयर करते हुए इंस्टाग्राम पर लिखा- अंतरिक्ष की उड़ान अद्भुत होती है, लेकिन लंबे समय बाद अपनों से मिलना भी उतना ही अद्भुत होता है। धरती पर लौटकर जब परिवार को गले लगाया तो लगा कि जैसे घर आ गया। शुभांशु ने पोस्ट के जरिए बताया- अंतरिक्ष में जाने से पहले वे 2 महीने क्वारंटीन थे। उन्हें परिवार से 8 मीटर की दूरी बनाकर रखनी होती थी। मेरे छोटे बेटे को बताया गया कि उसके हाथों में कीटाणु हो सकते हैं, इसलिए वह पापा को नहीं छू सकता। हर बार वह अपनी मां से मासूमियत से पूछता, क्या मैं अब हाथ धोकर पापा को छू सकता हूं? दरअसल, स्पेस स्टेशन जाने से पहले एस्ट्रोनॉट को क्वारंटीन किया जाता है, ताकि आइएसएस में किसी तरह के कीटाणु न पहुंचें। एक्सियम मिशन 4 के तहत 25 जून को शुभांशु शुक्ला सहित चार एस्ट्रोनॉट इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के लिए रवाना हुए थे। 26 जून को भारतीय समयानुसार शाम 4:01 बजे आइएसएस पहुंचे थे। 18 दिन रहने के बाद 15 जुलाई को पृथ्वी पर लौट थे। कैलिफोर्निया के तट पर लैंडिंग हुई थी।

शुभांशु ने लिखा- इंसान ही अंतरिक्ष को जादुई बनाते हैं

शुभांशु ने लिखा- आज ही किसी प्रियजन को खोजें और उन्हें बतायें कि आप उनसे प्यार करते हैं। हम अक्सर जीवन में व्यस्त हो जाते हैं और भूल जाते हैं कि हमारे जीवन में लोग कितने अहम हैं। स्पेस मिशन जादुई होते हैं, लेकिन उन्हें इंसान ही जादुई बनाता है।

बिहार में 125 यूनिट बिजली फ्री मिलेगी : चुनाव से पहले सीएम नीतीश का एलान

1 अगस्त 2025 से मिलेगा फायदा

आजाद सिपाही संवाददाता

पटना। बिहार के लोगों को 125 यूनिट बिजली मुफ्त में मिलेगी। साथ ही अगले तीन वर्षों में घरेलू उपभोक्ताओं को सौर ऊर्जा का भी लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को एक्स पर इसका एलान किया।

1 करोड़ 67 लाख परिवारों को लाभ होगा : सीएम ने एक्स पर बताया- हम लोग शुरू से ही सस्ती दरों पर सभी को बिजली उपलब्ध करा रहे हैं। अब हमने तय कर दिया है कि 1 अगस्त, 2025 से, यानी जुलाई माह के बिल से ही राज्य के सभी घरेलू उपभोक्ताओं को 125 यूनिट तक बिजली का कोई पैसा नहीं देना पड़ेगा। इससे राज्य के कुल 1 करोड़ 67 लाख परिवारों को लाभ होगा। हमने यह भी तय किया है कि अगले तीन वर्षों में इन सभी घरेलू उपभोक्ताओं से सहमति लेकर उनकी घर की

छतों पर अथवा नजदीकी सार्वजनिक स्थल पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाकर लाभ दिया जायेगा। कुटीर ज्योति योजना के तहत जो अत्यंत निर्धन परिवार होंगे उनके लिए सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने के लिए पूरा खर्च राज्य सरकार करेगी, बाकी के लिए भी सरकार उचित सहयोग करेगी।

इससे घरेलू उपभोक्ताओं को अब बिजली का 125 यूनिट तक कोई खर्च नहीं लगेगा, साथ ही साथ राज्य में अगले तीन वर्षों में एक अनुमान के अनुसार 10 हजार मेगावाट तक सौर ऊर्जा उपलब्ध हो जायेगी।

5 साल में 1 करोड़ नौकरियां और रोजगार देगी सरकार : बिहार सरकार ने फैसला किया है कि आने वाले 5 सालों (2025 से 2030 तक) में 1 करोड़ नयी नौकरियां और रोजगार के मौके बनाये जायेंगे। इसके लिए एक उच्च स्तरीय समिति बनायी जायेगी, जिसकी अध्यक्षता विकास आयुक्त करेंगे। यह समिति देखेगी कि रोजगार बढ़ाने के लिए और क्या-क्या किया जा सकता है और सरकार को सलाह देगी।

पाकुड़ में ब्राउन शुगर बेचते एक युवक गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

पाकुड़। सदर एसडीपीओ डी एन आजाद को मिली गुप्त सूचना पर गठित टीम ने मुफस्सिल थाना क्षेत्र के कांकर बोना गांव में अवैध रूप से ब्राउन शुगर बेचते हाजीबुल शेख नामक एक युवक को बुधवार की शाम गिरफ्तार किया है। इस बाबत एसडीपीओ ने बताया कि सूचना मिली थी कि कंकड़बोना पुल के पास हाजीबुल शेख के द्वारा अवैध रूप से मादक पदार्थ ब्राउन शुगर की बिक्री की

जा रही है। सूचना का सत्यापन में मुफस्सिल थाना के द्वारा कराया गया। तत्पश्चात गठित टीम ने एनडीपीएस एक्ट के प्रावधान के तहत प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी सदर बीडीओ अल्फ्रेड मुर्मू की मौजूदगी में प्रोफेशनल तरीके से छापेमारी कर हाजीबुल शेख को ब्राउन शुगर बेचते हुए पकड़ा गया। एसडीपीओ ने बताया कि हाजीबुल पूर्व में भी मादक पदार्थ के साथ पकड़ा गया था और जेल गया था। हिरासत में लेने के दौरान उसके पास पुलिस ने 22 ग्राम ब्राउन शुगर, 6, 740 रुपये नगद और एक वीवो का मोबाइल बरामद किया है। छापेमारी टीम में मुफस्सिल थाना इंचार्ज संजीव कुमार झा, सब इंस्पेक्टर अनंत शाह, मिथुन रजक, सुदामा साह और रिजर्व गार्ड शामिल थे।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
200000 Subscribers
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Subscribe NOW

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	28.7 ℃	22.8 ℃
सूर्यास्त (आज)	:	18.39 बजे
सूर्योदय (कल)	:	05.16 बजे

आजाद सिपाही
रांची, शुक्रवार, 18 जुलाई, 2025
www.azadsipahi.in

योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे : कल्पना

हेमंत सोरेन सरकार आम लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध

गांडेय विधायक कल्पना सोरेन ने गिरिडीह परिसदन में अधिकारियों के साथ की बैठक

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा की गांडेय विधायक कल्पना सोरेन ने गिरिडीह परिसदन में एक बैठक आयोजित की। इस दौरान उन्होंने क्षेत्रीय विकास, जनसमस्याओं के समाधान और सरकारी योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन को लेकर अधिकारियों एवं पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ विचार-विमर्श किया।

बैठक में ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क एवं पेयजल जैसी मूलभूत आवश्यकताओं की स्थिति की समीक्षा की गयी। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि जनता से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता दी जायेगी और हर समस्या का समाधान समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित किया जायेगा। कल्पना सोरेन ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए सतर्क और सक्रिय रहें। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार आम लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

कल्पना सोरेन ने बेंगाबाद +2 के विद्यार्थियों से की मुलाकात

गिरिडीह (आजाद सिपाही)। गांडेय विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर विधायक कल्पना सोरेन गुरुवार 17 जुलाई को गिरिडीह पहुंचीं। उन्होंने सबसे पहले गिरिडीह परिसदन भवन में अधिकारियों के साथ बैठक की, जिसमें विकास योजनाओं की समीक्षा की गयी। इसके बाद विधायक कल्पना सोरेन ने बेंगाबाद +2 विद्यालय का भी भ्रमण किया। वहां उन्होंने छात्रों से संवाद कर उन्हें शिक्षा के प्रति प्रेरित किया। उन्होंने छात्रों के बीच एक मोटिवेशनल सत्र का आयोजन किया, जिसमें अपने जीवन के अनुभव साझा करते हुए कठिन परिश्रम, अनुशासन और आत्मविश्वास के महत्व को रेखांकित किया। छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, जीवन में सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। पढ़ाई के प्रति ईमानदारी और निरंतर प्रयास ही आपको आगे ले जा सकती है। उनकी बातों से छात्रों में विशेष उत्साह देखा गया। बच्चों ने उनसे खुलकर बातचीत की और कई सवाल भी पूछे, जिनका उन्होंने बेहद सहजता और आत्मीयता से उत्तर दिया। इस प्रेरणादायक मुलाकात से न केवल छात्रों का मनोबल बढ़ा, बल्कि उन्हें अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने की दिशा भी मिली। इस अवसर पर डीडीसी स्मृता कुमारी, एसपी डॉ विमल कुमार, डीएसइ वसीम अहमद, झामुमो जिलाध्यक्ष संजय सिंह, स्थानीय जनप्रतिनिधि, शिक्षा विभाग के अधिकारी और विद्यालय के शिक्षकगण भी उपस्थित थे।

चमरा लिंडा और स्टीफन मरांडी ने हेमंत सोरेन से की मुलाकात, गुरुजी का कुशलक्षेम जाना

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने गुरुवार को दिल्ली स्थित गंगाराम अस्पताल में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की। इस दौरान उनके साथ वरिष्ठ विधायक स्टीफन मरांडी और उनकी बेटी उपासना मरांडी भी मौजूद रहीं। यह मुलाकात दिशोम गुरु शिबू सोरेन के स्वास्थ्य को लेकर हुई, जो इन दिनों दिल्ली में इलाजरत हैं। सभी प्रतिनिधि अस्पताल पहुंचकर गुरुजी का कुशलक्षेम जाना और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। मंत्री चमरा लिंडा ने इस मुलाकात की तस्वीर साझा करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात कर दिशोम गुरु शिबू सोरेन के स्वास्थ्य की जानकारी ली। मां सरना से मेरी यही प्रार्थना है कि झारखंड के इस महान रत्न को जल्द स्वस्थ हों और वह पूर्व की भांति हम सभी का मार्गदर्शन करते रहें।

राशिफल

डॉ एनके बेरा | 9431114351

मेष आय के नये स्रोत बनेंगे, प्रभावशाली व्यक्तित्व का विकास, षड्यंत्र विफल रहेगा।

वृष बहुत दिनों से चली आ रही इच्छाओं की पूर्ति होगी, व्यवसाय में सफलता।

मिथुन आत्मविश्वास की वृद्धि, नये कार्ययोजनाओं के प्रति रुचि बढ़ेगी।

कर्क काम की गति बढ़ेगी, सुख-संसाधनों की वृद्धि, व्यापारिक विस्तार की योजना।

सिंह कामकाज का विस्तार, आप उन्नति के मार्ग की ओर प्रशस्त होंगे, संकल्पित कार्य पूरा होगा।

कन्या समसामयिक प्रयास सफल, विद्या-बुद्धि-प्रतिभा का विकास होगा, महत्वपूर्ण कार्य पूरे होंगे।

तुला कुछ संघर्षों के बाद नौकरी-सरकारी कार्यों में आशातीत सफलता मिलेगी।

वृश्चिक चतुर्दिक हर्ष तथा उल्लास का वातावरण रहेगा, संयम, धैर्य से काम आसान होंगे।

धनु आमदनी के नये स्रोत बनेंगे, मान-सम्मान, पद-प्रतिष्ठा, धन-ऐश्वर्य की वृद्धि।

मकर नये व्यवसाय का आरंभ हो सकता है, परिवार में मांगलिक कार्य संपन्न होगा।

कुंभ रुके हुए कार्य में तेजी, उत्साह-उमंग भरा रहेगा, भ्रमण के साधन बनेंगे,नये लोगों से संपर्क।

मीन किसी नये कार्य आरंभ करने से पूर्व परिवार में विचार-विमर्श करें, कठिनाइयों पर विजय।

पारा के लिए 100 और गैर पारा शिक्षकों के लिए 14 पद आरक्षित रखें : हाइकोर्ट

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। हाइकोर्ट में सहायक आचार्य नियुक्ति में नॉर्मलाइजेशन को चुनौती देने वाली याचिका पर हाइकोर्ट में गुरुवार को सुनवाई हुई। इस सुनवाई के दौरान हाइकोर्ट ने जेएसएससी को पारा शिक्षकों के लिए 100 और गैर पारा शिक्षकों के लिए 14 पद रिजर्व रखने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही अदालत ने जेएसएससी को यह निर्देश दिया है कि अगली सुनवाई तक आयोग से स्पष्ट दिशा निर्देश लेकर आयें। हाइकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस दीपक रौशन की पीठ में इस मामले की सुनवाई हुई। इस संबंध में रेशमी कुमारी, गिरिधर प्रसाद एवं अन्य की ओर से हाइकोर्ट में याचिका दायर की गयी है। प्रार्थियों की ओर से वरीय अधिवक्ता अजीत कुमार और अधिवक्ता शुभम मिश्रा ने बहस की। हाइकोर्ट ने अब इस मामले में अगली और अंतिम सुनवाई के लिए 5 अगस्त की तिथि निर्धारित की है।

मंत्री ने भू संरक्षण और लाह केंद्र का किया निरीक्षण, काम में सुस्ती पर हुई नाराज

भूमि संरक्षण योजनाएं अक्टूबर से शुरू करें: शिल्पी नेहा तिर्की

आजाद सिपाही संवाददाता

नामकुम। कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने गुरुवार को भूमि संरक्षण कार्यालय रांची और नामकुम के सिदरौल स्थित भगवान बिरसा मुंडा लाह मूल्य संवर्द्धन शोध एवं प्रशिक्षण केंद्र का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा योजनाओं को गति देने और कार्य संस्कृति में बदलाव की बात पर जोर दिया। उन्होंने कार्यालय में कर्मचारियों और अधिकारियों की उपस्थिति, कार्य संस्कृति, योजनाओं से संबंधित कार्य प्रगति रिपोर्ट की भी जानकारी ली।

भूमि संरक्षण विभाग के अंतर्गत डीप बोरिंग, परकोलेशन टैंक, तालाब के जीर्णोद्धार से संबंधित विधायकों के अनुशंसा पत्र को देखा।

वहीं मंत्री ने ट्रैक्टर वितरण और पंपसेट वितरण की प्रक्रिया

को सरल बनाते हुए सरकारी अनुदान पर लाभुकों को इसका ज्यादा से ज्यादा लाभ देने का निर्देश दिया।

मौके पर मंत्री ने कहा है कि अक्टूबर माह में काम की शुरूआत हो जानी चाहिए। योजना को समय सीमा के अंदर शुरू करने को लेकर भूमि संरक्षण विभाग की ओर से सभी जिलों को भी इससे संबंधित निर्देश जारी किया जायेगा। विधायकों की ओर से अनुशंसित योजना का अधिकारियों के स्तर पर स्थल निरीक्षण में सुस्ती से मंत्री नाराज दिखीं। उन्होंने विभाग के अधीन संचालित योजनाओं को गति देने के लिए समय सीमा का निर्धारण करते हुए टास्क दिया।

मंत्री ने कहा कि विधायकों के अनुशंसा पत्र का योजनावार समरी तैयार किया जायेगा। उन्होंने कहा कि विभाग के जेइ और एइ अगस्त माह के अंत तक योजना स्थल निरीक्षण का कार्य हर हाल में पूर्ण करेंगे। इसके बाद प्रखंड विकास पदाधिकारी और अंचलाधिकारी के समक्ष जांच रिपोर्ट की प्रक्रिया पूरी की जायेगी। सितंबर माह में योजना से संबंधित सूची तैयार कर जिला उपायुक्त के समक्ष अनुमोदन के लिए भेजा जायेगा। इधर, नामकुम के सिदरौल स्थित भगवान बिरसा मुंडा लाह मूल्य संवर्द्धन शोध एवं प्रशिक्षण केंद्र का औचक निरीक्षण के क्रम में मंत्री ने प्रशासनिक भवन के साथ-साथ लाह गोदाम का निरीक्षण किया। लाह केंद्र में कच्चा लाह का संग्रहण के साथ-साथ प्रसंस्करण और किसानों को प्रशिक्षण देने का कार्य किया जाता है। मंत्री ने संस्थान में लाह प्रशिक्षण के लिए मौजूद उपकरण और संसाधन के रख-रखाव को लेकर बरती जा रही लापरवाही में सुधार लाने का निर्देश दिया है। मंत्री ने लाह केंद्र में ज्यादा से ज्यादा किसानों को प्रशिक्षित करने की बात कही। ताकि लाह उत्पादन से लेकर प्रसंस्करण में नई उपलब्धियों को हासिल किया जा सके।

ग्रास रूट लेवल पर काम करेगी प्रदेश कांग्रेस

जिला और ब्लॉक नेताओं को किया जायेगा ट्रेंड

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। प्रदेश कांग्रेस ने ग्रास रूट लेवल पर काम करने की कवायद शुरू कर दी है। प्रदेश कांग्रेस के सह प्रभारी बेला प्रसाद और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश 20 जुलाई से पूरे झारखंड के सभी जिलों में जिला अध्यक्ष, जिला पर्यवेक्षक, ब्लॉक अध्यक्ष, ब्लॉक पर्यवेक्षक और मंडल अध्यक्षों की बैठक में शामिल होंगे। बैठक और प्रशिक्षण शिविर का उद्देश्य झारखंड के सभी पंचायतों में पंचायत समिति के गठन के लिए जिला और ब्लॉक स्तर के नेताओं को प्रशिक्षित करना है।

ऐसी है कार्यक्रम की रूपरेखा

20 जुलाई: पूर्वी और सरायकेला खरसावां जिले के जिला अध्यक्ष, जिला पर्यवेक्षक, प्रखंड अध्यक्ष, प्रखंड पर्यवेक्षक और मंडल अध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर में शामिल होंगे।

21 जुलाई: हजारीबाग में हजारीबाग, चतरा, कोडरमा और रामगढ़ जिले के ग्राम पंचायत के गठन हेतु प्रशिक्षण शिविर और समीक्षा बैठक में भाग लेंगे।

22 जुलाई: धनबाद में धनबाद, बोकारो और गिरिडीह जिले के जिला, प्रखंड और मंडल अध्यक्षों के साथ ग्राम पंचायत समिति के गठन हेतु प्रशिक्षण शिविर और समीक्षा बैठक में भाग लेंगे।

23 जुलाई: बेतला में लातेहार, पलामू और गढ़वा जिले के पंचायत समिति के गठन के लिए जिला, ब्लॉक और मंडल अध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर और समीक्षा बैठक में भाग लेंगे।

24 जुलाई को पूर्व सांसद स्वर्गीय चंद्रशेखर दुबे उर्फ ददई दुबे के श्राद्ध क्रम में भाग लेंगे।

पूर्व तट रेलवे

फाइल सं. DRM/Engg/KUR/25-26/E-Tender/42, दिनांक : 10.07.2025

(1) निविदा सं. e-tender-Brkur-138-2025, दिनांक : 01.07.2025

विवरण : खोरधा रोड मण्डल के सीनियर सेक्शन इंजीनियर / ब्रिज / साउथ / खोरधा रोड के अधिकार क्षेत्र में ब्रिज नं. 63UP, 1050UP एवं 1052UP के सुदृढ़ीकरण एवं जंग लगे (corroded) सदस्य को धातुकृत (metallized) नए सदस्य के साथ बदलने एवं पुन:रिवेटिंग (Re-riveting) का प्रस्ताव।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 94.45 लाख, EMD : ₹ 1,88,900/-.

(2) निविदा सं. e-tender-BrKUR-89-2025, दिनांक : 01.07.2025

विवरण : खोरधा रोड मण्डल में ब्रिज नं. 553 DN के जंग लगे (corroded) स्टील सदस्य को बदलने / सुदृढ़ करने एवं ब्रिज नं.553 DN, 1004 UP एवं DN, 1046 UP एवं DN एवं 1122 UP एवं DN के ढीले एवं घिसे हुए / हेड लॉस रिवेट्स को फिर से लगाने का प्रस्ताव।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 86.36 लाख, EMD : ₹ 1,72,700/-.

(3) निविदा सं. e-Tender-EastKUR-148-2025, दिनांक : 02.07.2025

विवरण : खोरधा रोड मण्डल के कटक - पारादीप लाइन में कन्दरपुर - रघुनाथपुर स्टेशन के बीच अतिक्रमण से बचने के लिए KM 427/17-19 में LHS का प्रस्तावित निर्माण। (एयर पुशिंग विधि)

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 179.48 लाख, EMD : ₹ 2,39,800/-.

पूरा होने की अवधि: 10 महीने (क्रम सं. 1 एवं 2 हेतु)एवं 08 महीने (क्रम सं. 3 हेतु)।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक 25.07.2025 को 1500 बजे (सभी निविदाओं के लिए)।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक / कूरियर / फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

दृष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 10 (दस) दिन पहले वेबसाइट का पुन:अवलोकन करें। निविदाकारों/बोलीदाताओं के पास अवश्य क्लास-III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना चाहिए और वे IREPS पोर्टल में अवश्य पंजीकृत होना चाहिए। केवल पंजीकृत निविदाकार/बोलीदाता ई-टेंडरिंग में शामिल हो सकते हैं।

मण्डल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), खोरधा रोड

PR-367/Q/25-26

दक्षिण पूर्व रेलवे-निविदा

ई-निविदा सूचना सं. डीसीई-कॉन-II-केजीपी-3-2025, दिनांक 16.07.2025; भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से उप मुख्य अभियंता (निर्माण-II)/खड़गपुर, दक्षिण पूर्व रेलवे द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। नीचे उल्लिखित निविदा वेबसाइट www.ireps.gov.in पर अपलोड कर दी गई है। निविदा नियत तारीख को दोपहर 12.00 बजे बंद कर दी जाएगी।

कार्य का संक्षिप्त विवरण: खड़गपुर मंडल के उप मुख्य अभियंता/निर्माण-II/खड़गपुर, दक्षिण पूर्व रेलवे के क्षेत्राधिकार के अधीन खड़गपुर में 8 मीx12 मी इलेक्ट्रिक सब-स्टेशन सहित निर्माण इकाई (सिविल, विद्युतीय एवं संकेत एवं दूरसंचार) के लिए नए कार्यालय भवन, मंदाकिनी गेस्ट हाउस पहली मंजिल (ओआरएच) का निष्पादन; सेंट जॉन एम्बुलेंस ब्रिगेड, दक्षिण पूर्व रेलवे प्रोमोटी ऑफिसर्स एसोसिएशन-खड़गपुर, केवीबीडीओ तथा निर्माण कार्यालय परिसर में स्थित दक्षिण पूर्व रेलवे सिविल डिफेंस-खड़गपुर के कार्यालयों को ढाहना एवं प्रतिस्थापन साथ में मौजूदा निर्माण कार्यालय की महत्वपूर्ण मरम्मत कार्य। लागत: रु. 19,16,69,657.02; ईएमडी: रु. 11,08,400; समापन अवधि: 18 (अठारह) महीने। बंद होने की तिथि: 19.08.2025, इच्छुक निविदादातागण निविदाओं के विस्तृत विवरण/ब्यौरा/विनिर्देशन हेतु वेबसाइट www.ireps.gov.in देख सकते हैं तथा अपनी बोलियां ऑन लाइन जमा करें। किसी भी परिस्थिति में इनमदों के लिए मैनुअल निविदाएं स्वीकार नहीं की जाएगी। वि.द्र: प्रत्याशित बोलीदातागण अन्य सभी निविदाओं में भाग लेने हेतु नियमित रूप से www.ireps.gov.in देख सकते हैं। (PR-405)

भोलेनाथ से मांगी बेटी, मन्नत पूरी होने पर हाथ से चलकर पहुंचा देवघर

कमर में रस्सी बांध, डोली लिये हाथ और पैर से खींची लकड़ी की गाड़ी

आजाद सिपाही संवाददाता

देवघर। देवघर आस्था समर्पण की नगरी है और बाबा बैद्यनाथ मनोकामना लिंग है। बाबा बैद्यनाथ से मांगी गयी हर मनोकामना पूर्ण होती है यही वजह है कि बाबा बैद्यनाथ को रिझाने और अनूठे तरीके से कई कांवरिया बाबा मंदिर पहुंचने हैं और बाबा पर जलार्पण करते हैं। हम आज आपको एक ऐसे कावरिया की कहानी बता रहे हैं जो बेटी के लिए कमर में रस्सी बांध डोली लिए हाथ और पैर से यानी बच्चों की तरह लुढ़कते हुए 108 किलोमीटर की दूरी तय किया है। यह हैं मुजफ्फरपुर के मिथिलेश कुमार। उनके घर में बेटी की किलकारी नहीं गूंजी थी। उनके चार भाई हैं और चारों भाई को पुत्र ही प्राप्त थे। उन्होंने बाबा बैजनाथ से कामना की कि सभी भाइयों को बेटी हो और बाबा बैद्यनाथ ने उनकी सुनी उनके छोटे भाई को एक बेटी हुई। अपने दिये गये वचन के अनुसार इन्होंने डोली में बच्ची की फोटो, क्योंकि बच्ची काफी छोटी है और इन्होंने बताया कि बाबा बैद्यनाथ ने उनकी मनोकामना पूर्ण की है और अपने वचन के अनुसार यह डोली लेकर जा रहे हैं। इसलिए बच्ची की फोटो को लेकर ही कंधों पर रस्सी बांध उसे डोली को खींचते हुए बाबा बैद्यनाथ की ओर बढ़ जा रहे हैं।

झारखंड के लैंड स्कैम को उजागर करने वाले इडी अधिकारी कपिल राज का इस्तीफा मंजूर

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड में चर्चित भूमि घोटाले और कई बड़े मनी लाउंड्रिंग मामलों की जांच कर चुके इडी के पूर्व अपर निदेशक कपिल राज ने इस्तीफा दे दिया है। केंद्र सरकार ने उनका त्यागपत्र स्वीकार कर लिया है। कपिल राज दिसंबर 2024 में प्रवर्तन निदेशालय से वापसी के बाद दिल्ली में अपने मूल विभाग डीजीजीआइ (डायरेक्टरेट जनरल ऑफ गुड्स एंड सर्विसेज इंटेलिजेंस) के दिल्ली जोन में अपर आयुक्त के पद पर तैनात थे। कपिल राज ने झारखंड में इडी के जोनल कार्यालय में संयुक्त निदेशक और फिर अपर निदेशक के रूप में कार्य करते हुए राज्य के सबसे संवेदनशील और चर्चित मामलों की पड़ताल की थी। साल 2022 में उन्हें झारखंड स्थित इडी कार्यालय का अतिरिक्त प्रभार मिला था।

इस दौरान उन्होंने न केवल लैंड स्कैम की गहन जांच की, बल्कि अवैध खनन, मनरेगा

घोटाला, ग्रामीण विकास विभाग में कमीशनखोरी और कई अन्य घोटालों की परतें भी खोलीं। उनके कार्यकाल में तत्कालीन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जमीन घोटाले के आरोप में गिरफ्तार किया गया था, जबकि मनी लाउंड्रिंग जांच के दौरान कई मंत्रियों और आइएएस अधिकारियों की गिरफ्तारी हुई। इस दौरान, आइएस पूजा सिंघल, आइएएस छविरंजन, सीएम सुमन कुमार, तत्कालीन मंत्री आलमगीर आलम जैसे हाइप्रोफाइल लोग सलाखों के पीछे भेजे गये। दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी भी उन्हीं की जांच के दौरान हुई है।

बहरहाल, झारखंड के अलावा कपिल राज ने दिल्ली शराब नीति घोटाले, यस बैंक फ्रॉड, पंजाब नेशनल बैंक घोटाला और पश्चिम बंगाल में कोयला तस्करी जैसे हाइ-प्रोफाइल मामलों में भी निर्णायक भूमिका निभाई। दिल्ली शराब नीति केस में उन्होंने दिल्ली के तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी सुनिश्चित कर देशभर में सुर्खियां बटोरी थीं।

इडी में आठ वर्षों तक प्रतिनियुक्ति पर रहने के बाद कपिल राज की सेवा दिसंबर 2024 में मूल विभाग में लौटा दी गयी थी। अब उनके इस्तीफे को लेकर नौकरशाही और राजनीतिक गलियारों में हलचल है। कारणों का खुलासा नहीं हुआ है, लेकिन अटकलें हैं कि वे जल्द किसी बड़ी निजी संस्था में कानूनी सलाह, नियामकीय निगरानी या जांच से जुड़ी भूमिका निभा सकते हैं। विभागीय सूत्रों का कहना है कि कपिल राज एक तेज-तर्रार जांचकर्ता माने जाते थे और उन्हें पेंचीदा मामलों को सुलझाने की खास क्षमता के लिए जाना जाता रहा है।

आजाद सिपाही
रांची, शुक्रवार, 18 जुलाई, 2025
www.azadsipahi.in

आदिवासी महिला पैतृक संपत्ति में बराबर की हकदार : सुप्रीम कोर्ट

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आदिवासी महिला को पैतृक संपत्ति में बराबर की हिस्सेदारी का हकदार माना। संपत्ति के बंटवारे से जुड़ी एक याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि महिला उत्तराधिकारी को संपत्ति में अधिकार देने से इनकार करने से लैंगिक विभाजन और भेदभाव बढ़ता है। इसे कानून के जरिये समाप्त किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने अनुसूचित जनजाति की महिला के बच्चों की ओर से नाना की संपत्ति के बंटवारे की मांग को लेकर दायर अपील पर सुनवाई की। जिसे ट्रायल कोर्ट और प्रथम अपीलीय अदालत ने खारिज कर दिया था।

सुप्रीम कोर्ट में न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि कानून की तरह रीति-रिवाज भी समय में अटके नहीं रह सकते। दूसरों को रीति-रिवाजों की शरण लेने या उनके अधिकार से वंचित करने के लिए उनके पीछे छिपने की अनुमति

नहीं दी जा सकती। कोर्ट ने कहा कि न्याय, समानता और अच्छे विवेक के सिद्धांत को लागू करते समय न्यायालयों को इन बातों का ध्यान रखना होगा। इस सिद्धांत को प्रासंगिक रूप से लागू करना होगा। यदि अधीनस्थ न्यायालय के विचारों को बरकरार रखा जाता है, तो महिला और उसके उत्तराधिकारियों को विरासत के लिए सकारात्मक दावे के अभाव के आधार पर संपत्ति के अधिकार से वंचित कर दिया जाएगा।

शीर्ष अदालत ने अपने फैसले में कहा कि इस मुद्दे में संविधान के अनुच्छेद 14 (कानून के समक्ष समानता) का उल्लंघन भी हो रहा है। ऐसा लगता है कि केवल पुरुषों को ही अपने पूर्वजों की संपत्ति पर उत्तराधिकार दिया जा सकता है, महिलाओं को नहीं। पीठ ने कहा कि अनुच्छेद 15(1) में कहा गया है कि राज्य किसी भी व्यक्ति के साथ धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग या जन्म स्थान के आधार पर भेदभाव नहीं करेगा। यह अनुच्छेद 38 और 46 के साथ संविधान के सामूहिक लोकाचार की ओर इशारा करता है। इसके मुताबिक महिलाओं के साथ कोई भेदभाव न हो।

शीर्ष अदालत ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 14 के व्यापक प्रभाव के साथ अपीलकर्ता-वादी महिला के कानूनी उत्तराधिकारी होने के नाते संपत्ति में समान हिस्सेदारी के हकदार हैं। इससे पहले ट्रायल कोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए कहा था कि अनुसूचित जनजाति की महिला का अपने पिता की संपत्ति में कोई अधिकार नहीं है। क्योंकि ऐसा कोई साक्ष्य नहीं दिया गया है जिससे पता चले कि महिला उत्तराधिकारी के बच्चे भी संपत्ति के हकदार हैं।

मंत्री रामदास सोरेन ने किया 64वीं सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता का उद्घाटन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। 64वीं राज्यस्तरीय सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल प्रतियोगिता 2025-26 का गुरुवार को भव्य उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समारोह रांची के खेलगांव स्थित प्रैक्टिस मैदान में आयोजित हुआ। उद्घाटन समारोह में राज्य सरकार के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता मंत्री रामदास सोरेन, कांके के विधायक सुरेश बैठा, रामगढ़ की विधायक ममता देवी, राज्य शिक्षा परियोजना निदेशक शशि रंजन, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के आप्त सचिव अजय कुमार सिन्हा, आप्त सचिव उज्जवल मिंज, जेइपीसी के प्रशासी पदाधिकारी सचिदानंद दि. तिग्गा, झारखंड फुटबॉल संघ के महासचिव गुलाम रब्बानी, झारखंड ओलिंपिक संघ के कोषाध्यक्ष शिवेंद्र नाथ दुबे, विधायक प्रतिनिधि सोना राम सोरेन, कालीपदों गोहराई, मंत्री के सुपुत्र उमेश सोरेन समेत सभी प्रखंडों से चयनित खिलाड़ी शामिल हुए। मंच संचालन चंद्रदेव सिंह और जय होरो ने किया।

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए विभागीय मंत्री रामदास सोरेन ने कहा कि सुब्रतो मुखर्जी ने विद्यालय स्तर से फुटबॉल खेलना ~~शुरू किया। आज उनकी उपलब्धि~~ हमें सीख देती है। राज्य के विद्यालयों में पढ़ रहे बच्चों के खेल कूद और शारीरिक विकास के लिए राज्य सरकार संकल्पित है। सोरेन ने कहा कि खेल कूद के साथ साथ संस्कृति भी जरूरी है, इसीलिए पढ़ाई के साथ खेल और संस्कृति को बढ़ावा दिया जा रहा है। सरकार ने इसके लिए बेहतरीन खेल नीति बनायी है और खेल शिक्षकों की नियुक्ति की गयी है।

उन्होंने कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय, पटमदा की बैंड टीम की सराहना की। मंत्री ने कहा कि छात्रों को शिक्षा के साथ सरकार मौका भी दे रही है। पहले हम रोजगार के लिए केवल शिक्षा पर निर्भर रहते थे, लेकिन अब खेल और संस्कृति भी रोजगार पाने का अवसर बन गया है। राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय खिलाड़ियों को सम्मान राशि देने का काम हो रहा है। रिटायरमेंट लेने वाले या बीमारी से ग्रस्त खिलाड़ियों को सहयोग राशि दी जा रही है।

समारोह को संबोधित करते हुए विधायक ममता देवी ने कहा कि झारखंड के बच्चे पढ़ने में ही नहीं, खेलने में भी अव्वल हैं। खिलाड़ी सिर्फ खेल भावना का ही नहीं, सद्भावना का भी परिचय देते हैं। सरकार की खेल नीति खेलो और खिलाड़ियों को प्रोत्साहन दे रही है। खेल को बढ़ावा देने के लिए राज्य में पहली बार खेल शिक्षकों की नियुक्ति की जा रही है।

अपने लक्ष्य को प्राप्त करें : सुरेश बैठा

समारोह को संबोधित करते हुए विधायक सुरेश बैठा ने कहा कि खेलों से उनका गहरा जुड़ाव है। स्कूलों में खेल शिक्षक नहीं होने से छात्रों में खेल कौशल का समुचित विकास नहीं हो रहा था। मुख्यमंत्री ने खेल शिक्षकों की नियुक्ति का फैसला लिया, और अब छात्रों को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने का पर्याप्त अवसर मिल रहा है। उन्होंने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि आप जिस लक्ष्य को पाना चाहते हैं, उसके प्रति समर्पित हो जायें। विधायक ने युवाओ से राजनीति में आने की भी अपील की।

प्रधानमंत्री आज बिहार और पश्चिम बंगाल का दौरा करेंगे

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 18 जुलाई को बिहार और पश्चिम बंगाल का दौरा करेंगे। वह सुबह लगभग 11:30 बजे बिहार के मोतिहारी जिले में 7,200 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन और राष्ट्र को समर्पित करेंगे। प्रधानमंत्री एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे। इसके बाद वह पश्चिम बंगाल का दौरा करेंगे और दोपहर लगभग 3 बजे दुर्गापुर में 5000 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन और राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री उपस्थित जनसमूह को भी

संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री बिहार में रेल, सड़क, ग्रामीण विकास, मत्स्य पालन, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्रों से जुड़ी विकास परियोजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन और राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इसमें समस्तीपुर-बछवाड़ा रेल लाइन के बीच स्वचालित सिग्नलिंग शामिल है। पश्चिम बंगाल में प्रधानमंत्री तेल एवं गैस, बिजली, सड़क और रेल क्षेत्रों से जुड़ी अनेक विकास परियोजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन और राष्ट्र को समर्पित करेंगे। क्षेत्र में तेल एवं गैस के बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए, प्रधानमंत्री पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा और पुरुलिया जिले में लगभग 1,950 करोड़ रुपये की लागत वाली भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) की सिटी गैस वितरण (सीजीडी) परियोजना की आधारशिला रखेंगे। यह परियोजना घरों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और औद्योगिक ग्राहकों को पीएनजी कनेक्शन प्रदान करेगी, खुदरा दुकानों पर सीएनजी उपलब्ध करायेगी।

मां के नाम एक पेड़ 2.0 अभियान के तहत हुआ पौधरोपण

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। इआइएसीपी पीसी हब, झारखंड के तत्वावधान में एक पेड़ मां के नाम 2.0 अभियान एवं वन महोत्सव के अंतर्गत अनगड़ा प्रखंड के मंजियोर गांव में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सरला बिरला विश्वविद्यालय, गोस्सनर कॉलेज एवं मासू ग्राम मध्य विद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं एनएसएस स्वयंसेवकों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के अंतर्गत कुल दो सौ पौधों का रोपण किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता इआइएसीपी पीसी हब, झारखंड के प्रोग्राम ऑफिसर सुमन समीर ने की। उन्होंने उपस्थित बच्चों और युवाओं को भारत सरकार की मिशन लाइफस्टाइल फॉर

एनवायरमेंट पहल के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। श्री समीर ने पौधारोपण की विधियों, स्थानीय जलवायु के अनुसार प्रजातियों के चयन, वनों के संरक्षण की आवश्यकता, पर्यावरणीय दबावों एवं ग्लोबल वार्मिंग से मौसम में हो रहे बदलावों की वैज्ञानिक जानकारी साझा की। साथ ही उन्होंने बच्चों से अपील की कि वे अधिक से अधिक लोगों को वृक्षारोपण के लिए प्रेरित करें।

आइएसपी पीसी हब के इनफॉर्मेशन ऑफिसर पंकज कुमार ने अपने वक्तव्य में भारत सरकार द्वारा 2047 तक नेट जीरो कार्बन एमिशन के लक्ष्य की ओर उठाये जा रहे कदमों की जानकारी दी। उन्होंने जलवायु परिवर्तन के वैश्विक प्रभावों और भारत के सतत विकास की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में सरला बिरला विश्वविद्यालय की ओर से प्रोग्राम कॉर्डिनेटर डॉ संजीव सिन्हा, प्रोग्राम ऑफिसर मेघा सिन्हा, डॉ साग्निका प्रधान, डॉ विजय कुमार साव, डॉ विकाश कुमार, डॉ बीसी राउत उपस्थित रहे।

हर घर एक पेड़ का संकल्प दिलाया : कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों को हर घर एक पेड़ का संकल्प दिलाया गया, जिसमें उन्होंने अपने आस-पास के लोगों को भी पौधरोपण के लिए प्रेरित करने का संकल्प किया।

सरला बिरला विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान, महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक, कुलपति प्रो सी जगनाथन एवं राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने इस कार्यक्रम में एसबीयू की भागीदारी पर हर्ष व्यक्त किया है।

सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम में मंदबुद्धि निराश्रितों को भोजन कराया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट के तत्वावधान में मंगल राधिका सदानंद सेवाधाम पुंदाग के प्रांगण में सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम रांची में गुरुवार को अमन कुमार पोद्दार के सौजन्य से आश्रम में रह रहे 37 मंदबुद्धि दिव्यांग निराश्रित प्रभुजी एवं आश्रम में रहकर उनकी सेवा करने वाले सेवादारों के बीच अन्नपूर्णा सेवा भोजन प्रसादी का वितरण किया गया। करण प्रसाद, श्याम शशि वर्मा, प्रह्लाद मुरारका, प्रदीप सिंघानिया, गोवर्धन यादव, सुहानी सिन्हा, दीपक खेतान, सुधीर पांडेय, अमित अग्रवाल, राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, शंकर लाल धनुका, निर्मल मानपुरिया, नीता रुंगटा, विश्वनाथ प्रेमलता मोदी, संजय निशि अग्रवाल, दिया केसरी, पूजा सिंह, विकास अग्रवाल, के सौजन्य से प्रसादी खिलाकर सेवा की। मौके पर डुंगरमल अग्रवाल, निर्मल जालान, राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, मनोज चौधरी, निर्मल छावनिका, सज्जन पाड़िया आदि मौजूद थे।

अपग्रेड करने के लिए जन अबुआ साथी सेवा तीन दिनों के लिए बंद

रांची (आजाद सिपाही)। जिला प्रशासन की ओर से जन शिकायतों के त्वरित निवारण के लिए चलाये जा रहे अबुआ साथी सेवा को तकनीकी रूप से और अधिक सशक्त और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से इसका अपग्रेडेशन किया जा रहा है। इस वजह से अबुआ साथी के तहत संचालित व्हाट्सएप नंबर 9430328080 पर सेवा गुरुवार की रात 10 बजे से अगले तीन दिनों तक अस्थायी रूप से बंद रहेगी। इस अवधि के दौरान आमजन अपनी शिकायतें जिला प्रशासन को वैकल्पिक इमेल आइडी डीसी ऐट दि रेट डीइजीएस रांची डॉट आइएन के माध्यम से भेज सकते हैं। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने इस संबंध में गुरुवार को बताया कि अबुआ साथी को और अधिक यूजर-फ्रेंडली, पारदर्शी और तेज बनाया जा रहा है। ताकि शिकायत निवारण प्रक्रिया में और सुधार हो सके। अपग्रेडेशन के बाद सेवा पहले की तुलना में अधिक प्रभावी और सुविधाजनक होगी। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन आम नागरिकों से धैर्य रखने की अपील करता है।

वरिष्ठ नागरिक काव्य मंच की गोष्ठी में काव्य रस की फुहार

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। वरिष्ठ नागरिक काव्य मंच की गोष्ठी एवं सावन महोत्सव में काव्य रस की फुहार हुई। इस गोष्ठी का आयोजन पूनम वर्मा के आवास पर संगीता सहाय की अध्यक्षता में हुआ। झारखंड इकाई की अध्यक्षा संगीता सहाय के स्वागत भाषण के पश्चात पूनम वर्मा के सरस्वती वंदना से गोष्ठी की शुरूआत हुई। सुनीता श्रीवास्तव के प्रेमपूर्ण संचालन ने सभी प्रतिभागियों का दिल जीत लिया। पूनम ने धन्यवाद ज्ञापन कर सफल गोष्ठी की सभी को बधाई दी। गोष्ठी में संगीता सहाय, सुनीता श्रीवास्तव, सुनीता अग्रवाल, डॉ सुरिंदर कौर नीलम, रंजना वर्मा उन्मुक्त, रिम्मी वर्मा, पूनम वर्मा, निर्मला सिंह, अर्चना श्रीवास्तव, राकेश रमण, रूणा रश्मि 'दीप्त', प्रीता झा, रेणु झा, मधुमिता साहा, संगीता वर्मा, रश्मि सिन्हा एवं सीमा सिन्हा जी ने काव्य पाठ किया।

वाइबीएन विश्वविद्यालय का आठवां वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। वाइबीएन विश्वविद्यालय के बहुउद्देशीय सभागार में गुरुवार को आठवां वार्षिक उत्सव रंगारंग कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ विश्वविद्यालय के उपकुलाधिपति रामजी यादव और अंजू देवी, कुलपति, प्रोफेसर डॉ एस पोद्दार, डॉ अंकिता कुमारी सीएमडी, डॉ ओम प्रकाश सिंह(राष्ट्रीय उपसभापति, भारतीय शिक्षा मंडल) और प्रोफेसर डॉ जंग बहादुर पांडेय ने किया। डॉ संजय कुमार द्वारा रचित काव्य संग्रह रेखता का विमोचन हुआ। इस अवसर पर कुलाधिपति बैद्यनाथ यादव भी मौजूद थे। इस्कॉन रांची के संरक्षक मधुसूदन

मुकुंद दास के द्वारा धार्मिक पुस्तक गीता का वितरण दिया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न संकयों के छात्र-छात्राओं द्वारा रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति की गयी। मराठी, पंजाबी, युग मंथन, भरतनाट्यम, बॉलीवुड रेट्रो, जनजातीय नृत्य ने सबका दिल जीत लिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण डॉ रूप सिन्हा का संगीत था। इस अवसर पर डॉ शुभाशीष निकिता, सपना केसरी, नम्रता, डॉ चिंमयी और सभी कल्चर कमेटी के सदस्य मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में डॉ रचना के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रदान किया गया।

राजेंद्रनगर-कर्पूरीग्राम-बापूधाम मोतिहारी रेलखंड का विडों ट्रेलिंग निरीक्षण

आजाद सिपाही संवाददाता

हाजीपुर। गुरुवार को राजेंद्रनगर टर्मिनल-राजेंद्रपुल-कर्पूरीग्राम-बापूधाम मोतिहारी रेलखंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण सतीश कुमार, अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड द्वारा किया गया। विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण के दौरान उन्होंने इस रेल खंड पर संरक्षा, मानसून प्रीकॉशंस, सिग्नलों की दृश्यता, रेलवे ट्रैक के रख-रखाव, ट्रैक की समुचित बैलास्टिंग, ट्रैक स्क्रीनिंग, ओवरहेड ट्रैक्शन व एलाइनमेंट एवं ट्रैक फिटिंग्स आदि का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह सहित अन्य उच्चाधिकारी उपस्थित थे।

निरीक्षण के क्रम में अध्यक्ष, रेलवे बार्ड सतीश कुमार द्वारा सर्वप्रथम पटना जं के समीप हार्डिंग पार्क में निमार्णाधीन 5 टर्मिनल प्लेटफॉर्म का जायजा लिया। हार्डिंग पार्क में 5 टर्मिनल प्लेटफॉर्म के बन जाने से पटना जं. पर बेहतर ट्रेन शेड्यूलिंग एवं टर्नअराउंड के साथ परिचालन दक्षता में वृद्धि होने से ट्रेनों के कंजेसन को कम करने में मददगार साबित होगा। इससे पटना जंक्शन पर यात्रियों की भीड़ में अप्रत्याशित कमी के साथ ही मेन लाइन पर मेल/एक्सप्रेस गाड़ियों का परिचालन सुगम होगा। इस नये टर्मिनल में सभी प्लेटफार्म की अंडरग्राउंड कनेक्टिविटी होगी और यह स्टेशन टर्मिनल निमार्णाधीन मेट्रो रेल, सड़क मार्ग एवं नवनिर्मित मल्टी मॉडल हब को सीधा कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। इसके बाद अध्यक्ष, रेलवे बार्ड सतीश कुमार राजेंद्रनगर टर्मिनल पहुंचे जहां उन्होंने सर्कुलेटिंग एरिया, प्लेटफार्म, सहित अन्य यात्री सुविधाओं का निरीक्षण किये। निरीक्षण के क्रम में अध्यक्ष रेलवे बोर्ड राजेंद्रपुल स्टेशन पहुंचे जहां उन्होंने गंगा नदी पर राजेंद्र पुल (मोकामा पुल) के समानांतर निमार्णाधीन नये पुल के मॉडल का अवलोकन किया तथा निर्माण कार्यों की प्रगति का अधिकारियों के साथ जायजा लिया । निरीक्षण के दौरान दानापुर के मंडल रेल प्रबंधक जयंत कुमार चौधरी, सोनपुर के मंडल रेल प्रबंधक विवक भूषण सूद एवं समस्तीपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक विनय श्रीवास्तव अपने-अपने क्षेत्राधिकार में अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड के साथ उपस्थित थे।

रेल फ्लाइओवर सहित नयी बाइपास लाइन कार्य की स्वीकृति

आजाद सिपाही संवाददाता

कोलकाता। रेल मंत्रालय ने दक्षिण पूर्व रेलवे के अंतर्गत गुंडाबिहार एंड से चांडिल तक रेल फ्लाइओवर सहित नयी बाइपास रेल लाइन के निर्माण को स्वीकृति प्रदान की है। इस बायपास रेल लाइन परियोजना की कुल लंबाई 10.6 किमी होगी और इसकी अनुमानित लागत 343.97 करोड़ है।

प्रस्तावित बाइपास लाइन के अंतर्गत चांडिल स्टेशन पर एक रेल फ्लाइओवर का निर्माण किया जायेगा, जहां गुंडाबिहार से आने वाली ट्रेनों के लिए क्रॉसिंग की आवश्यकता होती है। वर्तमान में चांडिल से निमडीह (आद्रा की दिशा में) के बीच सभी अप और डाउन ट्रेनें सतह क्रॉसिंग के कारण रोकी जाती हैं। ट्रेनों के इस ठहराव और क्रॉसिंग से बचने के लिए चांडिल और गुंडाबिहार के बीच फ्लाइओवर का निर्माण आवश्यक है।

परियोजना पूर्ण होने के पश्चात, यह पहले से संतृप्त एकल-लाइन खंड की क्षमता को बढ़ायेगा और अगले दशक में अनुमानित रूप से बढ़ने वाले माल और यात्री यातायात की आवश्यकताओं को पूरा करेगा। यह रेल फ्लाइओवर चक्रधरपुर-आद्रा और चक्रधरपुर-रांची गलियारों के बीच निर्बाध संपर्क सुनिश्चित करेगा और पहले से स्वीकृत तृतीय एवं चतुर्थ लाइन परियोजनाओं से भी एकीकृत रहेगा, जिससे संपूर्ण रेल नेटवर्क का समग्र विकास संभव हो सकेगा। इस प्रकार, यह परियोजना रेलवे के क्षमता विस्तार, दक्षता, सुरक्षा और क्षेत्रीय विकास जैसे रणनीतिक उद्देश्यों के अनुरूप है।

आजसू ने एचइसी प्रबंधन को दी आंदोलन की चेतावनी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। आजसू पार्टी ने एचइसी के ठेका मजदूरों के आंदोलन का समर्थन किया है और एचइसी प्रबंधन को चेतावनी दी है कि 17 दिनों से जारी एचइसी सप्लाई मजदूर संघर्ष समिति के आंदोलन का उचित समाधान करें नहीं तो आंदोलन को तेज किया जायेगा। मजदूरों के निमंत्रण पर आजसू के मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत और पार्टी के नेता प्रवीण प्रभाकर गुरुवार को एचइसी मुख्यालय पर प्रदर्शन में शामिल हुए और उनकी मांगों के प्रति समर्थन व्यक्त किया। इस मौके पर डॉ देवशरण भगत ने मजदूरों को संबोधित करते हुए कहा कि एचइसी प्रबंधन ने 1400 ठेका मजदूरों को आउटसोर्सिंग एजेंसी के माध्यम से रखने का निर्णय लिया है। इसका मजदूर विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एचइसी प्रबंधन सप्लाई कामगारों का शोषण करने का प्रयास नहीं करे।

मजदूरों का हक नहीं छीनने देंगे : प्रवीण

प्रवीण प्रभाकर ने कहा कि ठेका मजदूरों का हक छीनने नहीं दिया जायेगा। आउटसोर्सिंग कंपनी के माध्यम से झारखंडी मजदूरों का शोषण नहीं होने दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि आजसू ने संघर्ष कर झारखंड राज्य इसलिए बनाया है कि गरीबों-मजदूरों को हक मिल सके। स्थानीय विस्थापित मजदूरों के हितों को नजरअंदाज कर एचइसी का जीर्णोद्धार पूर्ण नहीं माना जा सकता। जरूरत पड़ने पर केंद्र सरकार तक मुद्दा उठाया जायेगा। इधर, संघर्ष समिति ने नेहरू पार्क से एचइसी मुख्यालय तक जुलूस निकाला, प्रदर्शन किया और सभा की। सभा की अध्यक्षता करते हुए दिलीप सिंह ने कहा कि 25 वर्षों से काम करने वाले मजदूरों को प्रबंधन आउटसोर्सिंग के हवाले करना चाहती है। लेकिन कोई मजदूर आउटसोर्सिंग का फॉर्म नहीं भरा है। जबतक प्रबंधन पुरानी व्यवस्था बहाल नहीं करता और चार महीना का वेतन नहीं देता है आंदोलन चलता रहेगा। सभा को रंथू लोहरा, मनोज पाठक, उवैस आजाद, वाई त्रिपाठी, राजेश शर्मा, मोइन अंसारी, शारदा देवी, शांति देवी, रोहित पांडेय, प्रेम नाथ शाहदेव, फिरोज अंसारी सहित अन्य ने भी संबोधित किया।

पोर्टल पर डेटा की प्रविष्टि की मॉनिटरिंग डीडीसी सुनिश्चित करें : राजेश्वरी बी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पंचायत निदेशक राजेश्वरी बी ने कहा कि पोर्टल पर डेटा की प्रविष्टि की मॉनिटरिंग डीडीसी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि पंचायत उन्नति सूचकांक के तहत जिलेवार आकलन में बताया कि लोहरदगा ने 59.37 प्रतिशत अंक हासिल कर प्रथम स्थान, उसके बाद खूंटी, पश्चिमी सिंहभूम, धनबाद और जामताड़ा ने क्रमशः द्वितीय, तृतीय चतुर्थ और पंचम स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने कहा कि झारखंड ने पंचायत उन्नति सूचकांक (पीएआइ 2.0) के तहत स्वास्थ्य पंचायत की थीम में बेहतर काम किया है। पंचायत उन्नति सूचकांक (पीएआइ) का उद्देश्य सतत विकास लक्ष्य को हासिल करना है। इसके तहत पंचायतों को 9 थीम पर फोकस कर काम करना है। उन्होंने कहा कि फंड की उपलब्धता को देखते हुए हर साल किन्हीं दो थीम को फोकस कर कार्य करें फिर अगले साल किन्हीं दो थीम पर। इस तरह हम अपने लक्ष्य को पा सकेंगे। राजेश्वरी बी गुरुवार को रांची में आयोजित पंचायत उन्नति सूचकांक (पीएआइ-2) पर राज्य स्तरीय प्रसार कार्यशाला को संबोधित कर रही थीं।

पीएआइ पोर्टल पर पंचायतों में हो रहे विकास कार्यों की प्रविष्टि करना भी जरूरी : राजेश्वरी बी ने पंचायत उन्नति सूचकांक के तहत जिलेवार आकलन में बताया कि लोहरदगा ने 59.37 प्रतिशत अंक हासिल कर प्रथम स्थान, उसके बाद खूंटी, पश्चिमी सिंहभूम, धनबाद और जामताड़ा ने क्रमशः द्वितीय, तृतीय चतुर्थ और पंचम स्थान प्राप्त किया है।

उन्होंने कहा कि अन्य पंचायतों ने भी अच्छा काम किया है लेकिन अच्छा काम करने के साथ-साथ उसका प्रदर्शन करना भी जरूरी है। पीएआइ पोर्टल पर पंचायतों में हो रहे विकास कार्यों की प्रविष्टि भी सुनिश्चित होनी चाहिए नहीं तो पंचायत उन्नति सूचकांक में पिछड़ जायेंगे। उन्होंने सभी जिलों के डीडीसी को निर्देश दिया कि इसकी भी मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें कि पोर्टल पर डेटा की प्रविष्टि हो रही है या नहीं। उन्होंने कहा कि पीएआइ पोर्टल पर डेटा की कम इंट्री को देखते हुए ही यह कार्यशाला का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि पंचायतें अच्छा काम करती हैं पर उसका प्रदर्शन उचित जगह नहीं कर पाते हैं जिस कारण हम लोगों सूचकांक में पिछड़ रहे हैं।

पंचायत सशक्तिकरण की दिशा में तेजी से काम कर रही है राज्य सरकार : राजेश्वरी बी ने कहा कि राज्य सरकार पंचायत सशक्तिकरण की दिशा में तेजी से काम कर रही है। पंचायत भवन को सुदृढ़ किया जा रहा है। डिजिटल पंचायत प्रोग्राम शुरू किया गया है। पंचायत भवन में सारे डिजिटल काम किये जा रहे हैं। इसलिए डेटा प्रविष्टि में भी अब कोई समस्या नहीं आनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पंचायती राज में मुखिया केंद्र में है। पंचायत में सभी विकास के काम मुखिया के माध्यम से ही होते हैं। विकास कार्य में सरकार की सभी गतिविधियों में मुखिया की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। अब सभी जिलों में ट्रेनिंग प्रोग्राम शुरू किया जा रहा है। जिसके लिए ट्रेनिंग प्रोग्राम पोर्टल बनाया गया है जिसमें प्रविष्टि कर ट्रेनिंग सर्टिफिकेट प्राप्त कर सकते हैं।

अनिरुद्धाचार्य महाराज पहुंचे रांची

रांची (आजाद सिपाही)। जगद्गुरु रामानुजाचार्य श्रीस्वामी अनिरुद्धाचार्य महाराज श्रीधाम वृंदावन से अपने परिकरों के साथ गुरुवार को रांची पहुंचे। स्वामीजी श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर मंदिर में आयोजित त्रीदिवसीय वार्षिकोत्सव सह कल्याणोत्सव में शामिल होने के लिए रांची आये हैं। उल्लेखनीय है कि 18वें वार्षिकोत्सव सह कल्याणोत्सव के सारे कार्यक्रम स्वामीजी की अध्यक्षता और निर्देशन में संपन्न होंगे। 18 जुलाई को को कलश स्थापना और यजमान संकल्पम का कार्यक्रम होगा। 19 जुलाई को श्रीसुदर्शन महाहोम और दोपहर तीन बजे भगवान नगर भ्रमण के लिए निकलेंगे और जो भक्त मंदिर जाकर भगवान का दर्शन नहीं कर पाते हैं, उन्हें उनके घर-दुकान तक जाकर दर्शन देंगे। वहीं 20 जुलाई को भगवान और महालक्ष्मी का कल्याणोत्सव होगा। श्रीस्वामी अनिरुद्धाचार्य ने सभी तैयारियों का निरीक्षण किया और संतोष व्यक्त किया।

रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक डीजे और लाउडस्पीकर्स पर प्रतिबंध

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने राज्य में ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए सख्त रवैया अख्तियार किया है। इस संबंध में बोर्ड के सदस्य सचिव राजीव लोचन बक्शी ने आदेश जारी कर दिया है। जारी आदेश के मुताबिक, रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक डीजे, लाउडस्पीकर्स, एंप्लीफायर्स, ड्रम्स, ट्रंपेट्स का उपयोग पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा, विशेष परिस्थितियों को छोड़कर। झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद ने जारी आदेश में कहा है कि आदेश का उल्लंघन करने वालों पर कानूनी कार्रवाई की जायेगी। सरकार का उद्देश्य राज्य में ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करना और नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा करना है। यह सार्वजनिक स्थलों पर शोर बढ़ाता है और अस्पताल, शिक्षण संस्थानों पर हानिकारक प्रभाव डालता है।

लायंस क्लब ऑफ रांची ग्लोबल ने पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। लायंस क्लब ऑफ रांची ग्लोबल ने फ्लोरेंस कॉलेज ऑफ नर्सिंग, इरबा के प्रांगण में एक विशेष पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। यह आयोजन लायन एपी सिंह के इंटरनेशनल प्रेसिडेंट बनने और पीएमजेएफ लायन संजय कुमार के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर के रूप में शपथ ग्रहण को समर्पित था। फ्लोरेंस कॉलेज के 800 से अधिक छात्र-छात्राओं ने पौधरोपण कर प्रकृति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाया। तीन विशेष पौधों का रोपण किया गया - लायन एपी सिंह, पीएमजेएफ लायन संजय कुमार और लायन शैलेश अग्रवाल के नाम। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अपनी सहभागिता दर्ज की गयी और छात्रों को प्रकृति के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में क्लब के अध्यक्ष लायन मनोज कुमार मिश्रा, सचिव लायन संतोष अग्रवाल, कोषाध्यक्ष लायन अल्तमश आलम और मुख्य अतिथि फ्लोरेंस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस की निदेशक डॉ शाहीन कौसर उपस्थित थीं।

डीपीएस ने अपना 36वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। दिल्ली पब्लिक स्कूल, रांची ने गुरुवार को अपना 36वां स्थापना दिवस भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम कृष्णा ओडिसी अ स्टोरी ऑफ इनोसेंस एंड इनसाइट बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस कार्यक्रम को विवेकानंद प्रेक्षागृह में आयोजित किया गया। यह आयोजन परंपरा, रचनात्मकता और युवा उत्साह का अद्भुत संगम था। इस अवसर पर विवेकानंद प्रेक्षागृह में विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी देखी गयी। डीपीएस रांची के विद्यार्थियों ने मंच पर शानदार प्रस्तुतियां दीं। इस अवसर पर अमोल विनुकांत होमकर, आइजी रेलवे, झारखंड, बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम में शरीक हुए। साथ में किशोर कौशल, आइपीएस, कमांडेंट, जैप-7, हजारीबाग, विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। समराजीत जाचक, सीजीएम (एचआर), आरडीसीआइएस, और इंचार्ज (एचआर), सेल रांची यूनिट एवं डीपीएस रांची के प्रो-वाइस चेयरमैन, की उपस्थिति भी रही। विद्यालय की प्राचार्या डॉ. जया चौहान ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। अमोल विनुकांत होमकर ने कहा कि डीपीएस रांची को शिक्षा जगत में अनमोल रत्न के रूप में माना, जिसके विद्यार्थियों ने अपनी मेधा शक्ति के बल पर अनेक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर में भी कई उपलब्धियां हासिल करते हुए विशिष्ट पहचान बनायी है। डॉ. जया चौहान ने छात्रों के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देने के लिए विद्यालय के अथक प्रयासों एवं उद्देश्यों से सभी को अवगत कराया। अंत में कार्यक्रम का समापन भव्य ग्रैंड फिनाले के साथ हुआ। इसके बाद हेड बॉय ईशान सिन्हा और हेड गर्ल एषिका साहू ने मंच पर आकर हार्दिक धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

मंडल रेल प्रबंधक ने खोरधा रोड ब्रह्मपुर सेक्शन का निरीक्षण किया

आजाद सिपाही संवाददाता

खोरधा रोड। बुनियादी ढांचा, सुरक्षा और यात्री अनुभूति को बढ़ावा देने के मद्देनजर एक अभियान में, एचएस बाजवा मंडल रेल प्रबंधक, खोरधा रोड ने गुरुवार को सभी शाखा अधिकारियों के साथ खोरधा रोड-ब्रह्मपुर सेक्शन का व्यापक रूप से निरीक्षण किया। विंडो ट्रेलिंग, वेसाइड स्टेशनों पर विस्तृत जांच और जमीनी समीक्षा तथा महत्वपूर्ण परिचालन बिंदुओं के व्यावहारिक व क्रियाशील मूल्यांकन के जरिए निरीक्षण किया गया। भारतीय रेलवे के आधुनिक, यात्री-अनुकूल स्टेशनों की दृष्टि के अनुरूप, कई स्टेशनों पर अमृत स्टेशन पुनर्विकास कार्यों की प्रगति का भी मूल्यांकन किया गया।

निरीक्षण के दौरान, ब्रह्मपुर, बालूगांव, इच्छापुरम और छत्रपुर स्टेशनों पर अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चल रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गयी। बालूगांव स्टेशन पर सकुर्लेटिंग एरिया तथा प्लेटफॉर्म की सतहों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। इच्छापुरम में प्रतीक्षालयों का आधुनिकीकरण और बेहतर प्रकाश व्यवस्था का काम चल रहा है। ये विकास अमृत भारत पहल के तहत इन स्टेशनों को आधुनिक, यात्री-अनुकूल केंद्रों में बदलने की निरंतर गति को दर्शाते हैं। निरीक्षण के दौरान, मंडल रेल प्रबंधक ने सभी शाखा अधिकारियों को समन्वय, सतर्कता और कार्यों के समय पर निष्पादन के उच्च मानकों को बनाए रखने की सलाह दी।

चाणक्या आइएएस एकेडमी में अपग्रेडेड फाउंडेशन कोर्स की शुरुआत 21 से

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। चाणक्या आइएएस अकादमी के रांची शाखा में अपग्रेडेड फाउंडेशन कोर्स (यूपीएससी) तीन वर्षीय कोर्स की शुरूआत की जा रही है। यह कोर्स उन छात्रों के लिए तैयार किया गया है, जो इंटरमीडिएट के बाद ही यूपीएससी की तैयारी शुरू करना चाहते हैं, और एक मजबूत बुनियाद बनाकर सफलता की ओर बढ़ना चाहते हैं। यह कोर्स ग्रेजूऐशन की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों के लिए भी सहायक होती है। इस तीन वर्षीय कोर्स में न केवल एनसीइआरटी आधारित प्रारंभिक तैयारी, बल्कि मुख्य परीक्षा (मेंस्) और साक्षात्कार की समग्र तैयारी को शामिल किया गया है। साथ ही इसमें नियमित टेस्ट सीरीज, उत्तर लेखन अभ्यास, करंट अफेयर्स विश्लेषण और व्यक्तिगत मार्गदर्शन की सुविधा भी दी जा रही है। चाणक्या आइएएस एकेडमी के निदेशक विनय मिश्रा ने कहा कि हमारा उद्देश्य है कि रांची जैसे उभरते शिक्षा केंद्रों में भी छात्र उच्च गुणवत्ता की कोचिंग प्राप्त कर सकें और कम उम्र में ही अपनी तैयारी की ठोस नींव रख सकें। यह तीन वर्षीय फाउंडेशन कोर्स छात्रों को प्रतिस्पर्धात्मक माहौल, अनुशासित अध्ययन और गहराई से समझ की दिशा में मार्गदर्शन देगा। इस कोर्स की कक्षायें चाणक्या आइएएस एकेडमी रांची सेंटर में 21 जुलाई को शुरू होंगी। इच्छुक छात्र नामांकन प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं। चाणक्या आइएएस एकेडमी तीन दशकों से अधिक के अनुभव के साथ हजारों सफल उम्मीदवारों की मार्गदर्शन प्रदान करने वाली संस्था है, जो झारखंड के छात्रों को 2003 से शसक्त बना रही है, साथ ही सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर यहां से लगातार सफलता प्राप्त कर रहे हैं।

महत्वपूर्ण खबरें

रांची विश्वविद्यालय ने डॉ सुप्रिया को विभागाध्यक्ष नियुक्त किया

रांची (आजाद सिपाही)। रांची विश्वविद्यालय ने डॉ सुप्रिया, रीडर/एसोसिएट प्रोफेसर, अंग्रेजी विश्वविद्यालय विभाग को अंग्रेजी विश्वविद्यालय विभाग का विभागाध्यक्ष नियुक्त किया है। इस संबंध में कुलपति ने गुरुवार को आदेश जारी किया है। यह नियुक्ति चक्रीय आधार पर दो वर्ष की अवधि के लिए या अधिवर्षिता की तिथि तक, जो भी पहले हो, की गयी है।

पहाड़ी मंदिर में हिंदू महापरिवार ने खीर भोग का वितरण किया

रांची (आजाद सिपाही)। सावन का महीना आदिदेव महादेव को समर्पित है, इसलिए सावन में पहाड़ी मंदिर प्रांगण में भक्तों की भीड़ और हर हर महादेव के नारो से गूंज रहा है। इस मौके पर हिंदू महापरिवार ने खीर भोग का वितरण किया। समिति के अध्यक्ष राजेश अयान ने सभी को सावन मास की हार्दिक शुभकामनायें दी। उन्होंने कहा सावन माह में शिव की पूजा का अपना एक अलग ही महत्व है। सावन माह शिव भक्ति, शिव पूजा का समय है। पिछले वर्ष की भाति इस वर्ष भी हिंदू महापरिवार के कार्यकर्ता भोलेनाथ की सेवा में लगे हुए हैं। सभी ने मिलकर पहाड़ी मंदिर में भोग बनाया और भक्तों के बीच वितरण किया। भोग वितरण कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष राजेश अयान, ईशान राज, संदीप गुप्ता, अशोक ठाकुर, बिनय कुमार, श्वेता सिंह, रागिनी जायसवाल, पंकज गुप्ता आदि मौजूद रहे।

पीएनबी ने मेगा रिटेल आउटरीच प्रोग्राम का आयोजन किया

रांची (आजाद सिपाही)। पंजाब नैशनल बैंक मंडल कार्यालय रांची के द्वारा गुरुवार को मेगा रिटेल आउटरीच प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन बैंक के द्वारा प्रदान किये जा रहे विभिन्न रिटेल प्रोडक्ट की जानकारी आम जनता तक पहुंचाने के लिए हुई। रांची शहर में बैंक द्वारा अप्रूवड प्रोजेक्ट एसोटेक हिल्स में मुख्य कार्यक्रम किया गया। जहां पीएनबी के प्रधान कार्यालय से आये महाप्रबंधक अमरेंद्र कुमार पर्वेक्षक के रूप में उपस्थित थे। उनके साथ रांची मंडल प्रमुख अवधेश झा एवं उप-मंडल प्रमुख राकेश कुमार श्रीवास्तव के साथ मंडल के अन्य अधिकारी एवं रांची शहर के शाखाओं के शाखा प्रमुख भी उपस्थित थे। आउटरीच का कार्यक्रम जमशेदपुर, रामगढ़ सहित अन्य मुख्यालयों पर भी किया गया।

इग्नू ने पत्रकारिता और डिजिटल मीडिया कार्यक्रमों की घोषणा की

रांची (आजाद सिपाही)। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने पत्रकारिता और डिजिटल मीडिया में विभिन्न कार्यक्रमों की घोषणा की है, जिनमें मास्टर डिग्री और पीजी डिप्लोमा कार्यक्रम शामिल हैं। ये कार्यक्रम कामकाजी पेशेवरों, फ्रेशर्स और नियमित कॉलेजों व विश्वविद्यालयों के छात्रों के लिए उपयुक्त हैं। डॉ एस मोहंती वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक ने बताया कि इसमें एमए-पत्रकारिता और जनसंचार (एमएजेएमसी), एमए-पत्रकारिता और डिजिटल मीडिया (एमजेडीएम),एमए-पत्रकारिता और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया (एमएजेइएम), एमए-विकास पत्रकारिता (एमएडीजे) पीजी डिप्लोमा कार्यक्रम में पीजी डिप्लोमा इन जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन (पीजीजेएमसी),पीजी डिप्लोमा इन डिजिटल मीडिया (ऍपीजीडीआइडीएम),पीजी डिप्लोमा इन डेवलपमेंट कम्युनिकेशन (पीजीडीडीसी), पीजी डिप्लोमा इन इलेक्ट्रॉनिक मीडिया (पीजीडीइएमइ), पीजी डिप्लोमा इन एडवरटाइजिंग एंड इंटीग्रेटेड कम्युनिकेशन (पीजीडीएआइसी) शामिल है। इग्नू ने पत्रकारिता और डिजिटल मीडिया में स्नातक कार्यक्रम (बीएएफजेडीएम) भी प्रदान करता है, जो एनइपी 2020 के तहत चार-वर्षीय यूजी कार्यक्रम ढांचे के अनुसार है। जुलाई 2025 सत्र के लिए प्रवेश ऑनलाइन चल रहे हैं और अंतिम तिथि 31 जुलाई 2025 है। विश्वविद्यालय स्व-निर्देशात्मक अध्ययन सामग्री प्रदान करता है और अध्ययन सामग्री की सॉफ्ट कॉपी का विकल्प चुनने पर 15 प्रतिशत की रियायत मिलती है।

नायक समाज का प्रतिनिधिमंडल बंधु तिर्की से मिला

रांची (आजाद सिपाही)। नायक समाज के प्रतिनिधिमंडल ने पूर्व मंत्री बंधु तिर्की से मुलाकात की। जिसमें नायक समाज के हक और अधिकार को लेकर बात हुई। इस मुलाकात के दौरान घासी नायक समाज युवा कल्याण संगठन के प्रदेश अध्यक्ष टाइगर संदीप नायक, कार्यकारी अध्यक्ष मुकेश नायक, संरक्षक शिवटहल नायक, विजय नायक, पंचम तिग्गा, सुरेश नायक, संजय लोहारा, मीडिया प्रङ्घारी रोशन नायक, कैलास नायक, शशि ङ्घूषण ङ्घागत आदि शामिल थे।

भगवा नारी सेना ने महिलाओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम चलाया

रांची (आजाद सिपाही)। भगवा नारी सेना जो अपने आप में एक मिशाल है। ये महिलाओं के लिए और समाज के हित में बढ़ चढ़कर कार्य करती आयी हैं, और आगे भी करेंगी। वो चाहे गरीब बच्चियों की शादी हो या समाज में हों रही कुरीतियां हो। भगवा नारी सेना ने महिलाओं में जागरूकता कार्यक्रम चलाया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जेसीए के प्रेसिडेंट संजय पांडेय थे। अतिथि समाज सेवी आशुतोष दिवेदी, डॉ अनिल कुमार और इंद्रजीत बैद्य थे। सीडब्लूसी की चेयरपर्सन तन्नु श्री सरकार ने ये सत्र संचालित कराया। इस कार्यक्रम को पार्टनर संगीत सरिता की संस्थापक सह समाज सेवी वीना श्री और समाज सेवी पिया बर्मन ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में रवि मेहता, नीतू सिंह, खुश्बू सिंह, नीलम शर्मा, अनीता कुमारी, शीला सहित अन्य मौजूद थीं।

हितों की बात करे भारत

रूस के साथ व्यापार को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चेतावनी भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड डील पर चल रही बातचीत में अड़चन पैदा कर सकती है। यूक्रेन युद्ध रुकवाने में नाकाम रहे ट्रंप अब दूसरे जरियों से मॉस्को पर दबाव बनाना चाहते हैं। हालांकि इसमें सफलता की गारंटी नहीं और इससे दुनिया में नया तनाव पैदा हो सकता है।

50 दिनों की डेडलाइन : ट्रंप ने युद्ध खत्म करने के लिए रूस को 50 दिनों की मोहलत दी है और यही डेडलाइन उन्होंने उन देशों के लिए रखी है, जो रूस से तेल समेत दूसरे सामान खरीदते हैं। अमेरिका की धमकी है कि इसके बाद इन देशों पर 100% टैरिफ लगाया जायेगा। यही बात नैटो महासचिव मार्क रूट भी दोहरा रहे हैं, बल्कि उन्होंने तो सीधे-सीधे भारत, चीन और ब्राजील का नाम लिया कि इन देशों को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन से शांति के लिए बात करनी चाहिए।

बदली रणनीति : कुछ वक्त पहले तक ट्रंप इस बात पर डटे थे कि किसी भी सूरत में यूक्रेन युद्ध रुकना चाहिए। लेकिन, जब उनका दबाव रूस पर कारगर नहीं हुआ, तो उन्होंने रणनीति बदल दी। अब वह यूक्रेन को हथियार सप्लाई करने के लिए तैयार हैं और पूछ भी रहे हैं कि क्या रूस पर हमला कर लोगे?

ट्रंप ने युद्ध खत्म करने के लिए रूस को 50 दिनों की मोहलत दी है, और यही डेडलाइन उन्होंने उन देशों के लिए रखी है, जो रूस से तेल समेत दूसरे सामान खरीदते हैं। अमेरिका की धमकी है कि इसके बाद इन देशों पर 100% टैरिफ लगाया जायेगा।

पुरानी कोशिश : अमेरिका और दूसरे पश्चिमी देश चाहते हैं कि रूस को झुकाने में बाकी दुनिया भी उसका साथ दे - खास कर भारत और चीन। साल 2022 में, जब से यूक्रेन युद्ध शुरू हुआ है, अमेरिका की यही कोशिश है। पहले भी उसने रूस से तेल खरीदने को लेकर भारत पर सवाल उठाये थे और यहां से उसे इसका माकूल जवाब भी मिला था कि दुनिया के हर हिस्से के अपने-अपने हित होते हैं।

तेल का व्यापार : साल 2024-25 में भारत और रूस के बीच 68.7 अरब डॉलर का व्यापार हुआ था। इसमें सबसे ज्यादा फोकस में रहा तेल। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के पहले तक देश की ज्यादातर तेल जरूरत मिडल ईस्ट से पूरी होती थी और तब रूस से केवल एक फीसदी क्रूड ऑयल ही आता था। आज यह हिस्सा एक तिहाई से ज्यादा है। मई में भारत ने रूस से हर दिन करीब 20 लाख बैरल तेल मंगाया था। इस व्यापार के पीछे साधारण-सा लॉजिक है, बचत।

मजबूती से रखी जाये बात : हर रिश्ते को मुनाफे में तौलने वाले ट्रंप भारत-रूस संबंधों को बहुत अच्छी तरह से जानते हैं। उनके दबाव बनाने के पीछे एक वजह ब्रिक्स भी है, जिसकी सक्रियता उन्हें पसंद नहीं आ रही। भारत को इस मामले में अमेरिका के सामने अपना पक्ष मजबूती से रखना चाहिए, जिसे पिछली बाइडन सरकार ने समझा भी था।

अभिमत आजाद सिपाही

मोटर वाहन अधिनियम 1988 के कानूनी आधार पर निर्मित इन दिशानिर्देशों का उद्देश्य ओला, उबर, रैपिडो जैसे ऐप-आधारित कैब एग्रीगेटर्स के संचालन को विनियमित करना है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि दिशानिर्देश संवैधानिक कार्यादेशों और न्यायिक निर्देशों के अनुरूप ड्राइवरों और यात्रियों दोनों को संतुलित लाभ प्रदान करने का प्रयास करते हैं। 2025 के दिशानिर्देशों का सबसे उल्लेखनीय पहलू है- ड्राइवरों के हितों की सुरक्षा।

मोटर वाहन एग्रीगेटर दिशा निर्देश

अजय टम्टा

पिछले कुछ सालों में लाखों ड्राइवर ऐप-आधारित टैक्सी सेवाओं से जुड़े हैं। क्योंकि इसमें उन्हें काम करने की आजादी, अनुकलता और तकनीकी सुविधा मिलती है। हालांकि बढ़ते कमीशन, अस्पष्ट नीतियों, मनमाने निलंबन और सुरक्षा के अभाव ने इस वादे को कई लोगों के लिए निराशा में बदल दिया। भारत भर में तीन मिलियन से अधिक गिग ड्राइवरों द्वारा अनुभव की गयी इन चुनौतियों ने व्यापक और लागू करने योग्य विनियमन की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित किया। इसके जवाब में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और श्री नितिन गडकरी के मार्गदर्शन में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (एमओआरटीएच) ने पहले ही मोटर वाहन अधिनियम, 1988 के अंतर्गत मोटर वाहन एग्रीगेटर दिशा निर्देश, 2020 जारी किये थे। इन दिशा निर्देशों ने राज्य सरकारों को एग्रीगेटर्स को लाइसेंस देने और उनकी निगरानी करने का अधिकार देते हुए एक नियामक ढांचा प्रदान किया, जिससे वाहन-परिचालन उद्योग के विकास को बढ़ावा मिला। ड्राइवरों और यात्रियों दोनों के लिए सुरक्षा, निष्पक्षता और जवाबदेही से जुड़ी चिंताओं को देखते हुए, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने अब मोटर वाहन एग्रीगेटर दिशा निर्देश, 2025 पेश किया है। यह भारत के डिजिटल मोबिलिटी इकोसिस्टम में संरचना, सुरक्षा और समावेशिता लाने के लिए एक प्रमुख नीतिगत अपडेट है। मोटर वाहन अधिनियम 1988 के कानूनी आधार पर निर्मित इन दिशानिर्देशों का उद्देश्य ओला, उबर, रैपिडो जैसे ऐप-आधारित कैब एग्रीगेटर्स के संचालन को विनियमित करना है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि दिशानिर्देश संवैधानिक कार्यादेशों और न्यायिक निर्देशों के अनुरूप ड्राइवरों और यात्रियों दोनों को संतुलित लाभ प्रदान करने का प्रयास करते हैं। 2025 के दिशानिर्देशों का सबसे उल्लेखनीय पहलू है- ड्राइवरों के हितों की सुरक्षा। अब तक एग्रीगेटर प्लेटफॉर्म से जुड़े ड्राइवर, अक्सर खुद को कम कमाई, मनमाने ढंग से कार्य से हटाना (ऑफ-बोर्डिंग), बीमा का न होना और अपर्याप्त कानूनी उपायों के साथ अनिश्चित परिस्थितियों के बीच काम करते थे। नये नियम दिशा निर्देश इन प्रणालीगत कमियों को दूर करने का प्रयास करते हैं।

मोटर वाहन अधिनियम 1988 के कानूनी आधार पर निर्मित इन दिशानिर्देशों का उद्देश्य ओला, उबर, रैपिडो जैसे ऐप-आधारित कैब एग्रीगेटर्स के संचालन को विनियमित करना है।

दिशा निर्देशों में एग्रीगेटर्स को राज्यों द्वारा अधिसूचित मूल किराये के आधार पर प्रति घंटे या न्यूनतम गारंटीकृत आय सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। इसमें यह भी अनिवार्य किया गया है कि एग्रीगेटर और ड्राइवर के बीच किराया निपटान, आपसी सहमति से दैनिक, साप्ताहिक या पाक्षिक आधार पर किया जाना चाहिए। इस कदम से हजारों ड्राइवरों को खास कर आय-प्राप्ति वाले समय में, आय में होने वाले उतार-चढ़ाव से निजात मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा, सरकार ने अब प्रत्येक एग्रीगेटर को कम से कम 5 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा और 10 लाख रुपये का सावधि बीमा प्रदान करना अनिवार्य कर दिया है। उम्मीद है कि ये सुरक्षा उपाय गिग श्रमिकों को औपचारिक श्रम संरचनाओं के दायरे में लायेंगे। इसके अलावा नये दिशा निर्देश कमीशन में पारदर्शिता लाते हैं तथा एग्रीगेटर के हिस्से को अधिकांश मामलों में प्रत्येक किराये के 20% तक सीमित करते हैं। इससे यह सुनिश्चित होता है कि ड्राइवर अपनी आय का एक उचित हिस्सा रख सकेंगे। एग्रीगेटर्स को भुगतान कटौती, किराया विभाजन और जुर्माने के बारे में स्पष्ट और विस्तृत जानकारी भी प्रदान करनी होगी। दिशा निर्देशों में कहा गया है कि प्रत्येक एग्रीगेटर एक औपचारिक शिकायत निवारण प्रणाली की स्थापना करेगा, जहां यात्रा रद्दीकरण, भुगतान विवाद या निलंबन जैसे मुद्दों का समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से समाधान हो सके। ड्राइवरों को समय-समय पर प्रशिक्षण भी दिया जायेगा, जिसमें ऐप उपयोग, आपातकालीन प्रतिक्रिया, सड़क सुरक्षा, यातायात नियम, लैंगिक संवेदनशीलता, दिव्यांगजन जागरूकता, ग्राहक से बातचीत, डिजिटल साक्षरता आदि विषयों पर आधारित 40 घंटे का प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल होगा, ताकि वे भविष्य के यातायात से जुड़ी चुनौतियों के लिए बेहतर ढंग से तैयार हो सकें। यात्रियों के लिए भी ये दिशा निर्देश समान रूप से परिवर्तनकारी हैं। यात्रा सुरक्षा, डेटा गोपनीयता और किराए में हेरफेर से जुड़ी चिंताओं को ध्यान में रखते हुए नये दिशानिर्देश सुरक्षा उपाय लेकर आए हैं, जिनकी बहुत आवश्यकता थी।

एग्रीगेटर प्लेटफॉर्म पर सभी ड्राइवरों को अनिवार्य पुलिस सत्यापन, स्वास्थ्य जांच और व्यवहार प्रशिक्षण से गुजरना होगा। इसके अलावा, प्रत्येक वाहन में इन ऐप आपातकालीन बटन, जीपीएस-आधारित निगरानी और यात्राओं को साझा करने की सुविधाएँ होनी चाहिए, जो सभी यात्रियों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को बढ़ाती हैं। राज्य की निगरानी में एग्रीगेटर्स द्वारा एक 24 गुणा 7 नियंत्रण कक्ष और हेल्पलाइन प्रणाली स्थापित की जानी चाहिए। यात्रियों के लिए एक और बड़ा लाभ किरायों और विशेष परिस्थितियों में किराये में वृद्धि (सर्ज प्राइसिंग) का नियमन है। दिशा निर्देशों में स्पष्ट सीमाएं निर्धारित की गयी हैं: राज्य की नीति के आधार पर किराये में वृद्धि की सीमा आधार किराए के 1.5 से 2 गुना तक सीमित की गयी है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उच्च मांग के समय यात्रियों का शोषण न हो। इसके अलावा, प्लेटफॉर्म को किराये का विवरण पारदर्शी रूप से प्रदर्शित करना आवश्यक है, जिसमें आधार किराया, गतिशील शुल्क, एग्रीगेटर का हिस्सा और सरकारी कर शामिल हैं। महत्वपूर्ण रूप से दिशा निर्देश उपयोगकर्ताओं की गोपनीयता का भी ध्यान रखते हैं। एग्रीगेटर्स को भारत-स्थित सर्वरों पर उपयोगकर्ता डेटा का संग्रह करने और डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम सहित डेटा सुरक्षा रूपरेखा का पालन करने का निर्देश दिया गया है, ताकि डेटा का दुरुपयोग या लीक न होना सुनिश्चित हो सके और भारत की संप्रभु डेटा नीतियों के अनुसार इसे सुरक्षित रखा जा सके।

प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत@2047 के विजन, जो समावेशी और सतत विकास पर जोर देता है तथा दिव्यांगजनों के सम्मान और स्वाभिमान को बनाये रखने के लिए उनकी अटूट प्रतिबद्धता के अनुरूप, दिशा निर्देश में इस बात को अनिवार्य किया गया है कि एग्रीगेटर बेड़े का एक हिस्सा दिव्यांगजनों के अनुकूल बनायें और कार्यबल में ड्राइवरों के रूप में दिव्यांगजनों का उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करें। ऐसे वाहनों की संख्या राज्यों द्वारा स्थानीय जरूरतों और आवश्यकताओं के आधार पर निर्धारित की जायेगी। स्थायित्व के लिए एक बड़े प्रयास के तहत, एग्रीगेटर्स को अपने बेड़े में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, वैकल्पिक ईंधन या शून्य उत्सर्जन वाले वाहनों को शामिल करने की आवश्यकता है। संबंधित वायु नियामक निकाय वाहन-परिचालन प्लेटफार्मों के लिए राज्यवार इवी लक्ष्य निर्धारित करेंगे, तथा यह भारत के जलवायु और स्वच्छ वायु लक्ष्यों के अनुरूप है। दिल्ली की डीइवीआइ बसें जैसी सार्वजनिक परिवहन प्रणालियां इवी एकीकरण के उदाहरण हैं, जो पहले से ही मौजूद हैं। ये दिशा निर्देश राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों, विशेष रूप से अनुच्छेद 39 के अनुरूप हैं, जो राज्य को निर्देश देता है कि गिग श्रमिकों सहित नागरिकों के लिए आजीविका के पर्याप्त साधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जानी चाहिए। इसके अतिरिक्त, संविधान के अनुच्छेद 21, जो जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार की गारंटी देता है, की न्यायालयों द्वारा की गयी व्याख्या में सुरक्षित कार्य वातावरण के अधिकार और सम्मान के साथ आवागमन के अधिकार को शामिल किया गया है। कई न्यायिक निर्णयों ने यात्रा वाहन परिचालन क्षेत्र में उचित नियमन की आवश्यकता पर बल दिया है। पीपुल्स यूनियन फॉर डेमोक्रेटिक राइट्स बनाम भारत संघ (1982) और ओल्गा टेलिस बनाम बॉम्बे नगर निगम (1985) में, सर्वोच्च न्यायालय ने अनुच्छेद 2 के एक अभिन्न अंग के रूप में आजीविका के अधिकार पर जोर दिया।

उबर इंडिया सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड बनाम भारत संघ (2020) के मामले में, दिल्ली उच्च न्यायालय ने एग्रीगेटर के मूल्य निर्धारण और लाइसेंस प्रक्रिया को विनियमित करने के राज्य सरकारों के अधिकार को बरकरार रखा, जहां यह कहा गया कि उपभोक्ता हितों को पूरी तरह से बाजार-संचालित मूल्य निर्धारण मॉडल के ऊपर रखा जाना चाहिए। ये फैसले 2025 के दिशानिर्देशों के तहत गिग श्रमिकों को दी गई कई सुरक्षाओं के कानूनी आधार हैं। दिशानिर्देश मोटर वाहन एग्रीगेटर्स के लाभ और यात्रियों के हितों के बीच संतुलन बनाने का एक प्रयास है, साथ ही यह अक्सर उपेक्षित गिग श्रमिकों के अधिकारों को प्राथमिकता देता है।

(लेखक : केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्य मंत्री हैं।)

कोल्हान की खबरें

बागबेड़ा जलापूर्ति योजना में विभागीय झूठ उजागर करने पर सांसद को भाजपा नेताओं ने दिया सम्मान

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। बागबेड़ा जलापूर्ति योजना में विभाग द्वारा झूठ फैलाने के मामले को संसद में प्रभावी ढंग से उठाने पर बागबेड़ा महानगर विकास समिति ने सांसद विद्युत वरण महतो का जोरदार स्वागत किया।गुरुवार को सांसद कार्यालय में समिति के अध्यक्ष सुबोध झा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल सांसद को अंग वस्त्र और गुलदस्ता भेंट कर अभिनंदन किया। इस अवसर पर समिति ने घोषणा की योजना पूरी होने पर सांसद को मुकुट पहनाकर विशेष सम्मान दिया जाएगा।सुबोध झा ने बताया केंद्र सरकार का जल जीवन मिशन के तहत बागबेड़ा जलापूर्ति योजनाओं के लिए 50.58 करोड़ और 1.88 करोड़ का फंड जारी किया। उसके बावजूद विभाग बार-बार झूठ बोलता रहा फंड नहीं मिला है। सांसद ने लोकसभा में मुद्दा उठाया और विभाग से जवाब भी मांगा, उसके बाद सच्चाई सामने आयी। इस अवसर पर सांसद ने कार्यकर्ताओं को टैंकर के जरिए जल आपूर्ति की व्यवस्था करने और स्थानीय ड्राइवरों को रोजगार देने का आश्वासन दिया। सम्मान समारोह के दौरान समिति के कई सदस्य व भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्वच्छता में जमशेदपुर को देश में तीसरा स्थान मिलने पर बधाई दी

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 में जमशेदपुर को राष्ट्रीय स्तर पर तीसरा स्थान और 5 स्टार रेटिंग मिलने पर शहरवासियों में खुशी की लहर है। यह सम्मान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हाथों प्रदान किया गया। इस उपलब्धि पर भाजपा जमशेदपुर महानगर के पूर्व जिला अध्यक्ष दिनेश कुमार ने जेएनएसी, मानगो अधिसूचित क्षेत्र समिति, जिला प्रशासन, टाटा स्टील, टाटा स्टील यूटिलिटी सर्विसेज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड, सफाईकर्मियों और जागरूक नागरिकों को बधाई दी। उन्होंने इसे सामूहिक प्रयास और जनभागीदारी की जीत बताया।

सरायकेला में अवैध होर्डिंग-बैनर के खिलाफ नगर पंचायत की कार्रवाई

आजाद सिपाही संवाददाता

सरायकेला। नगर पंचायत सरायकेला के शहरी क्षेत्रों में बिना अनुमति लगाए गए होर्डिंग और बैनरों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया। गुरुवार को प्रशासक शशि शेखर सुमन के निर्देश पर झारखंड नगरपालिका अधिनियम 2011 के तहत कार्रवाई की गयी। अभियान के दौरान चौक-चौराहों और सार्वजनिक स्थलों पर अवैध विज्ञापन सामग्री को हटाया गया। नगर प्रशासन ने स्पष्ट किया निकाय क्षेत्र में विज्ञापन के लिए पहले अनुमति लेना अनिवार्य है। लेकिन कुछ लोग नियमों की अनदेखी कर बैनर व होर्डिंग लगा देते हैं।जो पूरी तरह गैरकानूनी है।प्रशासक ने कहा यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।भविष्य में बिना अनुमति लगाये गये विज्ञापनों पर कड़ी कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने सभी संबंधित व्यक्तियों से आग्रह किया वे नगर पंचायत से विधिवत अनुमति लेकर ही प्रचार सामग्री लगाये। अन्यथा कानूनी कार्रवाई के लिए तैयार रहें।

बिस्टुपुर रीगल मैदान को बचाने की मांग को लेकर कृतिवास मंडल ने दी जन आंदोलन की चेतावनी

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। आरटीआइ कार्यकर्ता संघ के केंद्रीय महासचिव एवं आजसू पार्टी के जिला सचिव कृतिवास मंडल ने बिस्टुपुर स्थित रीगल मैदान (गोपाल मैदान) में समाहरणालय भवन निर्माण की योजना का विरोध किया। उन्होंने डीसी कर्ण सत्यार्थी द्वारा इस ऐतिहासिक स्थल को समीक्षा सूची में शामिल किये जाने की कड़ी निंदा की। कृतिवास मंडल ने कहा कि रीगल मैदान न सिर्फ जमशेदपुर बल्कि पूरे झारखंड की सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक चेतना का केंद्र है। जहां गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस, टुसू मेला और अन्य महत्वपूर्ण आयोजन होते हैं। राज्य सरकार इस गौरवशाली स्थल को मिटाकर समाहरणालय भवन बनाना चाहती है जो जनभावनाओं के विरुद्ध है। उन्होंने राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और जिले के डीसी से मांग की रीगल मैदान का नाम समाहरणालय निर्माण की समीक्षा सूची से हटाया जाये, अन्यथा ग्रामीण और शहरी जनता मिलकर जन आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

कांग्रेसियों ने हर्षोल्लास के साथ मनाया पूर्व स्वास्थ्य मंत्री का 53वां जन्मदिन

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। झारखंड सरकार के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता के 53वें जन्मदिन पर कांग्रेस नेता व कार्यकर्ताओं ने साकची गोलचक्कर के पास हर्षोल्लास के साथ केक कटिंग कर खुशियां मनायी। गुरुवार को आयोजित समारोह में कांग्रेस के जिला अध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे ने केक काटकर कार्यकर्ताओं व राहगीरों के बीच वितरण किया। साथ ही कांग्रेसियों ने पूर्व मंत्री के जन्मदिन पर लोगों के बीच लड्डू का वितरण कर खुशियां साझा कीं। मौके पर साकची मंडल अध्यक्ष आशुतोष कुमार सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल रहे। सभी ने बन्ना गुप्ता की लंबी उम्र और निरंतर जनसेवा के लिए भगवान से प्रार्थना की।

वज्रपात से दो महिलाओं की मौत

ईचागढ़ (आजाद सिपाही)। सरायकेला-खरसावां जिले के ईचागढ़ थाना क्षेत्र में गुरुवार दोपहर तेज बारिश के साथ हुई वज्रपात से दो अलग अलग गांव में धान की रोपाई कर रहीं दो महिलाओं की दर्दनाक मौत हो गयी। पहली घटना छोटा चुनचुड़िया गांव में की है। जहां 33 वर्षीय मंगली महतो पर खेत में काम करते समय आकाशीय बिजली गिर गयी। वे मौके पर ही बेहोश होकर गिर पड़ीं और कुछ ही देर में दम तोड़ दिया। दूसरी घटना टीकर गांव की है। जहां 40 वर्षीय सारथी गोप की भी खेत में धान रोपाई करते समय बिजली गिरने से मौत हो गयी।

इंटर जेडीसी वाटर पोलो टूर्नामेंट 2025 में कोक प्लांट जेडीसी ने जीता खिताब

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के स्विमिंग पूल में टाटा स्टील स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट और स्पोर्ट्स एडवाइजरी कमिटी द्वारा आयोजित इंटर जेडीसी वाटर पोलो टूर्नामेंट 2025 का समापन होगया। दो दिवसीय प्रतियोगिता में टाटा स्टील के विभिन्न विभागों की जेडीसी टीमों ने भाग लिया। मौके पर कोक प्लांट जेडीसी ने दमदार प्रदर्शन करते हुए विजेता ट्रॉफी पर कब्जा जमाया, जबकि इंजीनियरिंग सर्विसेज एंड ईकीयूएमएस जेडीसी उपविजेता बने और सीआरएम जेडीसी तीसरा स्थान हासिल किया। गुरुवार को पुरस्कार वितरण समारोह में हेड इंजीनियरिंग सर्विसेज विक्रम प्रताप त्रिपाठी, हेड स्पोर्ट्स हेमंत गुप्ता, टाटा वर्कर्स यूनियन के उपाध्यक्ष संजय सिंह सहित कई विभागों के प्रतिनिधि, अधिकारी और खेलप्रेमी मौजूद रहे। सभी ने खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन और आयोजन की सफलता का सराहना की। अधिकारियों ने कहा ऐसे आयोजन कर्मचारियों में टीम भावना, शारीरिक फिटनेस और मानसिक उत्साह को बढ़ावा देती हैं,इससे कर्मचारियों को कार्यस्थल पर सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। आयोजन को सफल बनाने में अनन्या लिपि, विजय चौधरी, फिरोज और स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट की पूरी टीम की भूमिका सराहनीय रही।

चाकुलिया में वंदे भारत ट्रेन कोच फैक्ट्री की स्थापना जल्द

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। बहरागोड़ा के विधायक समीर मोहंती ने घोषणा की मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रयासों से चाकुलिया में वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के डब्बे और चक्का निर्माण की अत्याधुनिक फैक्ट्री स्थापित होने जा रही है। उन्होंने इसे बहरागोड़ा विधानसभा क्षेत्र के लिए औद्योगिक क्रांति की शुरूआत बताया।मीडिया से बातचीत में विधायक श्री मोहंती ने बताया यह पूर्वी जोन की पहली रेल कोच मैन्युफैक्चरिंग यूनिट होगी, जहां भारतीय रेल की महत्वाकांक्षी परियोजना वंदे भारत एक्सप्रेस के कोच तैयार किए जायेंगे। उन्होंने कहा करीब 4000 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली फैक्ट्री से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से 4000 लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है।विधायक ने कहा अब तक कंपनी द्वारा 300 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया जा चुका है और आगे 400 एकड़ अतिरिक्त भूमि अधिग्रहित करने की योजना है। कुल 700 एकड़ क्षेत्र में यह परियोजना विकसित होगी। विधायक श्री मोहंती ने बताया इस परियोजना को मूर्त रूप देने के लिए अगले माह झारखंड सरकार और संबंधित कंपनी के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए जाएंगे।यह फैक्ट्री न केवल बहरागोड़ा विधानसभा क्षेत्र बल्कि पूरे पूर्वी सिंहभूम जिले के आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और औद्योगिक पहचान को नई ऊंचाई प्रदान करेगी।

सर्पदंश से दो मासूम बच्चों की मौत

धुरकी (आजाद सिपाही)। धुरकी प्रखंड के गनीयारी कला उर्फ फाटपानी के कोरवा टोला में नरेश भुईयां का 8 वर्षय पुत्र कृष्ण कुमार एवं टाटीदीरी गांव निवाशी अखिलेश भुईयां का 12 वर्षीय पुत्री बिनु कुमारी की मृत्यु सर्प दंश से हो गया। ये दोनो बच्चे एक साथ जमीन पर सो रहे थे तभी दोनो को सर्प ने ढस लिया और दोनो बच्चो की मौत हो गयी। बिनु कुमारी अपने मामा नरेश भुईयां के घर आयी थी। जिसकी सूचना पाकर विधायक प्रतिनिधि लक्ष्मण यादव एवं झामुमो युवा नेता धीरेंद्र कुमार यादव ने गनियारी कला उर्फ फाटपानी पहुंचे और परिजनों से मिल कर ढांढस बंधाया। झामुमो नेताओं ने परिजनों को समझा बुझा करके दोनों बच्चों का शव पोस्टमार्टम के लिए पुलिस को सौंपा, उसके बाद पोस्टमार्टम के लिए शव को गढ़वा हॉस्पिटल में भेज दिया गया है। मुखिया शंभू प्रसाद गुप्ता, रामजिवन यादव, कामेश्वर सिंह, भूखन राम, रामदास भुईयां आदि उपस्थित थे।

बारिश के दबाव से बांकी नहर टूटी घरों में घुसा पानी, ग्रामीणों में दहशत

आजाद सिपाही संवाददाता

कांडी। लगातार हो रही बारिश के कारण बायीं बांकी नहर में पानी का दबाव अत्यधिक बढ़ गया। हालात बिगड़ते देख बुधवार रात्रि में जेसीबी से नहर को काटकर पानी का बहाव डायवर्ट किया गया, जिससे बड़ी क्षति होने से बचा लिया गया। नहर से जुड़ी चेचरिया की लिंक नहर को भी अस्थायी रूप से बंद किया गया और सुखनदी में बने पुल के एक्वागार्ड को तोड़कर पानी को नदी में छोड़ा गया। इसके बावजूद नहर का पानी भरतपहाड़ी गांव में ओवरफ्लो होकर लालजी राम, सुकन राम और अवधेश राम के घरों में घुस गया, जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। इधर औरईयां बांध टूटने से करीब 200 एकड़ में खेती प्रभावित होने की आशंका जतायी जा रही है। विधायक प्रतिनिधि अतीस कुमार सिंह ने कहा कि यह स्थिति नहर निर्माण में बरती गयी अनियमितताओं का परिणाम है। बांकी नहर में कई स्थानों पर अवरोध के चलते पानी का बहाव बाधित हो रहा है, जिससे पानी ग्रामीण इलाकों में घुस रहा है और कच्चे मकान गिरने की कगार पर हैं। विभागीय निर्देश पर पानी को जंगल की ओर मोड़ा गया है।

पानी का हल्का दबाव भी नही झेल पाया नहर पुल

मझिआंव। बरडीहा प्रखंड के लेभरी गांव में जंघबोरवा नदी पर पानी पास करने के लिए एक वर्ष पूर्व बना नहर पुल पिछले दिनों टूट कर क्षतिग्रस्त हो गया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नहर निर्माण विभाग के संवेदक द्वारा नदी पर पुल निर्माण में तय मानक से कम मैटेरियल डालने एवं लापरवाही बरतने के कारण नहर पुल पानी का हल्का दबाव भी नही झेल पाया और क्षतिग्रस्त हो गया। इससे नहर निर्माण विभाग द्वारा बरडीहा प्रखंड में कराये गये निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर प्रश्नचिन्ह लग गया है। नहर पुल के क्षतिग्रस्त होने के कारण अब नहर के माध्यम से खेतों तक सिंचाई हेतु पानी नहीं पहुंच पायेगा। किसानों ने नहर निर्माण विभाग द्वारा कराये गये निर्माण कार्य की जांच करने की मांग उपायुक्त गढ़वा से की है।

दो दिन की बारिश ने खोली सरकारी भवनों की पोल, प्रखंड कार्यालय की छत से टपक रहा पानी

कांडी (आजाद सिपाही)। क्षेत्र में बीते दो दिनों से हो रही लगातार बारिश ने सरकारी तंत्र की कार्यशैली और निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। एक ओर जहां बारिश से गरीबों के कच्चे घरों की दीवारें दरकने लगी हैं, वहीं दूसरी ओर प्रखंड मुख्यालय स्थित प्रखंड कार्यालय की छत से हो रहा पानी का रिसाव प्रशासनिक लापरवाही की पोल खोल रहा है। बारिश के चलते प्रखंड कार्यालय के सभागार की ओर जाने वाली गली की छत से पानी टपक रहा है। हर मिनट गिरती पानी की बूंदें इस बात का संकेत दे रही हैं कि कार्यालय भवन की छत बेहद कमजोर हो चुकी है और किसी भी वक्त बड़ा हादसा हो सकता है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि इस छत के नीचे से होकर रोजाना सैकड़ों ग्रामीण अपनी समस्याएं लेकर पहुंचते हैं, और प्रखंड के अधिकारी-कर्मचारी भी वहीं से होकर कार्यालय के सभागार कक्ष तक पहुंचते हैं। लेकिन हैरानी की बात यह है कि इतनी बड़ी समस्या के बावजूद अब तक किसी भी अधिकारी की नजर इस रिसाव पर नहीं पड़ी है या जानबूझ कर अनदेखी की जा रही है? यह स्थिति इस ओर भी इशारा करती है कि प्रखंड क्षेत्र में हो रहे निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से कहीं अधिक दिखावा और खानापूर्ति को महत्व दिया जा रहा है।

कांडी बाजार में 'तिवारी हार्डवेयर एवं सेनेटरी' का उद्घाटन

कांडी (आजाद सिपाही)। प्रखंड मुख्यालय स्थित कांडी बाजार में गुरुवार को एक नई दुकान 'तिवारी हार्डवेयर एवं सेनेटरी' का विधिवत उद्घाटन हुआ। दुकान के प्रोपराइटर विवेक तिवारी द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार और पूजा-पाठ के साथ शुभारंभ किया गया। पूजा का आयोजन आचार्य पंडित ओम प्रकाश मिश्रा के द्वारा कराया गया। इस मौके पर स्थानीय लोगों की उपस्थिति भी देखने को मिली। 'तिवारी हार्डवेयर एवं सेनेटरी' में पानी टंकी, समरसेबल, टाइल्स, मार्बल, पाइप सहित हार्डवेयर व सेनेटरी से जुड़ी सभी आवश्यक सामग्रियां एक ही छत के नीचे ग्राहकों को सुलभ दरों पर उपलब्ध होंगी।

भारी बारिश में ढहा कच्चा मकान, परिवार बेघर

आजाद सिपाही संवाददाता

भवनाथपुर। लगातार हो रही बारिश ने अरसली उत्तरी पंचायत के झुमरी टोला निवासी मनोज प्रजापति के परिवार पर कहर बनकर टूटी। बीती रात तेज बारिश के दौरान उनका कच्चा मकान भरभराकर गिर गया। हालांकि गनीमत रही कि हादसे के वक्त मनोज प्रजापति, उनकी पत्नी, बेटी और बेटा घर के बाहर थे, जिससे बड़ी जनहानि टल गई।हालांकि मकान गिरने से उनकी पूरी गृहस्थी मलबे में दब गयी, जिससे परिवार को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। घटना के बाद पूरा परिवार एक छोटे से कमरे में रहने को विवश है। मनोज प्रजापति ने बताया कि वर्ष 2023 में भी इसी तरह बारिश के दौरान उनका कच्चा मकान गिर गया था। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वे अब तक नया मकान नहीं बना सके थे और उसी टूटे-फूटे मकान में किसी तरह परिवार के साथ गुजर-बसर कर रहे थे। उन्होंने प्रशासन से मुआवजा देने और रहने के लिए पक्का मकान उपलब्ध कराने की गुहार लगाई है।

लगातार हो रही बारिश से खेती चौपट, किसान परेशान

आजाद सिपाही संवाददाता

रंका। अनुमंडल प्रखंड क्षेत्र में आषाढ़ मास से लेकर श्रावण मास आठ दिन बितने के बाद भी लगातार बारिश होने के चलते टंड़ीहंन खेती बुरी तरह चौपट हो गई वहीं अब यहां के किसानों को सिर्फ धान फसल पर ही आसरा रह गया है। टंड़ीहंन खेती टांड़ जमीन पर किया जाता है जैसे - मक्का, अरहर, मड़ुआ, बोदी, तील, ज्वार, बाजरा, उरद, बराई आदि फसलें बोआई करने के लिए सूखरूख भूमि और पानी बारिश नहीं होना चाहिए। किंतु इस वर्ष बारिश लगातार हो रही और उक्त फसलों की बोआई करते नहीं बन रही है। फलस्वरूप उक्त टंड़ीहंन फसलें इस वर्ष होने की उम्मीद नहीं है। जिससे 70 प्रतिशत किसानों में मायुषी छाई हुई है। गौरतलब है कि इस प्रखंड क्षेत्र में 70 प्रतिशत लघु, छोटे और मझोले किसानों की आबादी है जिनके पास सिर्फ टांड़ और कम रकबा भूमि है और मोटे अनाज (मिलेट्स) पैदा करते हैं, वह भी इस वर्ष खत्म है जिससे ऐसे किसानों के समक्ष अतिवृष्टि के कारण भूखमरी की समस्या उत्पन्न हो गयी है। हालांकि ऐसे किसानों को सरकार के द्वारा लाभान्वित और प्रोत्साहित करने के लिए मोटे अनाज मक्का 10 क्विंटल और मड़ुआ 6 क्विंटल बीज का वितरण प्रखंड कृषि तकनीकी पदाधिकारी त्रिभुवन सिंह के नेतृत्व में रंका प्रखंड विकास पदाधिकारी शुभम बेला तोपनों के माध्यम से किया गया है।

भाजपा नेता के निधन पर कांडी में शोक सभा का आयोजन

कांडी(आजाद सिपाही)। विश्रामपुर विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ भाजपा नेता सुशील कुमार चौबे उर्फ टिकैत चौबे का गुरुवार को आकस्मिक निधन हो गया। हृदय गति रुकने से उनका निधन हुआ, जिससे पूरे भाजपा संगठन में शोक की लहर दौड़ गयी। उनकी स्मृति में कांडी प्रखंड मुख्यालय स्थित भाजपा मंडल कार्यालय में मंडल अध्यक्ष शशिरंजन दुबे की अध्यक्षता में एक शोक सभा आयोजित की गयी। सभा में दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गयी एवं उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गयी। शोक सभा में शिवप्रसाद पांडेय, अमित पांडेय, सुरेश मिश्रा, कृष्णा राम, लखन ठाकुर, मोती यादव सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अबुआ आवास योजना में लापरवाही पर 12 मुखिया से बीडीओ ने मांगा स्पष्टीकरण

आजाद सिपाही संवाददाता

कांडी। प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) राकेश सहाय ने प्रखंड के 12 पंचायतों के मुखियाओं से अबुआ आवास योजना (सत्र 2023-24) में लापरवाही और धीमी प्रगति को लेकर स्पष्टीकरण की मांग की है। बीडीओ ने इस संबंध में पत्र जारी कर स्पष्ट किया है कि कार्य में उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जायेगी। बीडीओ ने पत्र में कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि संतोषजनक जवाब नहीं मिला, तो संबंधित मुखियाओं की वित्तीय शक्ति जब्त करने की अनुशंसा की जा सकती है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि जिनका प्रदर्शन सबसे खराब रहा है, उनमें से तीन मुखियाओं पर निश्चित रूप से कार्रवाई की जायेगी। स्पष्टीकरण पाने वाले मुखियाः चंदा देवी बलियारी पंचायत, पूजा कुमारी चटनियां पंचायत, राजेश्वर विश्वकर्मा डूमरसोता पंचायत, आरती देवी गड़ाखुर्द पंचायत, कौशल्या देवी घटहुआँ कला पंचायत, विजय राम कांडी पंचायत, अनुज कुमार सिंह हरिहरपुर पंचायत, अनिता देवी खुटहेरिया पंचायत, शशि कुमारी लमारी कला पंचायत, ललित बैठा राणा डीह पंचायत, सोनी देवी शिवपुर पंचायत, पुष्पा देवी पतरिया पंचायत बीडीओ ने कहा कि योजनाओं की धीमी रफ्तार आम जनता के हितों पर सीधा असर डाल रही है।

अवैध क्लिनिक एचएच पाल के विरुद्ध कार्रवाई की मांग

आजाद सिपाही संवाददाता

भवनाथपुर। थाना क्षेत्र अंतर्गत अरसली बनखेता निवासी प्रहलाद साह ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) प्रभारी डॉ दिनेश सिंह को एक लिखित आवेदन सौंपकर ब्लॉक गेट के समीप संचालित हो रहे अवैध क्लिनिक एचएच पाल के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। प्रहलाद साह ने अपने आवेदन में आरोप लगाया है कि उन्होंने उक्त क्लिनिक में इलाज के दौरान हुए लापरवाही की वजह से गंभीर समस्या का सामना करना पड़ा। उन्होंने बताया कि क्लिनिक संचालक द्वारा दिए गए इंजेक्शन से उनके कमर में में गंभीर इन्फेक्शन हो गया, जिससे उन्हें असहनीय पीड़ा झेलनी पड़ रही है। और दूसरे डॉ के पास इलाज में लगभग पांच हजार रु खर्चा करना पड़ा। पीड़ित ने यह भी कहा कि अवैध रूप से संचालित इस क्लिनिक में बिना किसी पंजीकरण व योग्य चिकित्सक के नाम पर इलाज किया जा रहा है, जिससे आम जनता की जान से खिलवाड़ हो रहा है।

प्रहलाद साह ने अपने आवेदन में यह मांग की है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग द्वारा अवैध क्लिनिक की जांच कर तत्काल उसे बंद कराया जाये, ताकि भविष्य में किसी अन्य मरीज को इस तरह की लापरवाही का शिकार न होना पड़े। वहीं सीएचसी प्रभारी डॉ दिनेश सिंह ने बताया कि शिकायत प्राप्त हुई है और इसकी जांच कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने आम लोगों से अपील की कि किसी भी तरह के इलाज के लिए सिर्फ पंजीकृत चिकित्सक व अधिकृत अस्पताल का ही सहारा लें ताकि इस प्रकार की दुर्घटनाओं से बचा जा सके। मिले आवेदन के आलोक में जांचों उपरांत करवाई की जायेगी।

पीएलवी ने असहाय विक्षिप्त का कराया इलाज

रंका (आजाद सिपाही)। रंका अनुमंडल मुख्यालय निवासी भोटन राम के विक्षिप्त पुत्र जितेंद्र कुमार (30 वर्ष) की इलाज विश्रामपुर पंचायत के पीएवी राजेश कुमार चौधरी एवं मानपुर पंचायत के पीएलवी अमरेंद्र कुमार ने स्वयं उसे उठाकर एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रेफरल रंका लेजाकर इलाज कराने का सराहनीय कार्य किया है, जो एक मानवता का मिशाल है। भोटन राम एक अत्यंत गरीब असहाय व्यक्ति हैं जो किसी तरह मेहनत मजदूरी करके परिवार का जीविकोपार्जन करते हैं। इलाज करने वाले चिकित्सकों ने जितेंद्र कुमार को बेहतर इलाज हेतु रिम्स रांची ले जाने की सलाह दी है।

डंडई के दो विद्यालयों का होगा उच्च वि. में उत्क्रमण

विधायक अनंत प्रताप देव की पहल पर विभागीय स्तर पर प्रक्रिया हुई शुरू, ग्रामीणों की वर्षों की मांग होने जा रही है पूरी

आजाद सिपाही संवाददाता

डंडई। प्रखंड मुख्यालय के राजकीयकृत मध्य विद्यालय डंडई व राजकीय मध्य विद्यालय रारो को उच्च विद्यालय में उत्क्रमण करने की दिशा में प्रशासनिक प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है। जिससे डंडई और रारो गांव के ग्रामीणों में काफी हर्ष व्याप्त है। वर्षों से इन दोनों गांवों के लोगों द्वारा उच्च विद्यालय की मांग की जा रही थी, जो अब जाकर पूरी होती दिखाई दे रही है। बता दें कि प्रखंड मुख्यालय डंडई में आज तक एक भी सरकारी उच्च विद्यालय नहीं बन सका था। जिससे ग्रामीणों के द्वारा लगातार उच्च विद्यालय की मांग कर रहे थे। वहीं छात्र-छात्राओं को आठवीं कक्षा के बाद आगे की पढ़ाई के लिए करीब तीन किलो मीटर दूर लवाही जाना पड़ता था। उक्त मध्य विद्यालय को उत्क्रमण को लेकर शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने आवश्यक प्रस्ताव शीघ्र भेजने का निर्देश दिया है। विधायक अनंत प्रताप देव ने उक्त दोनों विद्यालयों के उच्च विद्यालय में उत्क्रमण को लेकर शिक्षा विभाग को अनुशंसा प्रेषित की थी। उन्होंने इस विषय को लेकर झारखंड विधानसभा में भी इस मामले को प्रमुखता से उठाया था। प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी को निर्देश दिया गया है कि वे विस्तृत जानकारी सहित प्रस्ताव जिला शिक्षा कार्यालय को शीघ्र उपलब्ध करायें। ग्रामीणों ने विधायक अनंत प्रताप देव को इस कार्य के लिए धन्यवाद दिया। ग्रामीणों का कहना है कि यह दोनों मध्य विद्यालय को पहले ही उच्च विद्यालय में उत्क्रमित हो जाना चाहिए था। लेकिन ग्रामीणों का लंबे समय का मांग पूरा हुआ। अब छात्र-छात्राओं को उच्च कक्षाओं के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। शिक्षा में निरंतरता बनी रहेगी और अभिभावकों पर आर्थिक बोझ भी कम होगा।

वरिष्ठ भाजपा नेता अलखनाथ पांडेय ने टिकैत चौबे को दी श्रद्धांजलि, कहा

उनका जाना एक अपूरणीय क्षति

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा । भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, प्रदेश र्यसमिति सदस्य एवं गढ़वा जिला के प्रसिद्ध शिक्षाविद् श्र अलखनाथ पाण्डेय ने विश्रामपुर विधानसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी एवं लोकप्रिय जननेता स्व. सुशील कुमार चौबे उर्फ टिकैत चौबे जी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने गुरुवार को पलामू जिला के केतात गांव पहुंचकर दिवंगत नेता के पार्थिव शरीर के अंतिम दर्शन किए और श्रद्धासुमन अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने उनके परिजनों से मिलकर संवेदना व्यक्त की और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

अलखनाथ पांडेय ने कहा कि टिकैत चौबे जी एक कर्मठ जनसेवक, विनम्र और सादा जीवन जीने वाले व्यक्ति थे। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में सदैव जनता के हित में कार्य किया। उनका असमय जाना पार्टी और समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति है, जिसे भरना कठिन है। इस मौके पर भाजपा के कई वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहे, जिनमें मुकेश निरंजन सिंहा, बिभाकर नारायण पांडेय, अनुज पांडेय, धनंजय तिवारी, प्रफुल्ल सिंह, संतोष चौबे, मनीष चौबे, सचिन चौबे सहित अन्य लोग शामिल थे। सभी ने स्व. चौबे जी के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट की और शोकसंतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

परिपूर्णता शिविर में ग्रामीणों को भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना की जानकारी दी गयी

मेराल (आजाद सिपाही)। प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत चेचरिया पंचायत भवन में वित्तीय सेवा विभाग के निदेर्शानुसार, वित्तीय समावेशन योजना के तहत अग्रगती के सीएफएल कोऑर्डिनेटर के द्वारा झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक के बीसी (बिजनेस कॉरस्पॉन्डेंट) के साथ मिलकर शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में खाताधारकों को मौजूदा निष्क्रिय प्रधानमंत्री जनधन योजना खातों के लिए केवाईसी का पुनः सत्यापन प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के अंतर्गत बैंकिंग सुविधा से वयस्कों के लिए बैंक खाता खोलना, सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना के तहत नामांकन और सभी खातों में नॉमिनी का नाम जुड़वाना की जानकारी दी गयी, जिसमे सीएफएल बैंक सखी उर्मिला कुमारी द्वारा बीमा फॉर्म आवेदन भरने में सहयोग की जिसमें पीएम एसबीवाई के 40 और पीएम जेजेबीवाई के 18 तथा एपीवाई के 10 पीएमजेडीवाई का खाता के लिए 18 आवेदन प्राप्त हुआ। इस शिविर में मुख्य रूप से उपस्थित अग्रणी बैंक गढ़वा के एलडीएम सत्यदेव कुमार रंजन, एफएलसी झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक गढ़वा के राजीव कुमार दुबे, क्षेत्रीय प्रबंधक निर्मल राज, जेएसएलपीएस के सीसी, सक्रिय महिला, सीएसपी संचालक त्रिपुरारी चौधरी, दशरथ पाल सहित दर्जनों लोग शामिल थे।

उपायुक्त की अध्यक्षता में शहरी प्रबंधन और नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने को लेकर बैठक हुई

शहरी क्षेत्रों में अतिक्रमणमुक्ति अभियान चलाने और सौंदर्यीकरण करने का निर्देश

शहर को स्वच्छ, सुंदर और सुव्यवस्थित बनाने के लिए पदाधिकारियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं से लिये गये सुझाव

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा शहरी प्रबंधन एवं नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने से संबंधित विचार विमर्श हेतु उपायुक्त दिनेश कुमार यादव की अध्यक्षता में समाहरणालय के सभाकक्ष में जिला स्तर के विभिन्न पदाधिकारियों एवं स्थानीय सामाजिक कार्यकताओं के साथ एक बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य शहरी क्षेत्र में व्याप्त अव्यवस्थाओं, अतिक्रमण, यातायात जाम की समस्या आदि से निबटने एवं शहरों का सौंदरीकरण करना था। इसे लेकर शहर के विभिन्न क्षेत्रों, चौक चौराहों, मुख्य सड़क एवं विभिन्न सार्वजनिक स्थानों को प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रस्तुत किया गया तथा आकलन करते हुए आवश्यक सुधार करने हेतु संबंधित पदाधिकारी को निर्देशित किया गया। शहर की अवस्थाओं यथा- ट्रैफिक जाम की समस्या, बिजली के खंभे, लटकते इलेक्ट्रिसिटी वायर, कचरा प्रबंधन आदि की स्थिति से अवगत होते हुए उपायुक्त श्री यादव द्वारा गढ़वा शहरी क्षेत्र में मुख्य सड़कों पर डिवाइडर का निर्माण और लाइटनिंग का कार्य शीघ्र पूरा करने हेतु सड़क निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि को निर्देशित किया गया। बैठक के दौरान उपस्थित लोगों द्वारा नगर भवन स्थित गोविंद हाई स्कूल के मैदान को अतिक्रमण मुक्त कराने, सड़कों पर आवारा पशुओं के विचरण पर रोक लगाने, शहरी क्षेत्र के नदियों को अतिक्रमण मुक्त कराने व साफ-सफाई कराने की बात कही गयी।

जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न

गुरुवार को समाहरणालय सभागार में उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी दिनेश कुमार यादव की अध्यक्षता में जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में पुलिस अधीक्षक अमन कुमार, जिला परिवहन पदाधिकारी धीरज प्रकाश, कार्यपालक अभियंता पथ निर्माण विभाग प्रदीप कुमार, नगर परिषद व नगर पंचायत के पदाधिकारी, विधायक प्रतिनिधि सहित संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान उपायुक्त ने निर्देश दिया कि जिले में चिन्हित दुर्घटना संभावित स्थलों पर आवश्यक तकनीकी सुधार, संकेतक बोर्ड, स्पीड ब्रेकर एवं रोशनी की व्यवस्था शीघ्र सुनिश्चित की जाये। साथ ही स्कूली वाहनों की नियमित जांच, हेलमेट और सीट बेल्ट के उपयोग को लेकर सघन जांच अभियान चलाने पर भी बल दिया गया। यातायात नियमों के उल्लंघन पर कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

JharkhandBijliVitranNigamLimited
(CIN: U40108JH2013SGC001702)
Regd. Office:EngineeringBuilding,H.E.C.,Dhurwa,Ranchi-834004,
Contact No: +91 9431709163
https://www.jbvnl.co.inEmail-cecr2018@gmail.com

E-Tender Notice

NIT No. - 107/PR/JBVNL/2025-26

E-tender for Selection of Consultancy Firm for Support in System Readiness activities and smooth functioning of Unified Billing System (UBS) with multiple Advanced Metering (AMI) / Smart Metering Infrastructure / Information Communication Technology (ICT) projects in JBVNL.

Sl No	Details of Work	
1	Support in System Readiness activities and smooth functioning of Unified Billing System (UBS) with multiple Advanced Metering (AMI) / Smart Metering Infrastructure / Information Communication Technology (ICT) projects in JBVNL.	
2	Estimated Cost-Rs 3.77 Crores(all inclusive)	
3	Calendar of Events :	
i.	Date of Publication of NIT on website	18.07.2025 at 15:00 Hrs
ii.	Last date to receive pre-bid queries	21.07.2025 at 15:00 Hrs
iii.	Date and time of pre-bid meeting	23.07.2025 at 15:00 Hrs
iv.	Start date and time for submission of bids	18.07.2025 @ 17:00 Hrs
v.	Last Date / Time for receipt of bids (online)	01.08.2025 @ 15:00 Hrs
vi.	Last Date / Time for receipt of offline documents in office of GM(Coml.)	01.08.2025 @ 12:00 Hrs
vii.	Date and Time for Opening of Technical bid	02.08.2025 @ 17:00 Hrs

The tender documents with detailed conditions can be obtained through web site http://jharkhandtenders.gov.in and should upload all relevant documents as mentioned in the tender document only through online e-tender portal/website http://jharkhandtenders.gov.in

Save Energy, Save Earth

PR 357601 (Jharkhand Bijlee Vitran Nigam Ltd) 25-26 (D)

Sd/-
General Manager (Comml)

आजाद सिपाही
रांची, शुक्रवार, 18 जुलाई, 2025
www.azadsipahi.in
08

बुंडू को स्वच्छ शहर घोषित होने पर प्रशासक शुभम पोद्दार ने दी बधाई

बुंडू (आजाद सिपाही)। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 में एक बार फिर से बुंडू नगर पंचायत का डंका बजा है। लगातार तीसरी बार बुंडू ने 4000 शहरों में स्वच्छता के तौर पर रैंक हासिल किया है। इस मौके पर प्रशासक शुभम पोद्दार ने इस अवसर पर नगर वासियों को मुबारक बाद दी है तथा भविष्य में बुंडू नगर पंचायत को और नयी बुलंदियों तक पहुचाने हेतु शहरवासियों के सहयोग की मांग की है।

पंचायत उन्नति सूचकांक पर खूंटी जिला को दूसरा स्थान, उप विकास आयुक्त सम्मानित

खूंटी (आजाद सिपाही)। रांची के होटल बीएनआर चाणक्या में झारखंड सरकार के पंचायती राज विभाग द्वारा गुरुवार को आयोजित पंचायत उन्नति सूचकांक (पीएआइ-2.0) पर राज्य स्तरीय प्रसार कार्यशाला में खूंटी जिले को जिलावार आकलन में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है। इस अवसर पर खूंटी जिले के उप विकास आयुक्त आलोक कुमार को जिले की उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। पंचायत उन्नति सूचकांक एक समग्र मूल्यांकन उपकरण है, जिसका उद्देश्य जमीनी स्तर की संस्थाओं द्वारा स्थानीय सतत विकास लक्ष्यों की दिशा में की गयी प्रगति का आकलन और मापन करना है। इस सूचकांक के माध्यम से पंचायतों की कार्यक्षमता, सेवा वितरण और विकासात्मक पहलों का निष्पक्ष मूल्यांकन किया जाता है।

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से दो महिलाओं की मौत

आजाद सिपाही संवाददाता

ठनका गिरने से मृतक महिलाओं का फाइल फोटो।

ईचागढ़। सरायकेला-खरसावां जिला के ईचागढ़ थाना क्षेत्र में गुरुवार को एक ही समय दो अलग-अलग गांवों में धान रोपाई करते दो महिला की वज्रपात से मौके पर ही मौत हो गयी, जिसमें छोटा चुनचुड़ीया गांव के 33 वर्षीय मंगली महतो एवं टीकर गांव के 40 वर्षीय सारथी गोप बताया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही ईचागढ़ एवं तिरूलडीह पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु सरायकेला सदर अस्पताल भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार मृत दोनों महिलाएं अपने खेत में धान रोपाई कर रही थीं, जहां भारी बारिश के साथ ठनका गिरने से दोनों महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गयी। वहीं ईचागढ़ थाना के एसआई विश्वजीत तिवारी ने बताया कि छोटा चुनचुड़ीया एवं टीकर में दो महिला की वज्रपात से मौत हो गयी, दोनों लाशों को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई किया जा रहा है। वहीं पूर्व मुखिया भीष्म देव महतो ने आपदा प्रबंधन से दोनों मृतक के परिजनों को यथा शीघ्र मुआवजा देने का मांग किया है।

सोनाहातू में भारी बारिश से मकान ध्वस्त

सोनाहातू (आजाद सिपाही)। भारी बारिश से प्रखंड के जिंतू पंचायत के बरसालडीह ओर जिन्तू गांव में बुधवार रात बरसालडीह गांव के पूजा मुंडा पति सोमरा मुंडा का कच्चा मकान पूरी तरह ध्वस्त हो गया है। इधर जिंतू गांव के सोमराय मुंडा, जगदीश मुंडा, मोहन मुंडा और करमी देवी का कच्चा मकान पूरी तरह ध्वस्त हुआ है। सूचना मिलने पर विधायक अमित महतो गांव जाकर पीड़ित परिवार से मुलाकात किये ओर बीडीओ, सीओ को संज्ञान में लेकर उचित व्यवस्था करने को कहा।

राष्ट्रीय साधन सह मेधा छात्रवृति में आठ विद्यार्थियों का चयन

बुंडू (आजाद सिपाही)। राष्ट्रीय साधन सह मेधा राजकीयकृत मध्य विद्यालय रेलाडीह बुंडू से वर्ष 2024 -25 के राष्ट्रीय साधन सह मेधा छात्रवृत्ति में आठ छात्र-छात्रों का चयन हुआ है। विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक अवधेश कुमार गुप्ता ने बताया कि चयनित छात्र-छात्राओं के नाम समीर हजाम, रीना कुमारी, सुमन कुमारी, जयंती कुमारी, दीपक मुंडा, नीलिमा कुमारी, सोनम कुमारी, एवं संध्या कुमारी है। उन्होंने बताया कि इस विद्यालय ने लगातार पांचवीं बार बुंडू अनुमंडल में सर्वश्रेष्ठ परिणाम दिया है। वर्ष 2024 -25 में सरकारी विद्यालय की श्रेणी में रांची जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया है एवं ओवरऑल में जिले में तृतीय स्थान प्राप्त किया है। झारखंड एकेडमिक काउंसिल द्वारा आठवीं कक्षा के छात्रों के लिए आयोजित उक्त परीक्षा में विद्यालय से लगातार सातवीं वर्ष छात्रों का चयन हुआ है। चयनित छात्रों को 12वीं कक्षा तक रुपये 1000 प्रतिमाह छात्रवृत्ति मिलेगी। विद्यालय के सभी शिक्षकों बसंत गुड़िया, बैकुंठ नाथ सिंह, योगेश्वर उरांव, विजय कुमार, महेश्वर सिंह मुंडा, चितरंजन महतो सहित विद्यालय परिवार के अन्य सदस्यों ने चयनित छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

सीएससी दिवस पर सीएससी संचालक को दिल्ली में किया गया सम्मानित

ईचागढ़ (आजाद सिपाही)। सरायकेला-खरसावां जिला के ईचागढ़ प्रखंड के सितु मिलन चौक के सीएससी संचालक अत्री कुमार पाण्डेय को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। बुधवार को देश के राजधानी नयी दिल्ली में डिजिटल इंडिया के दस वर्ष पूर्ण होने पर यह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देश के गृह मंत्री अमित शाह, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, मंत्री जितिन प्रसाद आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे। वही सीएससी संचालक अत्री कुमार पांडेय के द्वारा हजारों नागरिकों को बीमा, एनपीएस, ऋण माफी आवेदन,पैन कार्ड,आधार सुधार का लाभ प्रदान किया गया। उन्होंने बैंक ऑफ इंडिया में दो हजार से अधिक नागरिकों के जन धन खाते खुलवाए है। इस दौरान उन्होंने 40 करोड़ रुपये से ज्यादा का लेन देन किया है। उनके इसी कार्य को देखते हुए उन्हें दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया था और सम्मानित किया गया। उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए क्षेत्र के लोग बधाई दे रहे है।

समन्वय बनाकर योजनाओं को ससमय पूरा करायें अधिकारी : आर रॉनिटा

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। समाहरणालय स्थित सभागार में गुरुवार को उपायुक्त आर रॉनिटा की अध्यक्षता में नीति आयोग, जिला योजना, विकास शाखा, विशेष केंद्रीय सहायता, जिला खनिज न्यास निधि और अन्य कार्य एजेंसियों से संबंधित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला अनाबद्ध निधि एवं पीएम-अभीम योजना के तहत स्वीकृत एवं क्रियान्वित योजनाओं की भी गहन समीक्षा की गई। बैठक के दौरान उपायुक्त ने आकांक्षी जिला कार्यक्रम अंतर्गत खूंटी जिला एवं आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम अंतर्गत कर्रा प्रखंड में स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, कृषि, जल संसाधन एवं आधारभूत संरचना से संबंधित विभिन्न सूचकांकों पर प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने विशेष रूप से एएनसी पंजीकरण, लिंग अनुपात, संस्थागत प्रसव, कम वजन वाले शिशुओं की संख्या में कमी, तथा एमटीसी केंद्रों के प्रभावी संचालन पर बल देते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त, जिला योजना अनाबद्ध निधि के तहत संचालित एवं लंबित योजनाओं जैसे पथ निर्माण कार्य, एंबुलेंस की खरीदारी एवं अन्य आवश्यक संसाधनों की खरीदारी की समीक्षा कर उनकी त्वरित पूर्णता हेतु निर्देशित किया गया। उपायुक्त ने योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं तय समयसीमा में कार्य पूर्ण करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय बनाते हुए योजनाओं को धरातल पर उतारें ताकि आम जनता को योजनाओं का सीधा लाभ मिल सके। बैठक में सिविल सर्जन, जिला योजना पदाधिकारी, संबंधित विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता समेत अन्य उपस्थित थे।

विधायक ने किया चहारदीवारी निर्माण कार्य का शिलान्यास

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। तोरपा के विधायक सुदीप गुड़िया ने गुरुवार को रनिया प्रखंड के आश्रम आवासीय विद्यालय की चहारदीवारी मिर्नाण कार्य का शिलान्यास किया। मौके पर लोगों को संबोधित करते हुएयक ने कहा कि वे नहीं, जनता के सेवक हैं। जनाता की सेवा ही उनका धर्म है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र का विकास ही मेरा लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि काम में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जायेगा। स्थानीय लोग काम पर नजर रखें। गड़बड़ी हो, तो तुरंत सूचना दें। झामुमो खूंटी जिलाध्यक्ष जुबैर अहमद ने कहा कि जब से सुदीप गुड़िया विधायक बने हैं, क्षेत्र के विकास का काम तेजी से हो रहा हैं। जिलाध्यक्ष ने कहा कि आपकी बदौलत सुदीप गुड़िया विधायक बने हैं। आप इनसे काम लें। अपनी समस्या बतायें। एक एक करके उन समस्याओं का समाधान किया जायेगा। इसके पूर्व बासु पाहन व बिरसा पाहन ने पारम्परिक ढंग से पूजा पाठ किया। मौके पर बीडीओ प्रशांत डांग, जिप सदस्य सुशांति कोनगाडी, मेनन वीरेन कंडुलना, मुखिया बरदानी कंडुलना, सुरेश कोनगाडी, ग्राम प्रधान कोचो कोनगाडी, तोरपा प्रखंड झामुमो अध्यक्ष रुबेन तोपनो, कल्याण कंडुलना, वीरेन कंडुलना, जयदीप तोपनो, जोलेन बारला, फिरोज खान, देवनाथ माघईया, स्कूल के प्रधानाध्यापक ब्रजेश कुमार पांडेय आदि उपस्थित थे।

तमाड़ के भक्तु राम रवानी का निधन, शोक

भक्तूराम की फाइल फोटो।

तमाड़ (आजाद सिपाही)। तमाड़ गांव के भक्तु राम रवानी 80 वर्ष का बुधवार की शाम मृत्यु हो गयी, वे बतौर चालक अपने कैरियर की शुरूआत की थी। उनका अंतिम संस्कार रात को कर दिया गया, उनके बड़े बेटे संजय रवानी ने मुखाग्नि दी। वे अपने पिछे दो बेटे व चार बेटी छोड़ गये हैं। उनकी मृत्यु से अनेक लोगों ने शोक व्यक्त किया है। वे पिछले एक वर्ष से विस्तर पर ही थे।

उपायुक्त ने की नगर पंचायत की योजनाओं की समीक्षा, दिये निर्देश

खूंटी (आजाद सिपाही)। समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त आर रॉनिटा की अध्यक्षता में गुरुवार को नगर पंचायत की विभिन्न योजनाओं को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। बैठक में नगर पंचायत की कार्यपालक पदाधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित हुए। बैठक के दौरान उपायुक्त ने नगर पंचायत क्षेत्र के सभी वार्डों में चल रही योजनाओं की एक-एक कर समीक्षा की। इनमें पेयजल आपूर्ति, साफ-सफाई व्यवस्था, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, नालियों की सफाई, स्ट्रीट लाइट की मरम्मत, प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी), राजस्व संग्रहण सहित अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं की समीक्षा की। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि क्षेत्र में नियमित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। नगर पंचायत क्षेत्र में लगी सभी स्ट्रीट लाइट को शत-प्रतिशत क्रियाशील बनाया जाए तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लंबित आवासों का निर्माण पूर्ण कराया जाए। उन्होंने योजना के अंतर्गत समय पर किश्त राशि का भुगतान करने का निर्देश डीसी ने दिया। जिला खाद्य संरक्षा पदाधिकारी को दुकानों की नियमित रूप से जांच करने, लाइसेंस निर्गत करने को कहा गया।

खलारी तालाब व बैंक चौंक के समीप अतिक्रमण कर किये गये अवैध निर्माण हटेंगे : प्रणव अंबष्ट

खलारी तालाब व बैंक चौंक के समीप चिन्हित अतिक्रमण क्षेत्र।

आजाद सिपाही संवाददाता

खलारी। खलारी तालाब व बैंक चौंक के पास अतिक्रमण कर किये गये अवैध निर्माण शीघ्र हटायें जायेंगे। उक्त जानकारी देते हुए खलारी अंचल अधिकारी प्रणव अंबष्ट ने बताया कि अंचल क्षेत्र के खलारी बैंक चौंक व खलारी तालाब के आसपास अतिक्रमण कर अवैध निर्माण कार्य तेजी से किया जा रहा था। पिछले दिनों इसका निरीक्षण कर 11 लोगो को अतिक्रमण वाद चालाते हुए नोटिस जारी किया था। जारी नोटिस में सभी लोगो को 16 जुलाई को जमीन संबंधी कागजात के साथ कार्यालय में उपस्थित होने का आदेश दिया था। उन्होने बताया कि बुधवार को 11 लोगो में 10 लोगो ने कार्यालय में उपस्थित हुए और अपना जबाब दिये। सीओ ने बताया कि उक्त लोगो द्वारा दिये गये जबाब पर संतुष्टी नही होने पर अतिक्रमण वाद के तहत अतिक्रमण हटाने के लिये दुसरा नोटिस दिया जायेगा। साथ ही बताया कि इसके बाद अतिक्रमण नही हटाने पर बल पुर्वक अतिक्रमण हटाने दिया जायेगा। साथ ही कहा कि हटाने पर आने वाले सारा खर्चा अतिक्रमणकारी से वसुला जायेगा और उन पर प्राथमिकी दर्ज की जायेगी। साथ ही सीओ ने कहा कि खलारी अंचल क्षेत्र के अन्य जगहों में अतिक्रमण कर किये गये अवैध निर्माण की भी जांच कर हटाने का कार्य किया जायेगा।

सुशांति कोनगाड़ी बनीं झामुमो महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष, कमलेश छात्र मोर्चा अध्यक्ष

आजाद सिपाही संवाददाता

कमलेश महता छात्र मोर्चा अध्यक्ष ।

खूंटी। झामुमो के मविभिन्न मंच और मोर्चा का गठन कर दिया गया है। जिला समिति की के अलोक में मोर्चा के पदाधिकारियों की घोषणा गुरुवार को की गयी। पार्टी द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार सुशांती कोनगाड़ी को महिला मोर्चा का जिलाध्यक्ष बनाया गया है, जबकि उपाध्यक्ष नेली डहगा ज्योति मिंज तथा निलानी देमता को बनाया गया। सचिव अनिमा कच्छप, संगठन सचिव, पूनम बारला, मोनिका सोय, सह सचिव, सीमा कुमारी अर्जना नाग, असगरी खातून, रीना मुंडा और कोषाध्यक्ष सीता नाग को बनाया गया।

अमृत हेंब्रम बने युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष : युवा मोर्चा की नवगठित कमेटी में अमृत हेमरोम को अध्यक्ष, उपाध्यक्ष अनुप लकड़ा, राहुल केशरी तथा अर्जुन मुंडा, सचिव संदीप लाल, संगठन सचिव जोलेन बारला, राशीद खान लक्की, विरेंद्र सिंह, सह सचिव, अजय कुमार, असलम अंसारी, डेविड तोपनो, सुखराम सारुकुद तथा एजाजुल अंसारी, कोषाध्यक्ष बंसत महतो को बनाया गया।

कमलेश बने छात्र मार्चो के अध्यक्ष : छात्र मोर्चा में कमलेश महतो को जिलाध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया है। उपाध्यक्ष अभिमन्यु कुमार, सुनील महतो, अकिंत कुमार मांझी, सचिव दुवारी मुंडू, संगठन सचिव बंसत महतो, सह सचिव, दिलवर सुरीन, कोषाध्यक्ष सनिका टोप्पनो को बनाया गया। अल्पसंख्यक मोर्चा में अध्यक्ष शेख फिरोज, सचिव जयदीप टोपनो, संगठन सचिव तारीक अनवर, कोषाध्यक्ष कल्याण कंडुलना बनाये गये। क्रीडा मोर्चा में जिलाध्यक्षा प्रकाश नाग मुंडा, उपाध्यक्ष उपेंद्र पाहन, एनेम कंडुलना तथा संतोष कुमार, सचिव विमल पाहन, संगठन सचिव विनोद सांगा, विश गुड़िया, सह सचिव, विल्सन विवेक एक्का, मार्शल हेंब्रम, जोन कच्छप कोषाध्यक्ष अंथोनी कच्छपबनाये गये हैं। किसान मोर्चा में अध्यक्ष मांगू होरो, उपाध्यक्ष, हेरमन गुड़िया सचिव, महादेव, सोनाराम, सुकुमार, संगठन सचिव पूर्ण चंद्र, शमीम तथा कोषाध्यक्ष शहदेव बनाये गये। बुद्धिजीवी मोर्चा में अध्यक्ष मेनन विरेंद्र कंडुलना, उपाध्यक्ष महावीर, संगठन सचिव अजीत, गुरु चरण, सचिव विनोद भंगरा, सुनील धान और कोषाध्यक्ष, तनवीर खान बनाये गये।

जेएलकेएम महिला मोर्चा का विस्तार, पम्मी देवी बनी अध्यक्ष

खूंटी (आजाद सिपाही)। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा की गुरुवार को हुई बैठक में जेएलकेएम महिला मोर्चा का विस्तार किया गया। इसमें पम्मी देवी की जिला अध्यक्ष बनाया यह, जबकि और प्रखंड एसटी महिला मोर्चा के जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी रीना विस्तारीकरण किया गया लकड़ा को दी गयी। महिला मोर्चा जिला उपाध्यक्ष सुदामनी देवी, महिला मोर्चा खूंटी प्रखण्ड अध्यक्ष मुनकी देवी को बनाया गया। कार्य समिति सदस्य के रूप में नीलम झा, गुंजन कुमारी, गोमा कुमारी, गीता देवी को शामिल किया गया। कुंदी गांव में सदस्यता अभियान प्रखंड अध्यक्ष के नेतृत्व में कुंदी गांव में सदस्यता अभियान चलाया गया। मौके पर ग्रामीणों ने बिजली ट्रांसफार्मर, सड़क सहित अन्य समस्याओं से कार्यकर्ताओं को अवगत कराया। अभियान में जिला अध्यक्ष कुमार ब्रजकिशोर, जिला महासचिव विक्रम महतो, उपाध्यक्ष बजरंग साहू, जिला मीडिया प्रभारी मुन्ना कुमार, जिला संगठन महामंत्री विश्वकर्मा उरांव, संतोष राम आदि शामिल थे।

लोगों की आस्था और कौतूहल का केंद्र हैं महादेव टोली के विशाल पीपल पेड़ पर विराजमान शिवलिंग

खूंटी (आजाद सिपाही)। अपने प्राकृतिक सौंदर्य के लिए विख्यात खूंटी जिला प्राचीन धार्मिक धरोहरों के कारण भी अपनी एक अलग पहचान रखता है। यहां आम्रेश्वर धाम, माता नकटी देवी, माता सोनमेर मंदिर पाट पहाड़ वाले महादेव, बुढ़वा महादेव, बुचा महादेव, बाबा नागेश्वर धाम, सिड़िंग महोदव, जैसे पुरातन प्राकृतिक धार्मिक स्थल हैं। खूंटी जिले में बाबा भोलेनाथ हिंदू और सरना दोनों धर्मावलंबियों में समान रूप से पूजे जाते हैं। यही कारण है कि यहां पर पहाड़-पर्वत, नदी और पेड़ो के ऊपर भी शिवलिंग के दर्शन हो जाते है। इन्हीं शैव स्थलों में तोरपा प्रखंड के जरिया महादेव टोली गांव स्थित पीपल के एक पेड़ पर विराजमान शिवलिंग श्रद्धालुओं के लिए आस्था और आश्चर्य का केंद्र बना हुआ है। इस गांव में इतने अधिक शिवलिंग हैं कि इस गांव का नामकरण ही महादेव टोली हो गया। आज भी पुरातात्विक महत्व के कई शिवलिंग, विभिन्न देवी-देवताओं की प्रस्तर की मूर्तियां और सुदर्शन चक्र, रथ के पहिये उपेक्षित पड़े हैं। सावन कें महीने के अलावा यहां शिवरात्रि और मंडा पूजा का भी आयोजन होता है। पीपल पेड़ पर विराजमान शिवलिंग की पूजा करने कें लिए लोगों को पेड़ पर लगभग 25-30 मीटर ऊपर चढ़ना पड़ता है। इसलिए सक्षम लोग ही वहां पहुंच पाते हैं, अन्यथा लोग नीचे ही उनका ध्यान करते हैं। महादेव टोली मंदिर के पुजारी लक्ष्मी नारायण चौबे और मंदिर प्रबंध समिति के सचिव बाल गोविंद महतो बताते हैं कि पहले जब पीपल का पेड़ छोटा था, उसी समय से वहां शिवलिंग विराजमान हैं। **खुदाई में मिले थे दर्जनों शिवलिंग :** मंदिर के पुजारी लक्ष्मी नारायणय चौबे वहां के पुजारी हैं। उन्होंने बताया कि पिछले सैकड़ों वर्षों से उनका परिवार पीढ़ी द पीढ़ी वहां भोलेनाथ की पूजा-करते आ रहे हैं। वहां के शिवलिंग कितने प्राचीन हैं, इसकी जानकारी उन्हें तो नहीं, है, लेकिन वे कहते हैं कि खुदाई कें दौरान ही वहां दर्जनों शिव लिंग मिले थे। इनमें कुछ शिव लिंग को अन्य गांवों के लोग ले गये, लेकिन अब भी वहां आठ-दस शिव लिंग हैं। हाल ही में वहां एक मंदिर का निर्माण कराया जा रहा है।

भारतीय तटरक्षक बल रोजगार के साथ राष्ट्र सेवा का अवसर : डिप्टी कमांडेंट नलिन

- अमानत अली कॉलेज में चला भारतीय तटरक्षक बल का जागरुकता अभियान
- सिल्ली कॉलेज में चला भारतीय तटरक्षक बल का जागरुकता अभियान

आजाद सिपाहीसंवाददाता

बुंडू/मुरी। रांची और झारखंड के युवा अधिक से अधिक संख्या में भारतीय तटरक्षक बल में शामिल हों, रोजगार के साथ राष्ट्र सेवा का अवसर उन्हें मिल सके। इस उद्देश्य के साथ केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के पहल पर भारतीय तटरक्षक बल के द्वारा गुरुवार को अमानत अली इंटर कॉलेज, सिल्ली कॉलेज, सिल्ली एवं सिंबोसिस पब्लिक स्कूल, बुंडू में संपर्क एवं संवाद कार्यक्रम किया गया। स्कूल के निदेशक अली अराफत ने अधिकारियों का स्वागत करते हुए मंत्री संजय सेठ का आभार जताया। मौके पर तटरक्षक बल के डिप्टी कमांडेंट नलिन भार्गव ने विद्यार्थियों को एक प्रेजेंटेशन के माध्यम से बल की कार्य और जिम्मेदारियों को दिखाया। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि तटरक्षक बल आपके करियर के लिए एक बेहतर विकल्प है। यहां आपको राष्ट्र सेवा का भी अवसर मिलता है। एसडी सिंह ने विद्यार्थियों को समुद्री सीमाओं की रक्षा के लिए प्रेरित किया।

भाजपा ग्रामीण जिला अध्यक्ष विनय महतो धीरज ने कहा कि रांची में पहली बार केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के पहल पर भर्ती एवं जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है इसके लिए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण पहल बताया। कार्यशाला के बाद एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत स्कूल कैंपस में डिप्टी कमांडेंट की उपस्थिति में वृक्षारोपण भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन मयंक मिश्रा ने किया। मौके पर भाजपा ग्रामीण जिला अध्यक्ष विनय महतो धीरज, एसडी सिंह, रमेंद्र कुमार, स्कूल की प्राचार्या तराना बेगम, भाजपा मंडल अध्यक्ष आलोक दास, खगेश महतो, मेघनाथ महतो स्वेता सिंह, सबिता जायसवाल, सोम रक्षित, दीपांधिता दीक्षित, सुभाष, समेत सैकड़ों छात्र मौजूद थे।

वहीं सिल्ली कॉलेज, सिल्ली में कार्यक्रम का संचालन प्रो विश्वनाथ मुंडा एवं नकुल चंद्र महतो ने किया। मौके पर भाजपा ग्रामीण जिला अध्यक्ष विनय महतो धीरज,एस डी सिंह, रमेंद्र कुमार, कॉलेज के प्राचार्य अनंत राम महतो, सावित्री बाला, डॉ सुकल्याण महतो,मंजूलता कुमारी, त्रिभुवन महतो, हेमलता,भाजपा मंडल अध्यक्ष अम्बुज रजक, बसंत साहू,समेत सैकड़ों छात्र छात्राएं मौजूद थे।

आजाद सिपाही
रांची, शुक्रवार, 18 जुलाई, 2025
www.azadsipahi.in
09

सड़क दुर्घटना में महिला की हुई मौत कांके-पिठोरिया मार्ग घंटों जाम रहा

आजाद सिपाही संवाददाता

कांके। थाना क्षेत्र के रांची पतरातू मार्ग पर नगड़ी गांव के समीप सड़क दुर्घटना में हुसीर निवासी महिला रहीमन खातून (70) की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी। वहीं महिला का भाई सोहराब अंसारी 52 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसका पास के निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना गुरुवार दोपहर लगभग 11.40 बजे की है। प्रत्यशदर्शियों के अनुसार तेज रफ्तार स्कोडा कार संख्या जेएच 01 एफएस 4811 ने मोटरसाइकिल संख्या जेएच 01 डीवी 7538 को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों मोटरसाइकिल सवार हवा में काफी दूर तक उछल गये। घटना के बाद कार ड्राइवर भाग गया। वहीं गुस्साए आक्रोशित ग्रमीणों ने कार का शीशा तोड़ दिया और मुआवजे की मांग, ब्रेकर बनाने, गुणवतापूर्ण अनुसंधान एवं अभियुक्त की गिरफ्तारी व घायल की इलाज का खर्च आदि की मांग को लेकर सड़क बनाने को लेकर दोपहर 12 बजे जाम कर दिया। घटनास्थल पर डीएसपी अमर कुमार पांडेय, सीओ विजय कुमार, थाना प्रभारी प्रकाश रजक ने ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया। ग्रामीण डीएसपी के लिखित आश्वासन के बाद लगभग चार घंटे बाद चार बजे जाम खत्म किया। मौके पर पीड़ित परिवार को 10 हजार की तत्काल सहायता राशि दी गयी।

ओरमांझी के चुटूपालू से ऑटो में 560 किलो मिलावटी पनीर और एक टीन घी पकड़ा गया

आजाद सिपाही संवाददाता

ओरमांझी क बिहार से लगातार झारखंड की राजधानी रांची में मिलावटी पनीर विक्रेता सक्रिय हैं। अभी कुछ दिन पहले रामगढ़ में मिलावटी पनीर की खेप पकड़ायी थी। इसके बाद गुरुवार को ओरमांझी के चुटूपालू में ऑटो jh01bz8891 में पनीर ले जाने की खबर ओरमांझी पुलिस को मिली। ओरमांझी पुलिस ने पनीर से भरी ऑटो को चालक समेत थाना लाया गया। पनीर पकड़ने की खबर ओरमांझी पुलिस द्वारा जिला खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी सुबीर रंजन को दी गयी। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी के द्वारा प्राथमिक जांच में पनीर में मिलावट पाया गया। एक टीन घी पकड़ा गया है। उसका सेंपल लेकर जांच के लिए भेजा गया है।ऑटो में मिलावटी पनीर और कागजात सही नहीं होने के कारण ऑटो मालिक को 25000 रुपये फाइन किया गया है। ऑटो चालक अनिल कुमार यादव ने बताया कि यह पनीर बिहार के मनेर से चंद्रलोक नाम के बस से आया है। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी सुबीर रंजन ने बताया कि आगे भी इस तरह की कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि लोगों को मिलावटी पनीर खाने से बचाया जाये। थाना प्रभारी अनिल कुमार तिवारी ने बताया कि खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी के द्वारा प्राथमिकी दर्ज नहीं कराने के कारण कोई भी व्यक्ति हिरासत में नहीं लिया गया है। पकड़े गये पनीर की खेप को डोमा नदी किनारे खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी के देख-रेख में नष्ट कर दिया गया।

चिंतपूर्णी स्टील प्लांट की भट्ठी फटी, मजदूर दहशत में

आजाद सिपाही संवाददाता

चरही (हजारीबाग)। चरही थाना क्षेत्र के हजारीबाग-रामगढ़ की सीमा पर स्थापित पंद्रह माइल स्थित चिंतपूर्णी स्टील प्राइवेट लिमिटेड फैक्ट्री में फिर से एक बड़ा हादसा होते होते बच गया। आपको बता दे कि चिंतपूर्णी स्टील प्लांट का 4 नंबर भट्ठी फटने से यह हादसा हुआ है। यह हादसा गुरुवार की रात लगभग 9 बजे की है। घटना के बाद फैक्ट्री में अफरा-तफरी मच गयी। राहत की बात ये रही कि इस घटना में कोई अनहोनी नहीं हुई। बताया जाता है कि चिंतपूर्णी स्टील प्लांट में सुरक्षा को लेकर हर वर्ष लाखों खर्च किया जाता है, लेकिन सुरक्षा के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की जा रही है। लगातार एक साल में 4 हादसे हुए हैं, जिनमें कई लोग घायल हुए और कई मजदूर की मौत हुई है।

तीन माह पूर्व 5 मार्च 2025 को भट्ठी फटने से 5 मजदूर घायल हुए हैं। 2 अक्टूबर 2024 को विस्फोट से 2 मजदूर गंभीर रूप से घायल हुए। 11 जुलाई 2024 को बॉयलर फटने से चार मजदूर गंभीर रूप से झुलस गये। इसी प्लांट में एक ठेका मजदूर बिहार के बांका निवासी विकास प्रसाद यादव की मौत 23 सितंबर 2021 की रात भट्ठी में गिरने से हो गयी थी। दरअसल चिंतपूर्णी स्टील प्लांट में हादसों की वजह मेंटेनेंस की कमी व लापरवाही माना जा रहा है। आए दिन स्टील प्लांट में हादसे हो रहे हैं और लोग घायल हो रहे, साथ ही लोगों की मौत भी हो रही है। भट्ठी फटने से आसपास के लोग दहासत में जिंदगी जी रहे है। कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

अभिभावक बच्चे-बच्चियों का रखें ख्याल : सतीश कुमार

आजाद सिपाही संवाददाता

बेड़ो। न्यायायुक्त-सह-अध्यक्ष, अनिल कुमार मिश्रा के निर्देश पर डालसा सचिव रवि कुमार भास्कर के मार्गदर्शन में प्रखंड के घाघरा पंचायत के टिकरा टोली गांव में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पीएलवी सतीश कुमार, मंगल तिर्की, दिनेश प्रमाणिक, सधनी कुमारी, संजय कुमार एवं राजा वर्मा उपस्थित थे। पीएलवी सतीश कुमार ने जिला विधिक सेवा प्राधिकार रांची से मिलनेवाली सुविधाओं एवं मानव तस्करी तथा नशा उन्मूलन पर प्रकाश डाला। दिनेश प्रमाणिक ने कहा कि अभिभावक अपने बच्चों का ध्यान रखे, अब समय पहले जैसे नहीं रहा, लोग बच्चों को बहला-फूसला कर ले जाते हैं और दूसरे राज्य में बेच देते हैं। बच्चों-बच्चियों को या तो घरों में काम कराया जाता है या फिर अज्ञात अपराधियों के द्वारा बच्चे-बच्चियों को भीख मांगने पर मजबूर किया जाता है। सधनी कुमारी ने नशा उन्मूलन पर बताया कि अभिभावक स्वयं एवं अपने बच्चों को नशा से दूर रखें। पीएलवी सतीश कुमार व संजय कुमार ने प्री-लिटिगेशन मुकदमा दर्ज कराने, विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन, असंगठित मजदूरों का निबंधन, आयुष्मान भारत योजना के गोल्डन कार्ड, बाल श्रम एवं बाल अधिकार के बारे में जानकारी दी। डालसा के पीएलवी सतीश व सधनी देवी ने उपस्थित लोगों को बाल श्रम, बाल अधिकार के बारे में बताया।

केवीके के वैज्ञानिकों ने धानरोपाई शुरू की

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। धान देश, प्रदेश एवं जिले की प्रमुख फसल है। इस वर्ष समय पर संतुलित बारिश होने के कारण धान की खेती के लिए यह एक उपयुक्त अवसर है। इसी क्रम में गुरुवार को रामकृष्ण मिशन आश्रम, दिव्यायन कृषि विज्ञान केन्द्र, मोराबादी, रांची के परिसर में धान रोपाई कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ कृषि वैज्ञानिकों द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ अजीत कुमार सिंह, डॉ मनोज कुमार सिंह, डॉ राजेश कुमार, डॉ नेहा राजन एवं डॉ विशाखा सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। इससे पहले रामकृष्ण मिशन के वरिष्ठ संन्यासी स्वामी ईश्वरानंद महाराज की उपस्थिति में भगवान की पूजा-अर्चना के साथ धान रोपाई कार्यक्रम को शुरू किया गया। कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थी, प्रशिक्षकगण, आरकेएमवीइआर के छात्र, सहायक प्राध्यापक डॉ साकेत विश्वास, अनुप पाल, नरहरी महतो दीपक पाहन आदि भी शामिल हुए। इस वर्ष परिसर में धान की प्रजाति सी आर 320 का ब्रीडर बीज रोपा गया है, जो आधार बीज उत्पादन के उद्देश्य से किया गया। यह कार्य प्राकृतिक एवं जैविक खेती की पद्धति से किया जा रहा है। दिव्यायन का यह चयनित खेत पूर्णतः प्राकृतिक खेती के लिए संरक्षित है। कार्यक्रम का संचालन फसल वैज्ञानिक डॉ मनोज कुमार सिंह के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

महत्वपूर्ण खबरें

शिवसेना के झारखंड राज्य प्रमुख ने बाबा बैजनाथ धाम में पूजा-अर्चना की

बेड़ो (आजाद सिपाही)। शिवसेना के झारखंड राज्य प्रमुख दीपक सिंह गुरुवार को देवघर स्थित बाबा बैजनाथ धाम पहुंचकर भोलेनाथ की विशेष पूजा अर्चना की। शिवसेना राज्य प्रमुख दीपक सिंह गुरुवार की अहले सुबह सुल्तानगंज स्थित गंगा नदी से पवित्र गंगाजल उठाकर सब परिवार के साथ देवघर पहुंचे। उन्होंने सपरिवार के साथ दोपहर में बाबा बैजनाथ धाम पहुंच कर भोलेनाथ का जलाभिषेक कर विशेष पूजा अर्चना की। इसके अलावा दीपक सिंह ने पत्नी मंजुला देवी के साथ मिलकर रात्रि 9:00 बजे बाबा बैजनाथ का भव्य श्रृंगार कर शिव की विशेष पूजा अर्चना की साथ ही उन्होंने बाबा धाम में पूजा अर्चना के साथ ही उन्होंने समस्त झारखंड वासियों के सुख समृद्धि को लेकर भोलेनाथ से प्रार्थना किया।

नेहालू में बैंकिग जागरूकता शिविर लगा

बेड़ो (आजाद सिपाही)। यूको बैंक के तत्वावधान में गुरुवार को प्रखंड के नेहालु पंचायत सचिवालय के सभागार में बैंकिग जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। मौके पर बैंक के शाखा प्रबंधक ईशा धनवार ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा और आम नागरिकों को बैंकिंग सेवाओं की जानकारी देना है। उन्होंने ग्रामीणों को विभिन्न बैंकिंग योजनाओं जनधन योजना, एटीएम, बीमा, अटल पेंशन योजनाओं की जानकारी दी। साथ ही नकद रहित लेन-देन, साइबर सुरक्षा और डिजिटल भुगतान की जानकारी दी। शाखा प्रबंधक ने लोगों से अपील किया कि वे बैंकिंग सेवाओं का अधिकाधिक लाभ लें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। मौके पर मुखिया वीरेंद्र भगत ने ग्रामीणों से बैंकिग योजनाओं का लाभ लेने की बात कही। मौके पर उप मुखिया जितिया उरांव, प्रमोद सिंह समेत सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थे।

छात्र हर्ष साहू ने राष्ट्रीय साधन सह मेधा छात्रवृत्ति परीक्षा में सफलता पायी

ठाकुरगांव (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के राजकीय मध्य विद्यालय उरूगुडू के छात्र हर्ष कुमार साहू ने राष्ट्रीय साधन सह मेधा छात्रवृत्ति परीक्षा में सफलता पायी है। विदित हो कि उक्त परीक्षा में देश भर के छात्र शामिल होते हैं। परीक्षा में सफल छात्र को वर्ग 9 से 12वीं तक प्रति वर्ष 12000 रुपये छात्रवृत्ति मिलेगा। हर्ष कुमार साहू के सफलता पर विधायक सुरेश बैठा,मुखिया पूजा किस्पोट्टा, पंसस तारा देवी,शिक्षक पोखराज सिन्हा, रविकांत तिवारी आदि ने हर्ष व्यक्त किया है।

इटकी में प्रखंड स्तरीय मनरेगा कार्य का सोशल ऑडिट किया गया

इटकी (आजाद सिपाही)। इटकी के प्रखंड सभागार में प्रखंड स्तरीय मनरेगा कार्य का सोशल ऑडिट गुरुवार को किया गया। ऑडिट कार्यक्रम का उद्घाटन प्रखंड विकास पदाधिकारी उप प्रमुख परवेज राजा मनरेगा लोकपाल पदाधिकारी पुष्प लता जायसवाल एवं अंचल पदाधिकारी मोहम्मद अनीस के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में योजनाओं की क्रियान्वयन में अनियमितता सहित अन्य जांच की गयी। इस क्रम में कुरगी, चिनार पुरियो, मल्टी, कुंदी, गढ़गांव, कुली, पंचायतों में किये गये कार्य का निष्पादन किया गया। इसमें कुल 40 से 42 मामले आये और उन सबों का निष्पादन किया गया। कार्यक्रम में प्रखंड प्रमुख किरण उड़ाव, उप प्रमुख परवेज राजा, लोकपाल पदाधिकारी पुष्प लता जायसवाल, प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रवीण कुमार, अंचल अधिकारी मोहम्मद अनीस सहित पंचायतों के सचिव रोजगार सेवक सहित कई अन्य उपस्थित थे।

कार ने ऑटो को मारी टक्कर, 4 लोग जख्मी

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। रांची-मुरी मार्ग पर लेढ़ाअंबा ओवरब्रिज के पास गुरुवार की शाम करीब 4 बजे एक कार ऑटो को ठोकर मारते हुए पेड़ से जा टकराई। दुर्घटना में ऑटो पलट गई। जिसमें सवार 4 लोग घायल हो गये। घायलों में दो महिला और दो बच्चे शामिल हैं।बताया गया कि ऑटो (जेएच 01 एफडी 6078) गोंदलीपोखर बाजार से रांची की ओर जा रहा था, इसी दौरान रिंगरोड से नीचे उतर रही कार (जेएच 01 एटी 0346) से उसकी टक्कर हो गई। ऑटो बीच सड़क पर पलट गया, जिसमें उसमें सवार चार लोग दब गए। वहीं कार एक पेड़ से जा टकराया। ग्रामीणों ने घायलों को इलाज के लिए सीएचसी भेजा। जहां से बाद में सभी बेहतर इलाज के लिए एक नीजि अस्पताल चले गये।

अधिकारी ईमानदारी से दायित्व निभायें : सुखदेव भगत

आजाद सिपाही संवाददाता

लापुंग। प्रखंड कार्यालय सभागार लापुंग में सांसद सुखदेव भगत ने सभी अधिकारियों और प्रखंड कर्मियों के साथ विकास योजनाओं को लेकर समीक्षा बैठक की। बैठक में क्रमवार समीक्षा करते हुए सांसद सुखदेव भगत ने अंचल पदाधिकारी पंकज कुमार को जाति,आय, आवासीय, मृत्यु जन्म प्रमाण पत्र और दाखिल खारिज का काम उठा शीघ्र निपटाने की बात कहा। सांसद ने डीलरों द्वारा प्रति कार्डधारी लाभुकों कम अनाज देने की शिकायत पर आपूर्ति पदाधिकारी मो आरिफ को राशन डीलर को सुधार करने की हिदायत दी। ग्रामीणों द्वारा अवैध बालू ढुलाई पर सांसद ने नाराजगी व्यक्त किया प्रशासन इसपर रोक लगायें। अबुआ आवास लाभुकों को आवास देने के साथ एक पौधा लगाने के लिए कहा। जेएसलपीएस के अन्तर्गत नए महिला समूहों का निर्माण और हरसंभव सहायता करने की बात कही। भारतीय स्टेट बैंक लापुंग में एटीएम मशीन लगाने का आश्वासन दिया। उन्होंने सामाजिक सुरक्षा, पेयजल एवं स्वच्छता, स्वास्थ्य विभाग के समीक्षा के क्रम में उन्होंने प्रखंड के सीएचसी में दवा, प्रसव, एंबुलेंस की जानकारी ली और इसे दुरुस्त करने को कहा। इसके अलावा कल्याण, बाल विकास, मनरेगा, शिक्षा विभाग, पुलिस प्रशासन, कृषि, मईया सम्मान योजना, 15वां वित आयोग, सर्वजन पेंशन योजना का लाभ जरूरतमंदों को दिलाने की बात कही गई। कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। कार्यकर्ताओं को पार्टी की रीढ़ कहा। सांसद ने कहा विकास का कार्य धरातल पर नजर आनी चाहिए न कि कागजी आंकड़ों पर। अधिकारी अपनी कार्यशैली में बदलाव लाएं और जिस भी कार्य का दायित्व सौंपा गया है उसे जिम्मेदारी, ईमानदारी और पूरी कर्तव्य निष्ठा के साथ निभाएं, ताकि समाज के हर वर्ग को इसका पूरा लाभ मिल सकें। जनता के साथ गलत करने वाले अधिकारी बख्शे नहीं जायेंगे। उन्होंने बीडीओ उषा कुमारी मिंज को जनता की समस्या को गंभीरता से लेने का निर्देश दिया। इसके पूर्व सांसद सुखदेव भगत का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया वो एक नींबू का पौधा भेंट दिया गया। मौके पर थाना प्रभारी संतोष कुमार यादव सांसद प्रतिनिधि सीताराम भगत, जुगेश उरांव, सुका उरांव, देवनिश तिग्गा, जनमजेय पाठक,जयंत बारला, देवेंद्र वर्मा, सुदामा महली , प्रखंड प्रतिनिधि गंगा भगत, बंधु उरांव के अलावा अन्य पदाधिकारी उपस्थिति थे।

टीएससी सदस्य ने नगड़ी अंचल अधिकारी भेंट की

आजाद सिपाही संवाददाता

पिस्कानगड़ी। झारखंड सरकार के अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग सह जनजातीय सलाहकार परिषद (टीएससी) के सदस्य नारायण उरांव के नेतृत्व सात सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को नगडी प्रखंड सह अंचल कार्यालय पहुंच कर कार्यों का निरीक्षण किया। इसके पश्चात सभी नगड़ी अंचल पदाधिकारी राजेश कुमार से भेंट कर लोगों कई समस्याओं पर विचार विमर्श किया। उन्होंने नगड़ी अंचल कार्यालय में आप ऐसा प्रावधान कीजिए कि लोग छोटे-मोटे काम के लिए वरीय मंत्री, उपायुक्त या टीएससी पदाधिकारी एवं सदस्यों के पास जाना नहीं पड़े। यहीं पर लोगों की समस्याओं का निदान कीजिए।

इस मौके पर मुख्य रूप से कमल लकड़ा (एडवोकेड झारखंड उच्च न्यालाय), सुनिल कच्छप (कार्यकारी अध्यक्ष आदिवासी 21 पड़हा नगड़ी), सोमा लकड़ा (सचिव 22 पड़हा बजरा रांची), सुखदेव उरांव (अध्यक्ष पांच पड़हा गड़गांव इटकी बेड़ो) विनय उरांव (मुखिया पंचायत कुली), लक्ष्मन उरांव, (पंडरा, रांची), संजू उरांव उपस्थित थे।

भाजपा नेताओं ने नगड़ी थाना में विरोध दर्ज कराया

आजाद सिपाही संवाददाता

पिस्कानगड़ी। भाजपा के वरिष्ठ भाजपा नेताओं एवं दर्जनों कार्यकर्ता मंडल अध्यक्ष जय किशन महतो के नेतृत्व में गुरुवार को नगड़ी थाना पहुंचे और नगडी थाना द्वारा भाजपा कार्यकर्ता राजू साहू एवं आम नागरिकों के साथ लगातार के किए जा रहे दुर्व्यवहार के खिलाफ आज भारतीय जनता पार्टी नगडी मंडल के द्वारा थाना पहुंच कर विरोध दर्ज किया।

नगड़ी थाना प्रभारी अभिषेक कुमार राय ने लोगों के शिकायत को विस्तार से सुना और भाजपा नेताओं और उपस्थित आमजनों को आश्वस्त करते हुए कहा कि भविष्य में थाना के किसी भी पुलिसकर्मी के द्वारा कोई भी तरह दुर्व्यवहार नहीं किया जायेगा। बैठक में नगड़ी थाना की और से थाना प्रभारी अभिषेक कुमार राय एस आई शुभम कुमार देवानंद यादव शौकत अली सुजीत उरांव प्रमोद कुमार सिंह कुलदेव प्रसाद सहित अन्य पुलिस कर्मी मौजूद थे वही मौके पर झारखंड प्रदेश भाजपा कार्य समिति सदस्य शशि भूषन भगत ,पंकज लाल ,झारखंड प्रदेश भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश कोषाध्यक्ष विंध्याचल महतो जिला मंत्री चुडामनी महतो जिला कोषाध्यक्ष संजीव तिवारी किसान मोर्चा के गुमला जिला प्रभारी केदार महतो राकेश केशरी हेमंत केशरी,शीला देवी, राजपाल साहू, अरविन्द केशरी शामिल आदि थे।

जंगलों की सुरक्षा के साथ विलुप्त होते औषधीय पौधों के संरक्षण का दायित्व निभा रहे हैं वनकर्मी घनश्याम महतो

नसीम अहमद

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। सिल्ली के रहने वाले एक वनकर्मी घनश्याम महतो जंगलों की सुरक्षा के साथ साथ विलुप्त होती औषधीय पौधों के संरक्षण की सामाजिक जिम्मेवारी भी बखूबी निभा रहे हैं। इस अनूठे कार्य की शुरूआत उन्होंने विगत 2019 में रांची वन प्रमंडल में बहाली के साथ हीं कर दिया था। जो आज भी निरंतर जारी है। उनके द्वारा जंगलों में घूम घूमकर दुर्लभ और विलुप्त होती औषधीय पौधों की खोज की जाती है और फिर उसकी पहचान कर बचाने का भी उपाय किया जाता है। घनश्याम महतो ने जंगलों में अब तक 800 से भी अधिक विलुप्त होती दुर्लभ औषधीय पौधों की पहचान की है तथा उसे संरक्षित करने का उपाय भी किया है। आज वे एक मिसाल बन चुके हैं। उनके इस पहल को न केवल झारखंड जैव विविधता बोर्ड ने मान्यता दी है बल्कि इस उपलब्धि के लिए उन्हें वर्ष 2022 में आयोजित अंतराष्ट्रीय वन सम्मेलन में भी आमंत्रित किया गया था। घनश्याम बताते हैं कि यह एक महत्वपूर्ण कार्य है। जो न केवल पौधों के लिए बल्कि मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए भी आवश्यक है। वे इन पौधों की पहचान के साथ उसके महत्व और संरक्षण की आवश्यकता के बारे में भी लोगों को जागरूक कर रहे हैं। इस दौरान खासकर ग्रामीण महिलाओं को वनस्पतियों की पहचान, उनके पारंपरिक प्रयोग और औषधीय गुणों से अवगत कराया जाता है। उनका मुख्य उद्देश्य है स्थानीय ज्ञान को संरक्षित कर अगली पीढ़ियों तक पहुंचाना है। घनश्याम ने बताया कि अपनी स्थानीय जनजातीय जानकारी और वन क्षेत्र के अनुभवों को जोड़कर धावन, कदंब, मिढ़/ इंद्रजौ, ड्रॉसेरा बरमानी, केरोपीजिया हीरसुता, ऑफिओग्लोसुम कोस्टातुम, नीरगुंडी, सर्पगंधा आदि उक्त दुर्लभ बहुमूल्य पौधों और वनस्पतियों का वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण का कार्य शुरू कर चुके हैं साथ हीं इन प्रजातियों का डिजिटल डाटाबेस और डॉक्यूमेंट्री भी तैयार किया जा रहा है ताकि आगे चलकर शोधकताओं और वन नीति बनाने वालों के लिए उपयोगी सिद्ध हो सके। घनश्याम महतो की सोच है कि झारखंड की पारंपरिक वन संपदा को राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिले। इसके लिए वे लगातार प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने साबित कर दिया है कि सच्ची लगन, ज्ञान, निष्ठा और लगाव से कोई भी साधारण व्यक्ति प्रकृति का ज्ञानी बन सकता है। घनश्याम महतो आज अन्य के लिए प्रेरणास्रोत बन चुके हैं।

कल होगा भूमि विवादों के समाधान के लिए विशेष अंचल दिवस का आयोजन

गुमला (आजाद सिपाही)। उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित के निर्देशानुसार जिले में भूमि संबंधी समस्याओं के त्वरित समाधान एवं जनसुनवाई को प्रभावी बनाने की दिशा में प्रति शनिवार को अंचल दिवस का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में दिनांक 19 जुलाई 2025 (शनिवार) को अंचल कार्यालय, गुमला में अंचल दिवस के तहत विशेष जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। यह कार्यक्रम पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न 5:00 बजे तक आयोजित होगा, जिसमें उपायुक्त गुमला स्वयं उपस्थित रहकर लोगों की समस्याएं सुनेंगी और त्वरित निवारण हेतु आवश्यक निर्देश देंगी। इस जनसुनवाई कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य गुमला क्षेत्र के नागरिकों को भूमि विवादों से संबंधित समस्याओं को सीधे जिला प्रशासन के समक्ष प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करना है, ताकि उनके मामलों का निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध समाधान किया जा सके। जिला प्रशासन गुमला की ओर से सभी स्थानीय नागरिकों से अपील की जाती है कि जिनकी भूमि संबंधित कोई भी समस्या हो, वे इस जनसुनवाई कार्यक्रम में अनिवार्य रूप से भाग लें एवं अपने अभिलेखों के साथ समय पर उपस्थित होकर अपनी बात रखें। यह एक महत्वपूर्ण अवसर है जिसमें प्रशासनिक स्तर पर आपकी बातों को प्राथमिकता के आधार पर सुना जायेगा एवं समाधान की दिशा में ठोस पहल की जायेगी। यह कार्यक्रम उपायुक्त गुमला के विशेष निर्देश पर आयोजित किया जा रहा है, ताकि भूमि विवादों का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जा सके एवं नागरिकों को न्याय सुलभ हो सके।

अलग-अलग घटना में सर्पदंश ने चार घायल

गुमला (आजाद सिपाही)। जिले में लगातार सर्प दंश की घटनाएं सामने आ रही है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से सदर अस्पताल में सर्पदंश से घायल लोगों की चिकित्सा की विशेष व्यवस्था की गयी है। बुधवार की शाम 7 बजे तक सदर अस्पताल में सर्पदंश से घायल चार लोगों का इलाज चल रहा है। पहली घटना गुमला थाना क्षेत्र के इरो फटकपुर गांव की है जहां खेत में काम करने के दौरान धनेश्वर उरांव को एक सांप ने हाथ में काट लिया। धनेश्वर खेत में धान रोपने के लिए ट्रैक्टर से हर जोतवा रहा था। खेत गीला होने के बाद खेत को कुदाल से समतल कर रहा था। तभी मछली समझ कर एक सांप को पकड़ लिया। इसके बाद सांप उसके हाथ को काट लिया। दूसरी घटना गम्हरिया गांव की है जहां 10 वर्षीय मुनी उरांव मवेशियों के खाने के लिए घास काटने खेत गयी थी घास के बीच में छिपा एक सांप उसके पैर में काट लिया। इसके बाद सांप तेजी से बिल में घुस गया। तीसरी घटना घाघरा थाना क्षेत्र के सिक्वार अरंगी गांव की है जहां 48 वर्षीय मीरा देवी शौच के लिए खेत की ओर जा रही थी तभी अचानक एक सांप उसके पैर में लिपट गया। इसके बाद वह काटते हुए झाड़ी में जाकर छिप गया। चौथी घटना बसिया थाना क्षेत्र के केदली गांव की है जहां 31 वर्षीय कारू सिंह अपने घर के सामने खड़े थे तभी एक करेंत सांप पैर के नीचे आ गया इसके बाद सांप पैर को काट लिया। इसके बाद वह वहीं पर पड़ा रहा। घर वाले सांप को पकड़ कर एक डिब्बा में बंद कर दिये। सर्पदंश से सभी घायलों का सदर अस्पताल में इलाज चल रहा है।

पहाड़ पनारी में क्षतिग्रस्त शहीद मुंडन सिंह की प्रतिमा मरम्मत,थाना प्रभारी ने किया सहयोग

गुमला (आजाद सिपाही)। सदर थाना क्षेत्र के पहाड़ पनारी गांव में शहीद मुंडन की आदमकद प्रतिमा को कुछ दिन पूर्व शरारती तत्वों ने छतिग्रस्त कर दिया था। मामले को लेकर ग्रामीण गुमला थाना में आवेदन भी दिए थे एसडीपीओ सुरेश प्रसाद यादव के निर्देश पर थाना प्रभारी महेंद्र करमाली गांव पहुंचकर ग्रामीणों से मुलाकात की साथ ही क्षतिग्रस्त मूर्ति को दुरुस्त करने की बात कही थी। थाना प्रभारी के सहयोग से प्रतिमा को ठीक कर दिया गया। जिसको लेकर ग्रामीणों में काफी हर्ष है ग्रामीणों ने बताया मुंडन सिंह ने अंग्रेजों के विरुद्ध लड़ाई में अग्रणी भूमिका निभाई थी। लड़ाई में वे शहीद हो गए थे। गांव में उनकी आदमकद प्रतिमा लगाई गई थी। लेकिन शरारती तत्वों ने प्रतिमा को क्षतिग्रस्त कर दिया था। थाना प्रभारी के सहयोग से प्रतिमा को मरम्मत किया गया।

रसोइया सह सहायिका को मिला प्रशिक्षण

भरनो (आजाद सिपाही)। प्रखंड के उतकर्मित हाई स्कूल तुरिअम्बा में गुरुवार को संकुल स्तरीय रसोइया सह सहायिका का एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिछक को भूमिका निभाते हुए बीपीओ सूरज टोप्पो, बीआरपी समीम एजाज, दयावंती द्वारा एमडीएम में साफ सफाई, मेनू आधारित एमडीएम बनवाने, रसोईया एप्रोन पहनकर एमडीएम बनाने की अनिवार्यता, पोषण वाटिका और आयरन की टेबलेट का वितरण के बारे विस्तार पूर्वक बताया गया। मौके पर स्कूल के एचएम बलबीर उरांव समेत कई लोग उपस्थित थे।

अंतरराष्ट्रीय लायंस क्लब के नये अध्यक्ष के शपथ ग्रहण पर गुमला लायंस में खुशी की लहर

गुमला (आजाद सिपाही)। अंतरराष्ट्रीय लायंस क्लब के नये अध्यक्ष के रूप में लायंस एपी सिंह ने गुरुवार को ओरीणडो फलोरीडा अमेरिका में शपथ ग्रहण किया। जिलापाल संजय कुमार के अहवान पर लायंस परिवार ऐतिहासिक दिवस के रुप में मनाने का निर्णय लिया है। बता दें कि लायंस एपी सिंह झारखंड के पलामू के मूल वासी हैं। इस पर सूबे के लोगों को गर्व है। इस अवसर पर वन जिला वन एक्टिविटी के अंतर्गत गुरुवार को जल शुद्धी अभियान चलाया गया। जिस के अंतर्गत लगभग 25 कुआं में लायंस अध्यक्ष मुरली मनोहर प्रसाद के नेतृत्व में ब्लीचिंग पाउडर का घोल डाला गया तथा दूसरी एक्टिविटी के अंतर्गत संध्या 6:30 बजे से लायंस क्लब गुमला में एक नये सदस्य को सदस्य के रुप में लायंस भवन में शपथ दिलायी जायेगी। तत्पश्चात क्लब के सदस्यगण दीपक जलाकर आपस में उत्सव के रुप में खुशी का इजहार करेगें। प्रातः जल शुद्धी कार्यक्रम में लायंस क्लब अध्यक्ष लायंस मुरली मनोहर प्रसाद, सचिव लायंस योगेन्द्र प्रसाद साहु, पीआरओ लायन्स अशोक कुमार जायसवाल, कोषाध्यक्ष लायन्स गुलाब चन्द्र प्रसाद लायन्स क्लब के पूर्व अध्यक्ष महेश प्रसाद गुप्ता आदि मुख्य रुप से शामिल होकर आयोजित कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया।

विशेष शिविर में डीसी ने ग्रामीणों को समस्याओं के समाधान का दिया भरोसा

आजाद सिपाह संवाददाता

गुमला। बुधवार को उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित ने क्षेत्र भ्रमण के क्रम में विशुनपुर प्रखंड अंतर्गत पाट क्षेत्र स्थित गुरदरी पंचायत का दौरा किया। उपायुक्त के निर्देशानुसार पंचायत भवन में एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया था, जिसमें स्वास्थ्य, आधार कार्ड, राशन, पेंशन, पोषण अभियान, केसीसी, मनरेगा सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित स्टॉल लगाये गये थे। संबंधित विभागों द्वारा मौके पर ही सेवा प्रदान करते हुए ग्रामीणों को योजनाओं से लाभान्वित किया गया।

मौके पर उपायुक्त ने ग्रामीणों से सीधे संवाद करते हुए उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने कहा कि आपकी उपायुक्त आज आपके बीच, आपकी समस्याएं सुनने और उनका समाधान करने आयी हैं। आप आवेदन में अपना नाम एवं पता स्पष्ट रूप से लिखें, ताकि समस्याओं के समाधान की प्रक्रिया में आपसे संपर्क स्थापित किया जा सके। उपायुक्त ने इस सुदूरवर्ती पीवीटीजी क्षेत्र में पहुंचकर यह सुनिश्चित किया कि नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। ग्रामीणों द्वारा आंगनवाड़ी केंद्र की सुविधा, माइनिंग क्षेत्र में स्थानीय रोजगार, आधार पंजीकरण में आ रही कठिनाइयों और जन्म प्रमाण पत्र निर्माण की मांग की गयी। इस पर उपायुक्त ने जानकारी दी की कि 22 से 25 जुलाई तक गुरदरी पंचायत भवन में विशेष आधार पंजीकरण शिविर का आयोजन किया जायेगा, जिसमें जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र की सेवा भी उपलब्ध रहेगी। उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि शिविर उपरांत यदि किसी का आधार नहीं बनता है तो वे सीधे उपायुक्त के कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

शिविर में बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर पेंशन योजना के अंतर्गत स्वीकृति पत्र वितरित किये गये।

इससे पूर्व उपायुक्त ने विशुनपुर प्रखंड के विभिन्न संस्थानों का भी दौरा किया। उन्होंने विशुनपुर स्वास्थ्य उपकेंद्र, वन धन विकास केंद्र, सीएचसी केंद्र, राजकीयकृत मध्य विद्यालय, आंगनवाड़ी केंद्र एवं निर्माणाधीन एमपीसी सेंटर, अमतीपानी का निरीक्षण किया। भ्रमण कार्यक्रम में उपायुक्त के साथ विशुनपुर के प्रखंड विकास पदाधिकारी सुलेमान मुंडारी, अंचल अधिकारी शेखर वर्मा, जेएसएलपीएस जिला प्रबंधक शैलेन्द्र कुमार, हिंडालको के ऑपरेशन हेड शत्रुजीत कुमार, सहायक महाप्रबंधक प्रदीप भालेकर, खान प्रबंधक योगेन्द्र लिलहरे, सीएसआर हेड नीरज कुमार तथा सीएसआर अधिकारी राकेश तिवारी एवं अनिल कुमार भी उपस्थित रहे।

सदर अस्पताल परिसर में नहीं लगेगी दुकान और अनाधिकृत एम्बुलेंस

गुमला (आजाद सिपाही)। उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित के निर्देश पर सदर अस्पताल परिसर में लगने वाले दुकान और अनाधिकृत एंबुलेंस को हटाये जाने को लेकर एसडीओ राजीव नीरज, अंचल अधिकारी हरीश कुमार थाना प्रभारी महेंद्र करमाली गुरुवार की दोपहर सदर अस्पताल पहुंचे और सदर अस्पताल परिसर में सड़क के किनारे लगने वाले दुकानदारों को दुकान हटाने को लेकर सख्त हिदायत दी। आम नागरिक के शिकायत पर यह कार्रवाई की गयी है। सूचना थी कि सदर अस्पताल परिसर में लगने वाले दुकान में गांजा और शराब का सेवन किया जाता है। साथ ही सड़क किनारे दुकान लगने से आवागमन बाधित होती है। एसडीओ ने सदर अस्पताल परिसर में सड़क के किनारे लगने वाले एंबुलेंस की जानकारी भी ली। अस्पताल प्रबंधन ने बताया 8 एंबुलेंस सदर अस्पताल में कार्य करने के लिए अधिकृत है जबकि कई एंबुलेंस अनधिकृत रूप से सदर अस्पताल परिसर में खड़े रहते हैं। वहीं मरीजों से अधिक पैसे लेकर निजी अस्पतालों तक मरीजों को पहुंचाते हैं। सेकंड हैंड वाहनों को खरीद कर एम्बुलेंस बना लिया जाता है। सदर अस्पताल प्रबंधक को दुकानों को नहीं लगाने और एंबुलेंस को सड़क पर खड़ा नहीं करने को लेकर कार्रवाई के निर्देश दिये हैं। वही बताया कि अस्पताल परिसर में अनाधिकृत एम्बुलेंस खड़ा करने पर 500 जुर्माना वसूला जायेगा। वही बाइक चालकों को भी गलत तरीके से वाहन लगाने पर जुर्माने की राशि वसूली जायेगी।

सिसई थाना रोड शिव मंदिर की मूर्ति क्षतिग्रस्त की आक्रोशित लोगों ने रांची-गुमला मुख्य मार्ग जाम किया

मदन साहू

सिसई (आजाद सिपाही)। थाना रोड शिव मंदिर में स्थापित मां दुर्गाजी की मूर्ति को तोड़ कर क्षतिग्रस्त कर दिया गया है। मूर्ति तोड़ने वाले उपद्रवी का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। स्थानीय पुलिस जांच-पड़ताल कर रही है। आस पास के सी सी टीवी कैमरों को खंगाला जा रहा है।

मंदिर परिसर में रहने वाले फूल बेचने वाला उमेश कुमार मालाकार ने बताया कि सावन का महीना चल रहा है, इसलिए मंदिर का मुख्य द्वार दिनभर खुला रहता है। लोग पूजा करने के लिए आते रहते हैं। गुरुवार को भी मंदिर में दोपहर 1.30 बजे तक लोगों ने पूजा की। मैं अपने कमरे में टीवी देख रहा था और लगभग 3.45 बजे मंदिर का बाजा चालू करने के लिए मंदिर के अंदर गया, तो देखा कि दुर्गा मां की मूर्ति टूटी हुई थी और साथ दो तीन शिव लिंग भी टूट कर बिखरे पड़े थे। तब मैंने आसपास के लोगों को इसकी जानकारी दी। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस प्रशासन, एसडीपीओ सुरेश प्रसाद यादव, बीडीओ रमेश कुमार यादव, सीओ नितेश रोशन खलखो मंदिर में जांच के लिए पहुंचे।

वहीं स्थानीय लोगों द्वारा इस घटना से आक्रोशित होकर सिसई मेन रोड को टायर जलाकर एवं बैरिकेडिंग कर बाधित कर दिया गया है और शाम को सिसई की सभी दुकानों को बंद करा दिया गया है। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि पुलिस प्रशासन उचित कार्रवाई करते हुए शीघ्र ही उपद्रवी को गिरफ्तार करे और कड़ी से कड़ी सजा दे। जब तक उपद्रवी नहीं पकड़ा जाता है, तब तक सड़क को बाधित रखा जायेगा। लोग नेशनल हाइवे को भी जाम करने पर अड़े हुए हैं। मौके पर हिंदू जागरण के झारखंड परावर्तन प्रमुख संजय वर्मा, मुकेश ताम्रकर, विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल सिसई इकाई के रोहित शर्मा, मुकेश श्रीवास्तव डेविड, उदय कुशवाहा, मदन साहू, कृष्ण कुमार साहू, ओज जयसवाल, छोटेलाल ताम्रकर, सौरभ ताम्रकर, छोटू ताम्रकर, तेजमोहन साहू, दिलीप गुप्ता माना गुप्ता, टुन्नु गुप्ता, सहित भारी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद थे।

सिसई के होटलों में खाद्य सुरक्षा विभाग ने की छापेमारी, साफ-सफाई की कमी दिखी

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। खाद्य सुरक्षा विभाग, गुमला द्वारा सिसई प्रखंड में एक विशेष जांच एवं निरीक्षण अभियान चलाया गया। इस अभियान का नेतृत्व खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी लव कुमार गुप्ता ने किया। उन्होंने तेल, चीनी और नमक का सेवन धीरे-धीरे कम करें तथा उच्च रक्तचाप, मधुमेह और हृदय रोग के जोखिम को कम करें जैसे बैनरों के माध्यम से प्रतिष्ठानों में जागरूकता फैलाई। अभियान के दौरान सिसई होटल, अमर होटल (थाना रोड), अंजलि स्वीट्स, मानवी फूड एंड रेस्टोरेंट, तथा महावीर रेस्टोरेंट (सिसई मेन रोड) का औचक निरीक्षण किया गया।

सिसई होटल से डुप्लीकेट सॉस जब्त : सिसई होटल से डुप्लीकेट सॉस जब्त किया गया और खोवा की ऑन द स्पॉट स्टार्च टेस्ट जांच की गयी। साफ-सफाई में लापरवाही तथा एफएसएसएआई एक्ट 2006 के उल्लंघन पर 2000 का अर्थदंड लगाया गया एवं स्पष्टीकरण की मांग की गयी। वहीं मानवी फूड एंड रेस्टोरेंट व महावीर रेस्टोरेंट को साफ-सफाई में सुधार हेतु स्पष्टीकरण नोटिस जारी किया गया। अमर होटल में पनीर व रसगुल्ला की स्टार्च टेस्ट जांच की गई, जो मानकों के अनुसार सही पाया गया। अंजलि स्वीट्स में पनीर की स्टार्च टेस्ट जांच की गयी, जो मानकों के अनुसार सही पाया गया।

स्पोर्ट्स

मैग्नस को 30 दिन में दो बार हरा चुके हैं गुकेश। चौथे राउंड में प्रगनानंदा वर्ल्ड नंबर-1 खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को हराने के साथ संयुक्त रूप से टॉप पोजीशन पर पहुंच गये हैं।

फ्रीस्टाइल चेस ग्रैंड स्लैम में प्रगनानंदा ने कार्लसन को 39 चालों में हराया

एजेंसी

लास वेगास। भारत के ग्रैंडमास्टर आर प्रगनानंदा ने लास वेगास में फ्रीस्टाइल चेस ग्रैंड स्लैम टूर में दुनिया के नंबर 1 मैग्नस कार्लसन को हरा दिया है। 19 साल प्रगनानंदा ने पांच बार के वर्ल्ड चैंपियन को केवल 39 चालों में मात दी। कार्लसन को प्रगनानंदा ने टूर्नामेंट के ग्रुप स्टेज के चौथे राउंड में हराया। इस टूर्नामेंट में हर खिलाड़ी को 10 मिनट का समय और हर चाल पर 10 सेकेंड अतिरिक्त मिलते हैं। नॉर्वे के ग्रैंडमास्टर कार्लसन को हाल ही में भारत के मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन डी गुकेश भी लगातार दो बार हरा चुके हैं।

प्रगनानंदा संयुक्त रूप से टॉप पर पहुंचे : मैग्नस कार्लसन के खिलाफ चौथे राउंड में मिली जीत के साथ आर प्रगनानंदा 4.5 पॉइंट्स के साथ आठ खिलाड़ियों वाले टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से टॉप पर पहुंच गये हैं। इस जीत के साथ प्रगनानंदा, कार्लसन को तीनों फॉर्मेट क्लासिकल, रैपिड और ब्लिट्ज में हराने में सफल रहे।

चार में से तीन राउंड में जीत चुके हैं प्रगनानंदा : प्रगनानंदा ने टूर्नामेंट की शुरूआत उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव के खिलाफ ड्रॉ खेलकर की थी। इसके बाद दूसरे राउंड में उनका सामना असाउबायेवा से हुआ था, जिसमें वह जीत हासिल करने में कामयाब रहे थे। प्रगनानंदा ने अपनी लय को बरकरार रखते हुए तीसरे राउंड में काले मोहरों से खेलते हुए कीमर को हराया।

झारखण्ड सरकार
कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग
जिला गव्य विकास कार्यालय, लातेहार।

"आवश्यक सूचना"

वित्तीय वर्ष 2025–26 में मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना अन्तर्गत निम्नलिखित गव्य विकास कार्यक्रमों के लिये इच्छुक ग्रामीण कृषकों/पशुपालकों को सूचित किया जाता है कि जिला गव्य विकास कार्यालय, लातेहार/संबंधित प्रखण्ड पशुपालन कार्यालय से निःशुल्क आवेदन पत्र प्राप्त कर पूर्णरूपेण भरे हुए संबंधित पंचायत स्तरीय समिति अथवा ग्राम सभा की अनुशंसा दोनों में से कोई द्वारा अनुशंसित की गई प्रति संलग्न कर अपने प्रखण्ड पशुपालन कार्यालय में दिनांक 15 अगस्त तक आमंत्रित किये जाते है।

क्र० सं०	योजना का नाम	परियोजना लागत	अनुदान %	लाभुक वर्ग
01	दो दुधारू गाय/भैंस की योजना	1,35,050.	75%	सभी महिला लाभुकों के लिए। (आपदा/आगलगी से प्रभावित/सड़क दुर्घटना से प्रभावित/परित्यक्त/दिव्यांग महिलाओं को छोड़कर)
			90%	आपदा/आगलगी से प्रभावित परिवारों की महिलाओं/सड़क दुर्घटना से प्रभावित की महिलाओं/परित्यक्त/दिव्यांग महिलाओं के लिए।
02	कामधेनु डेयरी फार्मिंग			
(क)	पाँच दुधारू गाय/भैंस की योजना	3,37,625	50%	लघु डेयरी उद्यमियों/युवा शिक्षित बेरोजगारों/स्वंय सहायता समुह के सदस्यों/प्रगतिशील पशुपालकों को अनुदान–सह बैंक ऋण/लाभुक अंशदान अनु० जाति/अनु० जनजाति के लाभुकों/दुग्ध सहकारी समिति के लाभुकों के अतिरिक्त अन्य सभी लाभुकों के लिए।
			75%	लघु डेयरी उद्यमियों/युवा शिक्षित बेरोजगारों/स्वंय सहायता समुह के सदस्यों/प्रगतिशील पशुपालकों को अनुदान–सह बैंक ऋण/लाभुक अंशदान अनु० जाति/अनु० जनजाति के लाभुकों/दुग्ध सहकारी समिति के लाभुकों के लिए।
(ख)	दस दुधारू गाय/भैंस की योजना	6,75,250	50%	लघु डेयरी उद्यमियों/युवा शिक्षित बेरोजगारों/स्वंय सहायता समुह के सदस्यों/प्रगतिशील पशुपालकों को अनुदान–सह बैंक ऋण/लाभुक अंशदान अनु० जाति/अनु० जनजाति के लाभुकों/दुग्ध सहकारी समिति के लाभुकों के अतिरिक्त अन्य सभी लाभुकों के लिए।
			75%	लघु डेयरी उद्यमियों/युवा शिक्षित बेरोजगारों/स्वंय सहायता समुह के सदस्यों/प्रगतिशील पशुपालकों को अनुदान–सह बैंक ऋण/लाभुक अंशदान अनु० जाति/अनु० जनजाति के लाभुकों/दुग्ध सहकारी समिति के लाभुकों के लिए।
03	चारा काटने का मशीन			
(क)	हस्त चालित चैफ कटर	8,000	75%	लघु डेयरी उद्यमियों/युवा शिक्षित बेरोजगारों/स्वंय सहायता समुह के सदस्यों/प्रगतिशील पशुपालकों में अनुसूचित जाति/जनजाति के लाभुकों/दुग्ध सहकारी समिति के लाभुकों के अतिरिक्त अन्य सभी लाभुकों के लिए।
			90%	लघु डेयरी उद्यमियों/युवा शिक्षित बेरोजगारों/स्वंय सहायता समुह के सदस्यों/प्रगतिशील पशुपालकों में अनुसूचित जाति/जनजाति के लाभुकों/दुग्ध सहकारी समिति के लाभुकों के लिए।
(ख)	विद्युत चालित चैफ कटर	20,000	75%	लघु डेयरी उद्यमियों/युवा शिक्षित बेरोजगारों/स्वंय सहायता समुह के सदस्यों/प्रगतिशील पशुपालकों में अनुसूचित जाति/जनजाति के लाभुकों/दुग्ध सहकारी समिति के लाभुकों के अतिरिक्त अन्य सभी लाभुकों के लिए।
			90%	लघु डेयरी उद्यमियों/युवा शिक्षित बेरोजगारों/स्वंय सहायता समुह के सदस्यों/प्रगतिशील पशुपालकों में अनुसूचित जाति/जनजाति के लाभुकों/दुग्ध सहकारी समिति के लाभुकों के लिए।
04	प्रगतिशील डेयरी कृषकों को सहायता योजना			
(क)	मिल्कींग मशीन	1,20,000	75%	अनुसूचित जाति/जनजाति लाभुकों के अतिरिक्त अन्य सभी लाभुकों के लिए ।
			90%	अनुसूचित जाति/जनजाति लाभुकों/दुग्ध सहकारी समिति के लाभुकों के लिए।
(ख)	पनीर एवं खोआ मेकिंग यूनिट	1,00,000	75%	अनुसूचित जाति/जनजाति लाभुकों के अतिरिक्त अन्य सभी लाभुकों के लिए।
			90%	अनुसूचित जाति/जनजाति लाभुकों/दुग्ध सहकारी समिति के लाभुकों के लिए।
(ग)	वर्मी कम्पोस्ट यूनिट	25,000	75%	अनुसूचित जाति/जनजाति लाभुकों के अतिरिक्त अन्य सभी लाभुकों के लिए।
			90%	अनुसूचित जाति/जनजाति लाभुकों/दुग्ध सहकारी समिति के लाभुकों के लिए।
(घ)	डीप बोरिंग	1,00,000	75%	अनुसूचित जाति/जनजाति लाभुकों के अतिरिक्त अन्य सभी लाभुकों के लिए।
			90%	अनुसूचित जाति/जनजाति लाभुकों/दुग्ध सहकारी समिति के लाभुकों के लिए।
(च)	काउ मैट	5,200	75%	अनुसूचित जाति/जनजाति लाभुकों के अतिरिक्त अन्य सभी लाभुकों के लिए।
			90%	अनुसूचित जाति/जनजाति लाभुकों/दुग्ध सहकारी समिति के लाभुकों के लिए।

चयन हेतु अहर्त्ताए एवं प्रक्रियाः–

- इस योजना के अन्तर्गत लाभुकों का चयन पंचायत स्तरीय समिति अथवा ग्राम सभा की अनुशंसा दोनों में से कोई एक द्वारा अनुशंसा कराते हुए चयनित सूची पर प्रखण्ड स्तरीय समिति की अनुशंसा उपरान्त उपायुक्त की अध्यक्षता वाली गठित जिला स्तरीय समिति द्वारा अन्तिम रूप से लाभुकों का चयन किया जाएगा।
- वैसे लाभुक जिन्हे पूर्व में समान योजनाओं का लाभ राज्य सरकार अथवा केन्द्र सरकार द्वारा दिया गया हो, इस योजना के लाभ के पात्र नहीं होंगे।
- जिनके परिवार का एक भी सदस्य संस्थागत भूमि धारक/पूर्व अथवा वर्तमान संवैधानिक पद धारक/केन्द्र एवं राज्य सरकार/लोक उपक्रम/सरकारी स्वायतशासी संस्थाओं के कर्मी (मल्टी टास्किंग स्टाफ/वर्ग IV/समुह 'घ' के कर्मी को छोड़कर) रू०– 10000/– अथवा उससे अधिक पेंशनधारी/पिछले मूल्यांकन वर्ष में आयकर का भुगतान किया हो/पेशेवर संस्थाओं से निबंधित पेशेवर यथा चिकित्सक, अभियन्ता, वकील, चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट एवं आर्किटेक्ट वर्ग के होन की स्थिति में इस योजना के पात्र नहीं होंगे।
- दुधारू मवेशी वितरण योजना अन्तर्गत योजना का क्रियान्वयन अनुदान–सह–लाभुक अशंदान/बैंक ऋण पर किया जायेगा।
- दुधारू मवेशी वितरण योजना का क्रियान्वयन के क्रम में दुधारू मवेशी का क्रय 6 माह के अंतराल पर दो चरणों में किया जायेगा।
- दुधारू मवेशी वितरण कार्यक्रम अन्तर्गत पशु शेड का निर्माण मनरेगा अन्तर्गत उपलब्ध निधि के अभिसरण से किया जायेगा। वैसे चयनित पशुपालक जिनके पास मनरेगा कार्यक्रम अन्तर्गत शेड निर्मित है, की विस्तृत सूची संबंधित प्रखण्ड विकास दाधिकारी के द्वारा जिला गव्य विकास पदाधिकारी को उपलब्ध कराया जायेगा।
- लाभुक द्वारा दुधारू पशुओं का क्रय गव्य विकास निदेशालय से निबंधित/सूचीबद्ध पशु विक्रेता से किया जायेगा।
- हस्त चालित/विद्युत चालित चारा काटने की मशीन की योजना का लाभ गव्य विकास निदेशालय स्तर पर गठित क्रय समिति द्वारा निर्धारित गुणवता, मेक तथा विशिष्टियों के अनुरूप वास्तविक दर जो क्रय समिति के द्वारा विहित प्रक्रिया अपनाते हुए निर्धारित किया गया हो, अथवा राज्यादेश में उल्लेखित दर दोनों में जो कम होगा, उसके आधार पर क्रय उपरांत स्वीकृत अनुदान की राशि को उनके दावा विपत्र के आधार पर किया जायेगा।
- चारा काटने की मशीन की योजना के लाभुकों द्वारा हरा चारा उत्पादन किया जाना अनिवार्य होगा।
- प्रगतिशील डेयरी कृषकों को सहायता की योजना अन्तर्गत स्वीकृत अनुदान राशि का भुगतान गव्य विकास निदेशालय स्तर पर गठित क्रय समिति द्वारा निर्धारित गुणवता, मेक तथा विशिष्टियों के अनुरूप वास्तविक दर जो क्रय समिति के द्वारा विहित प्रक्रिया अपनाते हुए निर्धारित किया गया हो, अथवा राज्यादेश में उल्लेखित दर दोनों में जो कम होगा, उसके आधार पर क्रय उपरांत स्वीकृत अनुदान की राशि को उनके दावा विपत्र के आधार पर किया जायेगा।
- वर्मी कम्पोस्ट यूनिट एवं डीप बोरिंग आदि हेतु सक्षम स्तर से तकनीकी स्वीकृत प्राप्त प्राक्कलित राशि अथवा योजना के अनुमानित लागत दोनों में से जो कम हो के आधार पर अनुदान राशि लाभुकों को उनके दावा विपत्र के आधार पर भुगतान किया जायेगा।
- मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत अंतिम रूप से चयनित होने के उपरान्त लाभुको को भी अपना अशंदान Escrow Account में 01 माह के अन्दर जमा करना अनिवार्य होगा। अन्यथा उनके स्थान पर प्रतीक्षा सूची से लाभुकों का चयन किया जायेगा।
- लाभुकों को अनुदान राशि का भुगतान बैंक खातों में DBT के माध्यम से झारखण्ड कोशागार संहिता 2016 के आलोक में किया जायेगा।

नोटः– आवेदन पत्र के साथ आवेदक का आधार कार्ड, बैंक खाता (बैंक ऑफ महाराष्ट्र, लातेहार, आई०डी०बी०आई०, लातेहार एवं इंडियन ओवरसीज बैंक, लातेहार तीनों में से कोई एक), जमीन का रसीद (जहां योजना कार्यान्वित की जानी हो), वोटर कार्ड, जाति/दिव्यांग/आपदा/आगलगी से प्रभावित/सड़क दुर्घटना से प्रभावित/परित्यक्ता/गव्य प्रशिक्षण आदि से संबंधित प्रमाण पत्र एवं ग्राम सभा की अनुशंसित छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य है। विशेष जानकारी के लिए जिला गव्य विकास कार्यालय, लातेहार से कार्यालय अवधि में स्वंय आकर सम्पर्क कर सकते है। वित्तीय वर्ष 2025–26 में राज्यादेश प्राप्त होने के फलस्वरूप निहित प्रावधान के अनुरूप योजना के क्रियान्वयन नियमानुसार की जायेगी।

जिला गव्य विकास पदाधिकारी,
लातेहार।

PR 357523 (Animal Husbandry) 25-26 (D)

बोकारो महिला समिति ने 'सावन मिलन' समारोह का किया आयोजन

बोकारो (आजाद सिपाही)। महिला समिति,बोकारो की सदस्याओं के द्वारा बोकारो क्लब में सावन मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इसमें समिति की मेंबर्स हरे परिधान में सजी धजी नजर आयी। आयोजन का शुभारंभ अध्यक्ष अनिता तिवारी के आगमन से हुआ। सभी सदस्याओं ने तन्मयता से अतिथियों का स्वागत किया। सांस्कृतिक सचिव श्रीमती श्वेता कुमार के नेतृत्व में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति की गयी जिसमें सावन के उपलक्ष्य में कविताएं, गीत और नृत्य प्रस्तुत किए गये इस अवसर पर 'सावन क्वीन' का भी सर्वसहमति से चुनाव हुआ तथा सुंदर मेंहदी, आकर्षक केश विन्यास वाली सदस्याओं को भी पुरस्कृत किया गया। विभिन्न प्रकार के मनोरंजक खेल तथा आयोजनों से कार्यक्रम सुसज्जित रहा। सावन का झूला सजाया गया, नयी सदस्याओं का स्वागत किया गया, सावन के गीत गाये गये तथा स्वल्पाहार की व्यवस्था की गयी। इस भव्य समारोह का आयोजन सचिव ऋचा प्रियदर्शिनी की कुशल देखरेख में संपन्न हुआ। महिला समिति के इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य आपसी सौहार्द और प्रेम को बढ़ाना तथा साथ ही महिलाओं में समाज सेवा के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना एवं उन्हें इस नेक कार्य के लिए प्रोत्साहित करना था। इस अवसर पर समिति की उपाध्यक्षागण मोनिका रंगानी, इति रथ, देवजानी मिश्रा, अल्का मनवटी, अंजू सिंह, कोषाध्यक्ष अभिरुचि प्रिया, उप कोषाध्यक्ष अंजली तिवारी,सुरभि प्रभारी अनिशा झा, विद्यालय प्रभारी नीतू सुनीत व आशा राज,सिलाई और सैनिटरी प्रभारी प्रीति राजेश, समिता मोहंती, कल्पना वर्मा, यामिनी श्री तथा नव चयनित सदस्या रूपांशी श्रीवास्तव ने अपना बहुमूल्य सहयोग दिया। सावन महोत्सव 2025 में सावन क्वीन श्रद्धा, फर्स्ट रनर्स अप अन्नपूर्णा कुमार, सेकंड रनर्स अप संध्या राज को चुना गया एवं मेंहदी के लिए चंदना को प्रथम पुरस्कार तथा रूपाली को द्वितीय तथा केश विन्यास के लिए सुष्मिता मार्डी और सावन स्पेशल पुरस्कार के लिए आशी सिंह को अध्यक्ष, महिला समिति अनिता तिवारी के द्वारा सम्मानित किया गया।

भाकपा माले ने जून, जुलाई और अगस्त माह के राशन का वितरण सुनिश्चित कराने की मांग की

बिरनी/ गिरिडीह (आजाद सिपाही)। भाकपा माले के एक प्रतिनिधि मंडल जिला आपूर्ति पदाधिकारी गिरिडीह को एक ज्ञापन सौंपा। बिरनी प्रखंड में जून जुलाई और अगस्त माह के राशन को कार्ड धारियों के बीच वितरण में अनियमितता से अवगत कराया गया। जिसके कारण पिछले एक जुलाई को हजारों हजार की संख्या में माले के नेतृत्व में बिरनी प्रखंड आपूर्ति कार्यालय पर आक्रोश पूर्ण प्रदर्शन से अवगत कराते हुए पुनः कार्डधारियों में आक्रोश व्याप्त हो रहा है। जो बड़ी आंदोलन की दिशा में आगे बढ़ने पर मजबूर किया जायेगा। प्रतिनिधि मंडल की वार्ता को गंभीरता पूर्वक लेते हुए जिला आपूर्ति पदाधिकारी गिरिडीह द्वारा प्रतिनिधि मंडल को सकारात्मक आश्वाशन दिया गया और बोला गया कि जुलाई के आखिरी महीने तक बिरनी में तीन माह का अनाज वितरण सुनिश्चित किया जायेगा। तत्पश्चात प्रखण्ड आपूर्ति पदाधिकारी बिरनी, एफ सी आई गोदाम प्रबंधक बिरनी को डोर स्टेप डेलिवरी संवेदक को प्रतिनिधि मंडल के समक्ष फोन करके निर्देश दिया गया कि तीनों माह का राशन आपलोगों को उपलब्ध जल्द कराया जाएगा। इसमें प्रखण्ड आपूर्ति की किसी तरह की लापरवाही बर्दास्त नहीं किया जाएगा। कहा आपलोग सक्रिय होकर तुरंत आवंटित राशन को जुलाई के अंतिम तिथि तक हर हाल में डीलरों के दुकान तक पहुंचा दें और राशन वितरण सुनिश्चित करें। प्रतिनिधि मंडल में बिरनी प्रमुख रामू बैठा, उपप्रमुख सह माले प्रखंड सचिव शेखर शरण दास, जिला परिषद सदस्य सरिता देवी, बाराडीह पंचायत मुखिया सहदेव यादव पूर्व प्रमुख माले के वरिष्ठ नेता सीताराम सिंह, फ अ नेता सीताराम पासवान, माले नेता इजराइल अंसारी मुख्य रूप से शामिल थे।

सरकार जमीन अधिग्रहण करे तथा सड़क बनवाये : सदानंद महतो

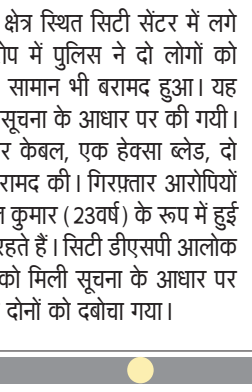

तोपचांची (आजाद सिपाही)। देश अमृत वर्ष मना रहा है। देश आजाद हुए 75 वर्ष हो गये। वहीं झारखंड राज्य को बने लगभग 25 वर्ष हो गये, लेकिन तोपचांची प्रखंड के दर्जनों राजस्व गांव मुखय सड़क से आज भी नहीं जुड़ पाया है। झारखंड प्रदेश में बीसीसीएल, सीसीएल, डीवीसी, सेल कंपनी, टाटा कंपनी, डैम आदि औद्योग लगाने के लिए समय-समय पर जमीन अधिग्रहण कार्य होते रहे हैं। देश के विकास में झारखंड प्रदेश का अहम योगदान रहा है। लेकिन राज्यवासियों को अब तक मूलभूत समस्याओं से आज भी जूझते रहे हैं। प्रदेश में जमीन अधिग्रहण कानून कई तरह के बने हुए हैं,समय-समय पर कानूनों में संशोधन भी होते रहा है। गांव में बसोंवास करने वाले खतियानी लोगों को आज भी सरकार मुख्य धारा से वंचित रखा है .तोपचांची क्षेत्र के घुनघुसा पंचायत के बदाही गांव, चितरपुर पंचायत के धाजाटांड़, पिपराडीह, मदैयडीह के कालाझार, दुमदुमी पंचायत के दांदुभगाठ, खरियो के कुबडी आमटांड,रामाकुंडा पंचायत के तुरसाबाद रजक टोला व चैता के नवाबारी, पिपराटोला आदि कई गांव आज भी विकास के बाटजोह रहा है। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता और आजसू नेता सदानंद महतो ने कहा कि तोपचांची के दर्जनों गांव मुख्य पथ से नहीं जुड़ पाया है। सरकार जमीन अधिकरण कानून के तहत जमीन उपलब्ध कराये तथा क्षेत्र के सभी जनप्रतिनिधि इसकी जिम्मेदारी ले तभी सड़क बन पायेगी।

जिओ टावर से केबल चोरी करते दो गिरफ्तार, चोरी का सामान भी बरामद

बोकारो (आजाद सिपाही)। सेक्टर 4 थाना क्षेत्र स्थित सिटी सेंटर में लगे जिओ टावर से केबल चोरी करने के आरोप में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से चोरी का सामान भी बरामद हुआ। यह कार्रवाई एस पी हरविंदर सिंह को मिली गुप्त सूचना के आधार पर की गयी। पुलिस ने मौके से चोरी किया गया 70 मीटर केबल, एक हेक्सा ब्लेड, दो अतिरिक्त ब्लेड एक चाकू और दो बैटरियां बरामद की। गिरफ़्तार आरोपियों की पहचान प्रकाश कुमार(27वर्ष) और राहुल कुमार (23वर्ष) के रूप में हुई है जो सेक्टर 4 थाना के समीप झोपड़पट्टी में रहते हैं। सिटी डीएसपी आलोक रंजन ने बताया कि 16-17 जुलाई की रात को मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने तत्परता दिखायी और रंगे हाथों इन दोनों को दबोचा गया।

विवाहिता की हत्या, पति समेत ससुरालवाले पर हत्या का आरोप

आजाद सिपाही संवाददाता

झरिया। दहेज के लिए गर्भवती विवाहिता महिला की हत्या किये जाने का मामला सामने आया है। हत्या का आरोप ससुरालवालों पर लगाया गया है। पुलिस फिलहाल शव को कब्जे में ले कर आगे की कार्रवाई में जुट गयी है। सुदामडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत नुनूडीह में एक गर्भवती महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गयी। मृतका की पहचान गिरिडीह निवासी रीना देवी के रूप में हुई है जिसकी दो वर्ष पूर्व शादी अमन गोराई से हुई थी।

महिला के मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर दहेज की मांग को लेकर हत्या का आरोप लगाया है। मामले की सूचना मिलने पर सुदामडीह थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस संबंध में मृतका का भाई ने कहा कि ससुराल पक्ष लगातार दहेज की मांग करता था और पूर्व में भी कई बार रीना के साथ मारपीट की गई थी। उन्होंने दावा किया कि बीती रात मारपीट कर रीना की हत्या कर उसे फांसी पर लटका दिया गया। जबकि रीना से रक्षाबंधन में घर आने की बात तय हुई थी लेकिन उससे पहले ही यह दुखद घटना हो गयी। रीना प्रेगनेंट थी। उन्होंने यह भी कहा कि घटना की जानकारी स्थानीय लोगों से मिली।

वहीं इस मामले में पुलिस अधिकारी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो पायेगा कि मामला हत्या का है या आत्महत्या का। पुलिस सभी पहलुओं से जांच कर रही है और दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

जल जमाव का प्रखंड और अंचल के पदाधिकारियों ने लिया संज्ञान

कसमार/ बेरमो (आजाद सिपाही)। गुरुवार को आजाद सिपाही हिन्दी दैनिक में छपे खबर घर के समीप जलजमाव होने से आवागमन में हो रही असुविधा, लोग पड़ रहे हैं बीमार का असर एवं लोगों द्वारा खुद स्थानीय पंचायत प्रतिनिधियों और प्रखंड एवं अंचल के पदाधिकारियों के यहां दिए आवेदन के असर के कारण अब जलजमाव का निदान किया जायेगा। उक्त जानकारी मधुकरपुर पंचायत के मुखिया राजेंद्र महतो एवं पंचायत समिति सदस्य इंद्रजीत कुमार पांडे ने दी है। उन्होंने कहा कि जलजमाव की निकासी पाइप द्वारा किया जायेगा। मामला ये है कि दरअसल कसमार प्रखंड अंतर्गत मधुकरपुर में लगभग आधा दर्जन दलित परिवारों के घर के पास जल जमाव हो जाने से लोगों को घर से निकलना मुश्किलों भरा हो गया है। प्रतिनिधियों ने बताया कि कार्य एक दो दिन के अंदर ही की जायेगी।

सेल जीतपुर कोलियरी का मामला लोकसभा में उठाया जायेगा : ढुल्लू महतो

आजाद सिपाही संवाददाता

झरिया/ जोड़ापोखर। सेल जीतपुर कोलियरी टाटा कंपनी की गलती के कारण बंद हो गया है, यह मामला को लोकसभा में उठाया जायेगा। उक्त बातें सांसद ढुलू महतो ने जीतपुर कोलियरी के मुख्य द्वार आयोजित अनिश्चत कालीन धरना स्थल पर 15 वे दिन मुख्य अतिथि ने कही है। श्री महतो ने कहा कि कोयला माफिया द्वारा आउटसोर्सिंग चलाने के लिए कोलियरी को बंद किया गया है, जिसे किसी भी कीमत पर नही होने दिया जायेगा। उन्होंने कहा है की कोलियरी को जल्द ही चालू किया जायेगा। प्रबंधन किसी भी ग्रामीण का पानी बिजली काटा तो चासनाला को भी बंद किया जायेगा। पूर्व मंत्री आबो देवी ने कहा है की स्थानीय प्रबंधन अपनी गलती को छुपाने के लिए बंद किया गया है। मजदूरों के हक में जोरदार आंदोलन की जायेगी। राष्ट्रीय जनता श्रमिक संघ के शाखा सचिव गुड्डु यादव ने सांसद को पत्र देते हुए कहा कि कोलियरी को पानी की खतरा है की नही दूसरी वैज्ञानिक संस्थान से जांच कराया जाये। संबोधित करने वालो में है राजकुमार जैना, बच्चा गिरी भुटका यादव, होपे नेपाली, रीना पासवान, मंच संचालन उदय शर्मा ने किया।

जिले का कोई भी दिव्यांग सरकारी योजनाओं से वंचित न रहे : न्यायाधीश

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। झालसा के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) द्वारा सदर अस्पताल धनबाद में दिव्यांग बच्चों के लिए एक विशेष निःशुल्क दिव्यांगता जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह चेयरमैन डालसा वीरेंद्र कुमार तिवारी ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि जिले का एक भी दिव्यांग बच्चा सरकारी योजनाओं से वंचित न रहे। जिले का हर बच्चा खास है और उसे उसका अधिकार मिलना चाहिए. वहीं शिविर के सम्बन्ध में जानकारी देते हुए अवर न्याधीश सह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार मयंक तुषार टोपनों ने बताया कि शिविर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, डालसा श्री वीरेंद्र कुमार तिवारी के निर्देशन में चल रहे विशेष जागरूकता अभियान के तहत आयोजित किया गया। अभियान 6 जुलाई से 20 जुलाई 2025 तक जिले के सभी प्रखंडों एवं पंचायतों में चलाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य दिव्यांग बच्चों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाना और उन्हें कानूनी रूप से सशक्त बनाना है। श्री मयंक ने बताया कि आयोजित शिविर में दर्जनो दिव्यांग बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर प्रमाण-पत्र जारी किया गया। सभी प्रकार की दिव्यांगताओं को ध्यान में रखते हुए चिकित्सकों की एक संयुक्त टीम गठित की गयी थी। टीम में डॉ राजीव कुमार सिंह (औषधि), डॉ. सरोजिनी मुर्मू (नेत्र), डॉ मुकेश प्रसाद (हड्डी), डॉ संजीव गुलास (सर्जरी), डॉ. जुनैद इएनटी, काउंसलर अभिष्कता मुखर्जी और मीनाक्षी दुबे शामिल थे। शिविर को सफल बनाने में सदर अस्पताल प्रशासन एवं डालसा टीम के सदस्य हेमराज चौहान, डिपेंटी गुप्ता, बिना कुमारी, पंकज वर्मा, निमाई प्रमाणिक, मानिक दुबे, नवीन कुमार, सोनू सिंह, कमल किशोर, सविता कुमारी, सौरभ सरकार, अरुण कुमार, राजेश सिंह आदि ने सक्रिय योगदान दिया।

विद्यालय के मुख्य द्वार पर तंबाकू मुक्त शिक्षण संस्थान का दीवार लेखन करें : डीएसइ

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। उपायुक्त के आदेशानुसार सिविल सर्जन व जिला शिक्षा पदाधिकारी के संयुक्त निर्देशन में कसमार एवं पेटरवार के सभी +2 स्कूल के प्राचार्य, बीपीओ एवं बीआरपी का एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन पेटरवार प्रखंड कार्यालय के सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत जिला परामर्शी मो असलम के द्वारा राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम बोकारो में वर्तमान स्थिति से अवगत कराया गया। जिला परामर्शी ने प्रशिक्षण में आये सभी प्रतिभागियों को बताया गया कि विद्यालय को तम्बाकू मुक्त रखने के लिये टाफी गाईडलाईन के अनुसार कुल 9 बिन्दुओं पर कार्य करने हैं, जिसमे मुख्यतः सबसे पहले प्राचार्य को यह सुनिश्चित करना है कि स्कूल के मुख्य प्रवेश द्वार पर तम्बाकू मुक्त शिक्षण संस्थान का दिवार लेखन कर जिस शिक्षण संस्थान के चहार दिवारी से 100 मीटर की दूरी पर तम्बाकू मुक्त क्षेत्र। अंकित किया जाय और अगर 100 मीटर के दायरे में कोई दुकान है और तम्बाकू उत्पाद की बिक्री कर रहा है ऐसे दुकानों को चिन्हित कर सम्बन्धित थाना प्रभारी को सूचित करें ताकि कोटपा 2003 की धारा 6बी के उल्लंघन करने पर उनका चालान किया जा सके। नोडल पदाधिकारी एनसीडी डॉ सुधा सिंह द्वारा बताया गया कि प्रशिक्षण के उपरान्त सभी स्कूल के प्राचार्य टाफी गाईडलाइन का अनुपालन करते हुए स्वयं मूल्यांकन फार्म भर कर कार्यालय में अवश्य जमा करेंगे।

पंचायती राज क्षेत्र में धनबाद को स्थानीय स्वशासन के सशक्तिकरण और सतत विकास के लिए मिला प्रशस्ति पत्र

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। पंचायती राज विभाग, झारखंड सरकार द्वारा पंचायत उन्नति सूचकांक1.0 (ढअक1.0) के अंतर्गत आयोजित डीसेमिनेशन वर्कशॉप में गुरुवार को धनबाद जिले को स्थानीय स्वशासन के सशक्तिकरण एवं सतत विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। यह सफलता जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह के कुशल नेतृत्व, सक्रिय जनप्रतिनिधियों और कर्मठ प्रशासनिक अधिकारियों के समन्वित प्रयास का प्रतिफल है। राजधानी रांची स्थित होटल चाणक्या बीएनआर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला में धनबाद के उप विकास आयुक्त (डीडीसी) की उपस्थिति में जिले को यह प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया, जिससे धनबाद की पंचायत व्यवस्था को राज्य स्तर पर विशेष पहचान मिली। झारखंड सरकार के पंचायत राज विभाग द्वारा जारी प्रशस्ति पत्र में 17 जुलाई 2025 को धनबाद जिले को शुभकामनाओं सहित सम्मानित किया गया।

इस उपलब्धि पर जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह ने कहा: यह सम्मान धनबाद जिले के जनप्रतिनिधियों, कर्मियों और ग्रामीण जनता की भागीदारी का परिणाम है। हमारा उद्देश्य पंचायत व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और जनकल्याणकारी बनाना है।

इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों और प्रतिनिधियों ने पंचायत उन्नति सूचकांक के विभिन्न मापदंडों पर चर्चा की और आगे की रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया। धनबाद की यह उपलब्धि पूरे राज्य के लिए प्रेरणास्रोत बनकर उभरी है।

Jharkhand Industrial Infrastructure Development Corporation Limited (JIIDCO)
(A Govt. of Jharkhand Undertaking)
5th Floor, Udyog Bhawan, Ratu Road, Ranchi – 834001 (Jharkhand)
e-mail- md-office@jiidco.co.in, www.jiidco.co.inPhone no. 0651-3512851,contact@jiidco.co.in

CIN U45208JH2004GOI011078
Letter no. 393

CALL FOR APPLICATION NOTICE Date:16.07.2025

Jharkhand Industrial Infrastructure Development Corporation Ltd. (JIIDCO) is committed to implement the RAMP program of MoMSME, GoI in the State of Jharkhand. JIIDCO is committed to foster the growth of women-led entrepreneurs in Jharkhand.

In this regard, JIIDCO invites applications from ambitious women entrepreneurs who aspire to expand their businesses through **Women Entrepreneurship Acceleration Support.**

JIIDCO provides a robust framework tailored to the unique needs of women-led entrepreneurs, helping in:

- Technology & Innovation
- Product Development & Packaging
- Financial Guidance
- Legal Compliances
- Professional & Skill Development
- EDP/MDP Courses
- Market opportunities & others

HOW TO APPLY: - Interested applicants may submit their online application **by 18.08.2025.** Shortlisted applicants will be invited for the second round of presentations. For more details, you may please visit www.jiidco.co.in (under updates section) or click https://www.jiidco.co.in/online-application/.

Sd/-
Managing Director
JIIDCO, Ranchi

PR 357516 Jharkhand Industrial Infrastructure Dev Co Ltd(25-26)#D

Government of Jharkhand
Home, Prison and Disaster Management Department
(Disaster Management Division)
T.A. Division Building, Near Golchakkar, Dhurwa, Ranchi, Jharkhand – 834004
Email Id-disasteroffice-jhr@jharkhandmail.gov.in

Expression of Interest (Request for Proposal)

In accordance to the para-1 published in Advertisement PR No.-356198 Dated-02.07.2025 regarding submission of Expression of Interest (EoI) for offering competitive rates of Interest on fixed Deposits (FDs) from Nationalized banks, a format reflecting common amount and tenure wise interest slab is as follows :-

Period		Applicable Rate of Interest					
Period	Amount upto Rs. 50 Crs	Amount Above Rs. 50 Crs Upto Rs. 100crs	Amount Above Rs. 100 Crs Upto Rs. 200crs	Amount Above Rs. 200 Crs Upto Rs. 400crs	Amount Above Rs. 400 Crs Upto Rs. 600crs	Amount Above Rs. 600 Crs Upto Rs. 800crs	Amount Above Rs. 800 Crs Upto Rs. 1000crs
30 days to 45 days							
46 days to 90 days							
91 days to 120 days							
121 days to 180 days							
181 days to less than 9 months							
9 months to less than 1 year							
1 year							
Above 1 years to less than 2 years							
2 years to less than 3 years							
3 years to less than 5 years							
5 years							
Above 5 years							

In addition to this now the revised date of submission of proposal is 30.07.2025 upto 4.00 P.M. and date of opening of bid is 31.07.2025 - 4:00 P.M.

Joint Secretary
Home, Prison and Disaster Management Department
(Disaster Management Division)
Jharkhand, Ranchi

PR 357510 Disaster Management (25-26)_D

DIRECTORATE OF ANIMAL HUSBANDRY
DEPARTMENT OF AGRICULTURE, ANIMAL HUSBANDRY & CO-OPERATIVE
(GOVERNMENT OF JHARKHAND)
NOTICE FOR INVITING e- TENDER No.- 01/2025-26
FOR

Selection of Insurance Intermediaries to provide Technical & Operational Support and Overseeing effective implementation of Jharkhand Livestock and Poultry Insurance Scheme through Nationalized Insurance Company under Mukhyamantri Pashudhan Vikash Yojna (MMPVY)

Directorate of Animal Husbandry, Govt. of Jharkhand, Ranchi invites Proposals from eligible IRDAI approved Insurance Intermediaries for implementation of Livestock (Goat, Sheep, Pig) and Poultry Insurance scheme through Scheduled Bank Insurance Company in all districts of Jharkhand. Insurance Intermediary shall do the intermediation & coordination between the department of animal husbandry at the district level, Insurance Co. and beneficiaries for successfully implementation of the scheme.

1. After publication of the N.I.T., the desirous bidders may download tender documents along with terms & conditions from the Website. https://www.jharkhandtenders.gov.in and https:// www.jharkhand.gov.in but submit only through **NIC e-tender portal https://www.jharkhandtenders.gov.in.**
2. Disclosure of rate other than financial bid will disqualify the bidder.
3. Estimated Contract Value- Approx Rs. 6.5 Crore.
4. Each bidder, will have to deposit Earnest Money **Rs. 13 Lakh (Rupees Thirteen Lakh) online board of any Scheduled Bank** in favor of Director Animal Husbandry, Jharkhand payable at Ranchi.
5. **All uploaded documents should be legible/ readable if not tender may be rejected. Unsigned uploaded with documents will be rejected.**
6. The under mentioned schedule is fixed; however, the undersigned reserves the right to change the date of activities in case of any exigencies through a notice in the government website viz & Notice Board at official address Director, Animal Husbandry, Pashupalan Bhawan, Hesag, Hatia, Ranchi, Pin- 834003

Sl. no.	Particulars	Details
1.	Scheme will cover Insurance of	A) Small Animal (Goat, Sheep and Pig). B) Poultry.
2.	Eligibility Criteria	Working in Livestock & Poultry insurance field for minimum 03 (Three) years (Under the Govt. Sponsored Scheme).
3.	Date of Floating of Tender	18-07-2025
4.	Pre Bid Meeting	25-07-2025
5.	Download of Tender document will start from	26-07-2025
6.	Online submission of bid will start from	26-07-2025
7.	Last date of online bid submission	14-08-2025
8.	Date,Time & Place of opening of Technical Bid	18-08-2025, Animal Husbandry Directorate, Hesag, Ranchi
9.	Date and Time of opening of Financial Bids	To be intimated later on (After Finalization of technical bid)
10.	About EMD	EMD/Bid Security Money by any Scheduled Bank should be submitted Online mode. Its Refundable.

*For any Query mail ID: https://www.ahdjharkhand@gmail.com

Director,
Directorate of Animal Husbandry,
Jharkhand, Ranchi-834003.

PR 357505 Animal Husbandry(25-26)D

लक्ष्मण प्रसाद सिंह ने समस्याओं का किया समाधान

राजधनवार, गिरिडीह (आजाद सिबपाही)। भाजपा नेता सह पूर्व आइजी लक्ष्मण प्रसाद सिंह ने गुरुवार को धनवार प्रखंड क्षेत्र के बरजो भाजपा कार्यालय के पास ट्रांसफार्मर का लोकार्पण किया। लगभग पंद्रह दिनों से गांव का ट्रांसफार्मर जल गया था, जिस कारण लोग अंधेरे में थे। ग्रामीणों ने इसकी जानकारी श्री सिंह को दी तो श्री सिंह ने विभाग के अधिकारियों से संपर्क कर नया ट्रांसफार्मर दिलाया। ग्रमीणों ने श्री सिंह का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लक्ष्मण प्रसाद सिंह से जब भी किसी समस्या के समाधान की मांग जाती है, तो वे सहज उपलब्ध रहते हैं और तुरंत समाधान करते हैं। इसके बाद श्री सिंह धनवार के बरजो स्थित भाजपा कार्यालय पहुंचे और लोगों की समस्याओं से अवगत हुए कुछ लोगों की समस्याओं का मौके पर ही निदान भी कर दिया। इस क्रम में धनवार के केंदूआ पंचायत के चूंजखो एवं गंगापुर इदगाह मुहल्ले के ग्रामीणों ने ट्रांसफार्मर खराब होने तथा उसके जगह पर नया ट्रांसफार्मर दिलवाने की बात कही। श्री सिंह ने संबंधित अधिकारी से ग्रामीणों की समस्या से अवगत कराते हुए जल्द ही नया ट्रांसफार्मर लगवाने की मांग की। मौके पर भाजपा मनसाडीह मंडल अध्यक्ष अशोक राय, युवा नेता उपेंद्र सिंह, श्रीकांत राय, विजय अग्रवाल, सुबोध राय, पवन सिंह, श्याम सिंह, अरविंद साव, मो समसुदीन समेत कई लोग मौजूद थे।

छांगुर बाबा के 14 ठिकानों पर इडी की रेड

- सुबह 5 बजे बलरामपुर और मुंबई पहुंचीं टीमें
- 100 करोड़ रुपये की फंडिंग का है मामला

आजाद सिपाही संवाददाता

लखनऊ/बलरामपुर। यूपी में धर्मांतरण के मास्टरमाइंड छांगुर बाबा उर्फ जलालुद्दीन के ठिकानों पर इडी की रेड हुई है। गुरुवार सुबह 5 बजे से बलरामपुर के 12 ठिकानों और मुंबई के 2 ठिकानों पर 20 टीमों ने करीब 13 घंटे छापेमारी की। 100 करोड़ की फंडिंग के मामले में इडी ने यह कार्रवाई की है। दरअसल, यूपी एटीएस को छांगुर बाबा गिरोह के हवाला नेटवर्क, संदिग्ध बैंक ट्रांजैक्शन और विदेशी फंडिंग के कई सुराग हाथ लगे थे। इस संबंध में एटीएस ने इडी को दस्तावेज सौंपे थे। इसके बाद इडी ने यह एक्शन लिया है। इडी को अब तक की जांच में पता चला है कि गिरोह के 30 में से 18 बैंक खातों में अब तक करीब 68 करोड़ रुपये का ट्रांजैक्शन दर्ज हुआ है। महज तीन महीने में 7 करोड़ रुपये की विदेशी फंडिंग इन खातों में हुई। यह रकम हवाला और मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क के जरिए विभिन्न देशों से भेजी गयी है। नीतू के नाम पर 8 बैंक खाते मिले हैं- बैंक ऑफ इंडिया, पेटीएम बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा (3 खाते), आइसीआइसीआइ, एचडीएफसी, एसबीआइ, जबकि नवीन के पास 6 खाते मिले हैं।

छांगुर गिरोह की गतिविधियों से जुड़े आतंकी नेटवर्क के दस्तावेज हाथ लगे

एक बड़ी इमारत को आतंकी ट्रेनिंग कैंप के तौर पर इस्तेमाल किये जाने के सबूत मिले हैं। यह इमारत कहां की है यह स्पष्ट नहीं हो पाया। इसके अलावा विदेशी फंडिंग से बंगला, शोरूम, फॉर्च्यूनर जैसी लग्जरी गाड़ियां खरीदने के सबूत मिले हैं। दरगाह में हर साल भव्य उर्स का मेला लगता था। इसमें देश-विदेश से लोग जुटते थे। इसका मकसद धर्मांतरण करवाना रहता था।

मुंबई में छांगुर का करीबी निकला शहजादा, बांद्रा स्थित ठिकाने पर रेड

इडी की कार्रवाई में छांगुर नेटवर्क का एक अहम नाम सामने आया है। शहजादा, जो छांगुर का बेहद करीबी बताया जा रहा है। इडी टीम ने गुरुवार सुबह मुंबई के बांद्रा इलाके में स्थित शहजादा के ठिकाने पर छापेमारी की। शुरुआती जांच में सामने आया है कि शहजादा के खाते में दो करोड़ रुपये की संदिग्ध रकम ट्रांसफर की गयी थी। यह रकम बलरामपुर निवासी नवीन के जरिए पहुंची थी। इडी को शक है कि यह पूरा लेनदेन धर्मांतरण नेटवर्क से जुड़ी हवाला फंडिंग का हिस्सा है। इस पैसे का इस्तेमाल छांगुर गिरोह की गतिविधियों को संचालित करने और धर्मांतरण के काम को फैलाने में किया गया। अब इडी मुंबई से लेकर बलरामपुर तक इस पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में जुट गयी है, जिससे अवैध कारोबार, मनी लॉन्ड्रिंग और अंतरराष्ट्रीय फंडिंग की परतें खुल सकें।

बलरामपुर में सहयोगी दुर्गेश के घर भी छापा

लखनऊ से इडी टीमें 5 कारों में बलरामपुर पहुंची हैं। उतरौला के आसिपिया, हाशमी हुसैनी कलेक्शन, बाबा ताजुद्दीन कलेक्शन, मधुपुर गांव और रेहरा माफी गांव समेत 12 जगहों पर छापेमारी चल रही है। एऊछांगुर बाबा के सहयोगी दुर्गेश के घर पर भी छापेमारी कर रही है। दरअसल, एटीएस की जांच में पता चला था कि दुर्गेश ने गलत तरीके से छांगुर को कई जमीनें बेची थीं। इन्हीं में से 3 बीघा जमीन पर छांगुर बाबा आलीशान बिल्डिंग बनवा रहा था, जिसमें डिग्री कॉलेज खोलने की योजना थी।

रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ इडी का बड़ा एक्शन 43 संपत्तियां कुर्क हुई, चार्जशीट भी दाखिल

नयी दिल्ली (आजाद सिपाही)। प्रवर्तन निदेशालय (इडी) ने गुरुवार को कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के पति रॉबर्ट वाड्रा और उनकी संस्थाओं से जुड़ी 37.64 करोड़ रुपये की 43 अचल संपत्तियों को कुर्क किया है। साथ ही उनके और 10 अन्य के खिलाफ अभियोजन शिकायत या आरोप पत्र भी दायर किया है। मामले से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि ये संपत्तियां वाड्रा और स्काई लाइट हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड सहित उनकी संस्थाओं की हैं। गुरुग्राम पुलिस द्वारा 1 सितंबर, 2018 को दर्ज की गयी एफआइआर के आधार पर चल रही जांच के हिस्से के रूप में 16 जुलाई, 2025 को अंतिम कुर्की आदेश जारी किया गया था। वहीं, रॉबर्ट वाड्रा के ऑफिस की तरफ से कहा गया है कि रॉबर्ट वाड्रा को उन रिपोर्टों की जानकारी है जिनमें कहा गया है कि प्रवर्तन निदेशालय ने दिल्ली के राउज एवेन्यू न्यायालय में उन्हें अभियुक्त बनाते हुए अभियोजन शिकायत दर्ज करायी है। उधर संबंधित घटनाक्रम में इडी ने गुरुवार को नयी दिल्ली में राउज एवेन्यू कोर्ट के समक्ष 11 व्यक्तियों और संस्थाओं के खिलाफ अभियोजन शिकायत भी दायर की, जिसमें रॉबर्ट वाड्रा, स्काई लाइट हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड, सत्यानंद याजी, केवल सिंह विर्क और उनकी कंपनी ओंकारेश्वर प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि अदालत ने अभी तक अभियोजन पक्ष की शिकायत पर संज्ञान नहीं लिया है।

ब्रिटेन में 16 साल की उम्र में वोट दे सकेंगे

इंग्लैंड। ब्रिटेन में अब वोट डालने की न्यूनतम उम्र अब 18 से घट कर 16 साल हो गयी है। सरकार ने एलान किया है कि अब 16 और 17 साल के युवा भी अगले आम चुनाव में वोटिंग कर सकते हैं। ब्रिटेन में मतदान की उम्र में आखिरी बार बदलाव 1969 में हुआ था, जब इसे 21 से घटा कर 18 साल किया गया था। इससे पहले 16-17 साल के युवा केवल स्कॉटलैंड और वेल्स में कुछ चुनावों में ही वोट डाल सकते थे, लेकिन अब वे चुनावों में हिस्सा ले सकेंगे।

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित। **संपादक :** हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक*** : विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**